ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चुनाव आयोग जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है: एच.के. पाटिल @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 11 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-221

रायबरेली लोकसभा सीट पर मिले 0 मकान नंबर वाले कई मतदाता

राहुल गांधी ने फर्जीवाड़े से जीता लोकसभा चुनाव!

लखनऊ/रायबरेली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी बचकानी हरकतों के कारण अपने ही फंदे में खुद फंस जाते हैं। राहुल गांधी ने शून्य (0) पते पर कई मतदाताओं का नाम दर्ज होने का मामला उठा कर फर्जीवाड़े का आरोप लगाया और इसमें चुनाव आयोग को वोट-चोर बता दिया। राहुल गांधी के ही संसदीय क्षेत्र रायबरेली में शून्य (0) पते वाले ढेर सारे मतदाताओं के नाम मिले हैं। इससे यह सवाल उठा है कि क्या राहुल गांधी ने चुनाव जीतने में फर्जीवाड़ा किया था? क्या राहुल गांधी को भी वोट-चोर कहा जाए?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर फर्जी वोटर बनाने का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि कई वोटर लिस्ट में कई मकानों की संख्या 0 है। अब सामने आया है कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की जिस रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद हैं, वहां भी वोटर लिस्ट में बड़ी संख्या में लोगों के मकान नंबर 0 मिले हैं। रायबरेली की वोटर लिस्ट में कई लोगों के मकान नंबर 0 दर्ज हैं। साथ ही एक बूथ में मकान नंबर 8 पर 27 वोटर, और दो अन्य बूथों में मकान नंबर 4 और 80 पर 18-18 वोटर दर्ज मिले हैं। इसके अलावा रायबरेली में वोटर लिस्ट में एक ही पते पर 27 लोगों के नाम दर्ज मिले हैं। इस बरामदगी से यह सवाल उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी जिस तरह वोटर फर्जीवाड़े का आरोप चुनाव आयोग और भाजपा पर लगा रहे हैं, वैसा ही फर्जीवाड़ा करके उन्होंने भी अपनी सीट जीती है?

रायबरेली की वोटर लिस्ट में एक ही पते पर दर्ज हैं कई वोटर

तो क्यों नहीं राहुल गांधी भी कहे जाएं रायबरेली के वोट-चोर!

राहुल गांधी ने 7 अगस्त 2025 को प्रेस कॉन्फ्रेस में कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का डेटा दिखाया था जिसमें वोटर लिस्ट में कई लोगों के नंबर के आगे 0 लिखा हुआ था। राहुल ने ऐसे दावों को बहुत बड़ा षड्यंत्र बताया लेकिन अपने बुने हुए जाल में राहुल गांधी खुद ही फंस गए हैं। रायबरेली वही सीट है जिस पर अब राहुल गांधी और पहले उनकी मां सोनिया गांधी लगातार लोकसभा का चुनाव जीतते रहे हैं।

वोटर लिस्ट के जिस 0 मकान नंबर के आधार पर राहुल गांधी ने वोटर चोरी और भाजपा की जीत का दावा किया है, अगर उसी कसौटी पर उनकी खुद की सीट को भी कसा जाए तो यह साबित होता है कि राहुल गांधी ने भी फर्जी वोटों के सहारे अपना चुनाव जीता। राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए यही साबित करने की कोशिश कर रहे थे। एक विशेषज्ञ ने बताया कि वोटर लिस्ट में मकान नंबर 0 मिलना सिर्फ गड़बड़ी नहीं हो सकती है, क्योंकि अक्सर ऐसा होता है कि गांव में लोगों को मकान नंबर की जानकारी नहीं होती है और वोटर लिस्ट में उनका नंबर 0 ही दर्ज कर लिया जाता है। जबकि राहुल गांधी ने इसे फर्जीवाड़ा से जोड़ते हुए इसमें चुनाव आयोग और भाजपा को लपेटने की कोशिश की थी। उन्होंने वोटर लिस्ट में शून्य (0) पते पर 80 वोटर दर्ज होने की बात कही थी।

▶10 पर

बेंगलुरु से पीएम मोदी ने ट्रंप को सुना दिया

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था जल्द तीसरे नंबर पर पहुंचेंगे

बेंगलुरु, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15,610 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 परियोजना की आधारशिला रखी। इस परियोजना की कुल लंबाई 44 किलोमीटर से अधिक होगी और इसमें 31 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। कर्नाटक की धरती पर कदम रखते ही अपनापन सा महसूस होता है। यहां की संस्कृति, यहां के लोगों का प्यार और कन्नड़ भाषा की मिठास दिल को छू जाती है। बेंगलुरु को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर है जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर जिसने ग्लोबल आईटी मैप पर भारत का परचम लहराया है। हम बेंगलुरु को नए भारत के उदय का एक सच्चा प्रतीक बनते हुए देख रहे हैं। एक ऐसा शहर जिसने भारत को वैश्विक आईटी मानचित्र पर गर्व से स्थापित किया है। बेंगलुरु की उल्लेखनीय सफलता की कहानी के पीछे प्रेरक शक्ति इसके लोगों की असाधारण प्रतिभा और सरलता है। बीते समय में बेंगलुरु के लिए भारत सरकार की ओर हजारों करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू की गई हैं। आज इस अभियान को नई गति मिल रही है। आज बेंगलुरु मेट्रो येलो लाइन का शुभारंभ हुआ है। मेट्रो फेज-3 आधारशिला भी रखी गई है। साथ ही देश के अलग अलग हिस्सों के लिए तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई गई है। ▶10 पर

15,610 करोड़ की मेट्रो परियोजना की आधारशिला रखी

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को सराहा

राजनाथ सिंह ने ट्रंप पर साधा निशाना

सबके बॉस तो हम हैं

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के उमरिया गांव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बिना उन पर तंज कसा। औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में, जहाँ उन्होंने एक रेल कोच इकाई का भूमिपूजन किया, राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग भारत के तेजी से हो रहे विकास से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'सबके बॉस तो हम हैं'। भारत इतनी तेजी से कैसे आगे बढ़ रहा है? राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ लोग यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि ▶10 पर

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने जारी किया

राहुल गांधी को वोटर लिस्ट गड़बड़ी के आरोपों पर नोटिस

बेंगलुरु, 10 अगस्त 2025 (एजेंसियां)।

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोपों के संबंध में नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राहुल गांधी द्वारा 2024 लोकसभा चुनावों के दौरान महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में वोट चोरी के दावों के जवाब में जारी किया गया है, जिसमें उन्होंने 1,00,250 वोटों की कथित चोरी का आरोप लगाया था।

नोटिस में कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अनबुकुमार ने राहुल गांधी से उन दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग की है, जिनके आधार पर उन्होंने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल गांधी ने 7 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि शकुन रानी नाम की एक मतदाता ने महादेवपुरा में दो बार मतदान किया। उन्होंने यह भी कहा था कि उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज चुनाव आयोग के डेटा पर आधारित हैं, और वोटर कार्ड पर मौजूद टिक मार्क पोलिंग बूथ अधिकारी द्वारा डाले गए वोट का सबूत है।

हालांकि, सीईओ ने अपनी प्रारंभिक जांच में स्पष्ट किया कि शकुन रानी ने बयान दिया है कि उन्होंने केवल एक बार ही मतदान किया, न कि दो बार, जैसा कि राहुल गांधी ने आरोप लगाया। इसके अतिरिक्त, जांच में यह भी पाया गया कि राहुल द्वारा दिखाया गया टिक मार्क वाला दस्तावेज पोलिंग अधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया था। नोटिस में कहा गया है, आपसे अनुरोध है कि जिन दस्तावेजों के आधार पर आपने यह निष्कर्ष निकाला है कि शकुन रानी या किसी अन्य व्यक्ति ने दो बार मतदान किया, कृपया वे दस्तावेज उपलब्ध कराएँ ताकि ▶10 पर

'ऑपरेशन सिंदूर' तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल का प्रमाण : अनिल चौहान

सीडीएस ने एकीकृत अभियानों के भविष्य की कार्ययोजना पर दिया जोर

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और परिचालन सामंजस्य का एक स्पष्ट प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

जनरल चौहान ने यह बात कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम), सिकंदराबाद में 21वें उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एचडीएमसी) के प्रतिभागियों और वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने प्रौद्योगिकी-संचालित आधुनिक युद्ध में विघटनकारी बदलावों से निपटने के लिए व्यापक क्षमता विकास, आत्मनिर्भरता और सेना में किए जा रहे परिवर्तनकारी बदलावों की गहरी समझ के महत्व पर बल दिया। सीडीएस ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना और उच्चतर रक्षा प्रबंधन' पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने भारत के रक्षा संगठन के विकास और वर्तमान ढांचे को रेखांकित किया। उन्होंने सैन्य मामलों के विभाग की उपलब्धियों, राष्ट्रीय सुरक्षा समितियों के कामकाज, संगठनात्मक पुनर्गठन और संयुक्त क्षमता बढ़ाने के लिए थिएटर कमांड की कार्ययोजना का उल्लेख किया। ▶10 पर

रॉबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर की चार्जशीट

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी ने दावा किया है कि वाड्रा ने गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में एक जमीन सौदे से 58 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हासिल की। यह मामला जमीन की खरीद-बिक्री और लाइसेंस जारी करने में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है।

ईडी के अनुसार, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने 3.5 एकड़ जमीन को रिश्वत के रूप में हासिल किया था। वाड्रा ने दावा किया था कि उन्होंने इस जमीन के लिए 7.5 करोड़ रुपये का भुगतान किया, लेकिन एऊका कहना है कि भुगतान के लिए जारी किया गया चेक कभी भुनाया नहीं गया, और बिक्री विलेख में गलत जानकारी दर्ज की गई थी। इस जमीन को बाद में रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेचा गया। चार्जशीट में ईडी ने बताया कि इस सौदे से प्राप्त 58 करोड़ रुपये में से 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड और ▶10 पर

निसार के बाद इसरो लॉन्च करेगा अमेरिकी सैटेलाइट, दुनिया हैरान

भारत अब दूसरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है : इसरो प्रमुख

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

सांकेतिक तस्वीर

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत कुछ ही महीनों में 6,500 किलोग्राम का एक अमेरिकी संचार उपग्रह लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। यह मिशन जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट पर नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार) मिशन के ऐतिहासिक प्रक्षेपण के बाद होगा। उन्होंने कहा कि यह भारत की अंतरिक्ष कार्यक्रम में हुई एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

नारायणन ने इसरो की शुरुआत को याद करते हुए कहा, एक वक्त था जब भारत को 60 साल पहले अमेरिका से एक छोटा रॉकेट मिला था, लेकिन आज हम भारतीय धरती से एक अमेरिकी उपग्रह लॉन्च करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 1963 में स्थापित इसरो, उस समय उन्नत देशों से 6-7 साल पीछे था। 1975 में, इसरो ने अमेरिकी डेटा की मदद से 2,400 गाँवों में टेलीविजन सेट लगाकर जन संचार का सफल प्रदर्शन किया था।

इसरो अध्यक्ष ने 30 जुलाई को लॉन्च हुए निसार मिशन को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया। ▶10 पर

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,04,410/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,18,300/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28°

न्यूनतम : 21°

बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों को नव-असमिया बता रही कांग्रेस

तो घुसपैठियों को अपने घर में क्यों नहीं रखते राहुल गांधी?

गुवाहाटी, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को कांग्रेस पार्टी नव-असमिया बता कर नई परिभाषा गढ़ने का कुचक्र कर रही है। कांग्रेस सांसद एवं असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने घुसपैठियों को नव-असमिया कह कर संबोधित करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के इस राष्ट्र विरोधी हरकत पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, घुसपैठियों से राहुल गांधी का इतना ही लगाव है, तो घुसपैठियों को वे अपने घर क्यों नहीं बुला लेते! उन्हें अपने घर में घुसपैठियों को जगह देनी चाहिए, क्योंकि हमारे घर में उनके लिए कोई जगह नहीं है। असम में मूल असमियों के लिए पर्याप्त संसाधन और जगह नहीं है, तो तथाकथित नए असमियों को कैसे समायोजित किया जा सकता है?

असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी जमीनों को

असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर उठाए गंभीर सवाल

घुसपैठियों के कब्जे से 45,870 एकड़ भूमि खाली हुई

अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए बेदखली अभियान जारी रहेगा। सीएम शर्मा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चल रही राज्य सरकार की जंग को रेखांकित करते हुए कहा कि सरकारी जमीनों को मुक्त कराने के लिए चलाया जा रहा बेदखली अभियान ऐसे ही लगातार जारी रहेगा। अब तक 45,870 एकड़ (1.39 लाख बीघा) अतिक्रमित भूमि खाली कराई जा चुकी है, जिसमें जंगल, चरागाह और अन्य सार्वजनिक स्थल शामिल हैं। असम के मुख्यमंत्री ने राज्य के संसाधनों को लेकर भी अपनी चिंता जताई। उन्होंने कहा, न तो जमीन है, न जगह, न घर। हम असमियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं दे सकते तो ऐसे में हम इन कांग्रेस-कथित नए असमियों को सुविधाएं कैसे दे सकते हैं? गोगोई को अगर इनकी इतनी ही चिंता है, तो इन लोगों को राहुल गांधी के घर भेज देना चाहिए।

महज वोट के लिए कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और कुछ अन्य पार्टियां राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर उतर आई हैं।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

श्री मिश्रीमलजी, श्री रूपचंदजी की जन्म जयंती मनाई

महापुरुषों के बताए मार्गों पर चल कर कर्मों के बंध से मुक्त होने का करें प्रयास: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को पूज्य गुरुदेव मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी की 135वीं जन्म जयंती और गुरुदेव श्री रूपचंद रजत की 97वीं जन्म जयंती और 7वीं पुण्यतिथि मनाई गई। महा-पुरुषों का गुणगान करते हुए गुरुदेव ने फरमाया कि तीर्थ करने के लिए कोई गंगा जाता है तो कोई चार धाम जाता है। तीर्थ का एक फल मिलता है। लेकिन अगर संत मिलते हैं तो उसका चार फल मिलता है।

संत के मिलने से सभी प्रकार की दुविधा दूर हो जाती है। लेकिन अगर सतगुरु मिले तो अनंत फलों की प्राप्ति होती है। कोई मार्ग दिखाने वाला मिल जाए तो सभी प्रकार की दुविधा दूर हो जाती है। ऐसे ही महापुरुषों को

आज याद करने का दिन आया है। गुरु के दिखाए मार्गों पर चलने वाला अपने बंध कर्मों से मुक्त हो सकता है। मनुष्य रोजना अपने कर्मों का बंध कर रहा है। किसी ना किसी तरह से मनुष्य अपने कर्मों को बांधने का काम कर रहा है। लेकिन अगर मनुष्य महापुरुषों के जीवन चारित्र को सुने और उन्हें याद करे तो कर्मों के बंधन से मुक्ति मिल सकती है। ऐसे मौके मनुष्य को सही मार्ग दिखाने के लिए ही आते हैं। महापुरुषों ने अपने जीवन में क्या किया है, उसे सुन कर जीवन में बदलाव करना चाहिए।

ऐसा करने से मनुष्य अपने वर्तमान के साथ ही आने वाले भवों को भी सफल बना सकता है। गुरुदेव ने फरमाया कि साधु संत मनुष्य को हर वक्त सही मार्ग दिखाते हैं। अगर उस मार्ग पर चला जाए तो निश्चित ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है। मनुष्य जन्म मिला है तो उसे भजन कीर्तन करके सफल बना लेना चाहिए। अगर आपके पास दौलत है तो उससे दुखी लोगों के कष्टों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। अपने लिए तो सभी जीते हैं, लेकिन दूसरों के लिए करने वाला ही महान कहलाता है। इस जीवन में अगर कुछ नहीं किया तो वापस मौका नहीं मिलेगा। मनुष्य भव बहुत ही दुर्लभ है। इसलिए इसको सांसारिक जीवन में व्यतित नहीं करना चाहिए। इसलिए गुरुदेवों के स्मरण का जब भी मौका मिले तो उसे सुनकर आत्मसात कर लेना चाहिए। मनुष्य को सही मार्ग पर पहुंचाने के लिए ही महापुरुषों की जन्म जयंती मनाई जाती है। ऐसे महान लोगों के बारे में सुनने के लिए भी पुण्यवान होना पड़ता है। सभी को ऐसा मौका नहीं मिलता है।

गुरुदेव ने फरमाया कि अपना बुरा करने वालों का भी अच्छा करें। ऐसा करने वालों का बेड़ा पार हो जाएगा। इसलिए आज हम अपने दोनों महापुरुषों को याद कर रहे हैं। सभी को याद नहीं किया जाता है। याद उन्हीं को किया जाता है जिनमें कुछ बात होती है। आज मनुष्य सुंदरता में उलझ गया है। लेकिन याद रखना सुंदरता जरूरी नहीं है, बल्ति कर्तव्य जरूरी है। इंसान के तन की सुंदरता का महत्व नहीं है, बल्कि उनके व्यवहार की सुंदरता महत्व-पूर्ण होती है। ऐसे लोग जब जाएंगे तो दुनिया उनको याद करेगी। इसलिए हम आज ऐसे महापुरुषों को याद करते हैं। गुरुदेव ने फरमाया कि दोनों महापुरुष एक अदभुत, अनुपम एवं अलौकिक छवि के धनी थे। इस मौके पर अशोक कुमार बोहरा केजीएफ, उत्तम चंद कोठारी चिक्कबल्लापुर, उगम राज लुणावत, मानिकचंद खारीवाल, प्रेमचंद कोठारी, नेमीचंद चौरडिया, मंगलचंद मुणोत, मांगीलाल चोरडिया, जयंतीलाल अखावत, राकेश कोठारी, अल्केश धोका एवं अन्य लोगों की विशेष उपस्थिति रही। सभी का स्वागत श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

जीवन निर्माण में संस्कारों का महत्व एवं ज्ञानशाला दिवस कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी के पावन सानिध्य में रविवार को ज्ञानशाला दिवस का आयोजन किया गया। प्रातः 9 बजे राजराजेश्वरी नगर व केंगेरी के ज्ञानार्थी व प्रशिक्षिकाएं भव्य रैली के साथ राजराजेश्वरी नगर तेरापंथ भवन पहुंचे। साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में बच्चों को प्रेरक कहानी के माध्यम से सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा दी एवं अभिभावकों से कहा कि बच्चों को सर्वप्रथम संस्कार माता पिता से ही मिलते है, फिर पाठशाला और ज्ञानशाला से बच्चे संस्कारित होते है। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने अभिभावकों को अपने बच्चों को ज्ञानशाला भेजने के लिए प्रेरित किया। ज्ञानशाला संयोजिका नीतू बाफना ने सभी का स्वागत किया एवं केंगेरी ज्ञानशाला की संयोजिका पूनम दक ने भावाभिव्यक्ति दी। राजराजेश्वरी नगर व केंगेरी के बच्चों ने ज्ञानशाला के महत्व व आवश्यकता को प्रतिपादित करते हुए प्रेरक नाटक व गीतिका की प्रस्तुति देकर एक बहुत ही मनोहर वातावरण का निर्माण किया। कार्यक्रम का संचालन अमिता छाजेड़ ने एवं आभार सीमा सहलोत ने व्यक्त किया। तेरापंथ सभा, ट्रस्ट, तेयुप, महिला मंडल के पदाधिकारी एवं अच्छी संख्या में अभिभावकों एवं श्रावक समाज की उपस्थिति रही।

दादावाड़ी में जैन धार्मिक लूडो का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी के मार्गदर्शन में रविवारीय विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला में जैन धार्मिक लूडो गेम खिलाया गया। साध्वी जी ने कहा कि आज की नई पीढ़ी को खेल के माध्यम से हंसते-हंसते धर्म के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं। खेलों से युवा पीढ़ी में धर्म के प्रति रुचि पैदा होती है। आज के लूडो कार्यक्रम में दर्शन, ज्ञान, चरित्र और तप नामक चार टीमें बनाई

गई जिसमें तप टीम ने बाजी मार कर जीत हासिल की। इस गेम में धर्म से जुड़े तीन सौ से अधिक प्रश्नोत्तर किए गए। सभी सहभागियों ने अच्छी तैयारी का प्रदर्शन करते हुए सभी प्रश्नों का सटीक जवाब दिया। इस कार्यक्रम को अनेक सदस्यों ने सराहते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आगामी भविष्य में भी होने चाहिए जिससे युवा पीढ़ी अपने धर्म, तीर्थंकर परमात्माओं और गुरुदेवों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके।

संतोष का धन सबसे बड़ा धन: साध्वी नंदिनी जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थानक में विराजित साध्वी निर्मला जी के पावन सान्निध्य में साध्वी नंदिनी जी ने मेरी भावना प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत तृतीय पद पर विचार रखते हुए कहा कि मेरी भावना का तीसरा पद हमारे जीवन के भावों को उन्नत बनाने का एक अनुपम अवसर प्रदान करता है। इस अनमोल अवसर को व्यर्थ न जाने देकर हमें इसे सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। हमारा मन और चित्त सन्तों के सत्संग से जुड़ना चाहिए।

जैसा हम करेंगे, वैसा ही हमें प्राप्त होगा। यदि हम किसी जीव को सुख देते हैं, तो हमारा जीवन भी सुखी होगा।

साध्वी नंदिनी जी ने स्पष्ट किया

कि अरिहंत परमात्मा का पहला सिद्धांत अहिंसा है। प्राणी मात्र के प्रति दया और करुणा का भाव रखना। भावों से भी हिंसा होती है, इसलिए अनुकंपा और दया जिसके जीवन में होती है, वही जीवन वास्तव में सार्थक है। उन्होंने कहा कि जिसकी दृष्टि और वाणी सच्ची होती है, उसी के हृदय में भगवान का निवास होता है। सत्य ही भगवान है, इसलिए कभी झूठ न बोलें। यदि चरित्र चला गया, तो सब कुछ चला जाता है। आचार और चरित्र से कभी न गिरें, क्योंकि चरित्रहीन व्यक्ति पर विश्वास नहीं किया जा सकता। असत्य का आचरण चाहे कितना भी हो, वह कभी विजयी नहीं होता। उसकी हमेशा पराजय होती है। सदैव सत्य की ही विजय होती है। जो सत्य का आचरण करता है, उसके पास संतोष का धन आता है, और जिसके पास यह धन होता है, उसके लिए दूसरों का धन पत्थर के समान होता है। अंत में उन्होंने कहा कि जो सत्य के साथ रहेगा, उसे इस लोक में भी आनंद मिलेगा और परलोक में भी। इस अवसर पर नीता संतोष पूनमिया ने 13 उपवास के पच्चखान लिए। साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी और साध्वी उपासना ने रोचक रानी सोहन चारित्र श्रृंखला को आगे बढ़ाया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 60 लोगों ने लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में कान सिंह राजपुरोहित की स्मृति में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजप-ुरोहित की ओर से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. स्नेहालता तथा डॉ. गथी अंजलि व नर्सिंग कर्मियों की देखरेख में 60 लोगों की नेत्र जांच की गई। चिकित्सकीय परामर्श के बाद 35 लोगों को कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र अस्पताल में आँखों की सर्जरी हेतु चिन्हित किया गया। शिविर निदेशक विजयगंथ रहे। इस अवसर पर गवरी देवी, बद्री सिंह रुपावास, राजेश सिंह, संतोष कंवर, वन्या कंवर, विराट सिंह आदि उपस्थित रहे।

जन्म से विरासत, संप्रदाय, धन मिल सकता है, किंतु धर्म नहीं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वीतराग परमात्मा ने मात्र आत्मा का महत्व बताया है। प्रभु ने कहा है कि हम मैं और मेरा का अंतर समझें। मैं स्वयं हूं और जिन्हें मैं मेरा कहता हूं वे सब पराए हैं। जगत में मात्र स्वार्थ का साम्राज्य है।

जब तक स्वार्थ है, सभी साथी बन जाते हैं। विपत्ति में सब पराए हो जाते हैं।

हम अपने आप को समझे और अपनी आत्मा के उत्थान का पुरुषार्थ करें। यह विचार साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में व्यक्त किए। श्री श्वेतांबर

स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इस जीवन को हम एक सुनहरा अवसर समझे। यहां प्राप्त समय मौज मस्ती के लिए नही हैं। प्रभु की वाणी को सुन कर हम आत्मसात करने का प्रयास करें। जन्म से हमे धर्म नहीं मिलता है।

जन्म से विरासत, संप्रदाय, धन मिल सकता है, किंतु धर्म तो पुरुषार्थ से मिलता है। नकारात्मक विचार हमारे पतन के कारण है। हम श्रावक है तो श्रावक के कर्तव्य को समझ कर साधु संतों को साता पहुंचाएं। प्रवचन में जय ब्राह्मी बालिका मंडल ने पर्यावरण विषय पर लघु नाटिका प्रस्तुत कर यह बताने का प्रयास किया कि मानव किस तरह प्रकृति से छेड़छाड़ कर स्वयं के विनाश को आमंत्रित किया है। राजाजीनगर युवक संघ ने आगामी दिनों में होने वाले धार्मिक टूर्नामेंट की जानकारी दी। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पारम्परिक तरीके से मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन त्योहार डाकलिया परिवार में पारम्परिक तौर तरीकों से मनाया गया। ललित डाकलिया ने कहा कि आज के परिवेश में बड़े शहरों में संयुक्त परिवारों का महत्व बहुत बढ़ गया है। संयुक्त परिवार के साथ त्योहार मनाने का आनन्द ही अलग होता है। बहनें कविता भण्डारी, निकिता बागमार, हनी डाकलिया, आंचल बुरड़, छवि भण्डारी, भवि बागमार और दियाना डाकलिया ने अपने भाईयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और भाईयों की सुख समृद्धि के साथ अपनी रक्षा की कामनाएं की।

रानी चेन्नभैरदेवी स्मारक डाक टिकट में अहम भूमिका निभाने पर महेन्द्र सिंघी का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्थानकवासी जैन समाज, हुब्बल्ली के पूर्व अध्यक्ष एवं समाज शिरोमणि महेन्द्र सिंघी का सम्मान श्री वर्धमान जैन नवयुवक मंडल, हुब्बल्ली के युवाओं द्वारा किया गया।

यह सम्मान उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन के गोदा-वरी हॉल में रानी चेन्नभैरदेवी के सम्मान में जारी स्मारक डाक टिकट के विमोचन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर महेन्द्र सिंघी के यो-

गदान की सराहना करते हुए मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र भंसाली, अभिनंदन तातेड़, सुशील भुरट, कमलेश बागरेचा, गजेन्द्र कांकरिया, सुशील खीवेंसरा, सुशील कटारिया, प्रवीण डुंगरवाल सहित अनेक युवा साथियों ने उन्हें राजस्थानी साफा एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया। सम्मान स्वीकार करते हुए महेन्द्र सिंघी ने कहा यह हम सभी के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि जैन समाज की वीरांगना रानी चेन्नभैरदेवी के सम्मान में जारी डाक टिकट का विमोचन राष्ट्रपति के कर-कमलों से हुआ।

केतुग्रह का महत्व आध्यात्मिक और कर्मिक दृष्टि से बहुत गहरा: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने नवग्रह शांति अनुष्ठान के अंतर्गत केतुग्रह के विषय पर समझाते हुए कहा कि केतुग्रह का महत्व आध्यात्मिक और कर्मिक दृष्टि से बहुत गहरा माना जाता है। मोक्ष और अध्यात्म का कारक केतु मनुष्य को भौतिक सुखों से दूर करके आध्यात्मिक मार्ग की ओर ले जाता है। यह वैराग्य, ध्यान,

तपस्या और मोक्ष का प्रतिनिधित्व करता है। केतु पिछले जन्म के कर्मों के फल को इस जन्म में सामने लाता है। यह बताता है कि व्यक्ति किन क्षेत्रों में पहले ही अनुभव प्राप्त कर चुका है और अब वहां अधिक आसक्ति नहीं रखेगा। ज्ञान और अंतर्ज्ञान

यह गूढ़ विद्या, ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, और रहस्यमयी विज्ञान का कारक है। केतु मजबूत हो तो व्यक्ति में गहरी अंतर्ज्ञान शक्ति और भविष्यवाणी करने की क्षमता आ सकती है। शुभ स्थिति में यह आध्यात्मिक उन्नति, बुद्धिमत्ता और मानसिक शांति देता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में नवग्रह शांति अनुष्ठान जाप पूजन बड़े हर्षोल्लास से चल रहा है। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती का लाभ और गुरुदेव की आरती का लाभ राहुग्रह अनुष्ठान एकासणा 108 अभिषेक का लाभ भंवरलाल ओटमल परिवार ने लिया। मंगल दीपक का लाभ देवीचंद शेरमल परिवार ने लिया। लाभार्थी भंवरलाल ओटमल परिवार का बहुमान भंवरलाल जैन, राजु भंडारी, मोहनलाल जैन, प्रितम जैन, देवीचंद जैन ने और महिलाओं का बहुमान भावना संघवी ने किया।

चुनाव आयोग जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है: एच.के. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि चुनावों में इस्तेमाल की गई वोटिंग मशीनों और मतदाता सूची में खामियों का जिक्र तीन साल पहले हुआ था। तब से आयोग जाँच करने के बजाय अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है। इससे पहले 2022 में, एच.के. पाटिल ने तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वरैया हेगड़े कागेरी को लिखे पत्र और उसके बाद के घटनाक्रम का विवरण देते हुए दस्तावेज जारी किए थे।

मुंबई स्थित आरटीआई कार्यकर्ता मनोरंजन संतोष रॉय ने 1998 से 2017 तक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की खरीद के लिए

केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों और भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की गई वोटिंग मशीनों का विवरण उजागर किया। इसके आधार पर, 15 वर्षों में 9 लाख से ज्यादा वोटिंग मशीनों की आपूर्ति में विसंगतियाँ पाई गईं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि उन्होंने इस मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा की अनुमति देने के लिए तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष कागेरी को एक पत्र लिखा था। उस पत्र का हवाला देते हुए, अध्यक्ष ने केंद्रीय चुनाव आयोग को चर्चा की अनुमति देने के बारे में अपनी राय व्यक्त करने के लिए पत्र लिखा था। एच.के. पाटिल ने बताया कि आयोग ने जवाब में चर्चा की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। जब कागेरी ने 2022 में चुनाव आयोग को पत्र लिखा था, तब उन्होंने हलफनामा दाखिल करने के लिए नहीं कहा था।

अब, उन्होंने सवाल उठाया कि अगर राहुल गांधी ने दस्तावेज जारी कर दिए हैं, तो चुनाव आयोग उनसे हलफनामा क्यों मांग रहा है। मंत्री ने आगे कहा कि चुनाव आयोग को बिना कोई बहाना बनाए मतदाता सूची में अनियमितताओं की तुरंत जाँच करनी चाहिए। उन्होंने माँग की कि राहुल गांधी जारी किए गए दस्तावेजों और वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर स्वेच्छा से शिकायत दर्ज करें। एक संवैधानिक संस्था, आयोग की जिम्मेदारी है कि वह पारदर्शी रहे और तुरंत जवाब दे। इसके बजाय राहुल गांधी से हलफनामा दाखिल करने के लिए कहना लालफीताशाही की जड़ता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और चुनावों की पवित्रता के लिए लड़ने की राहुल गांधी की मूलभूत जिम्मेदारी को इस तरह के व्यवहार से दबाया नहीं जा सकता। राहुल गांधी द्वारा जारी किए गए दस्तावेज सार्वजनिक डोमेन में हैं। वीडियो फुटेज को सार्वजनिक करना आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता से हलफनामा मांगने के बजाय, स्वतः संज्ञान लेकर जाँच की जाए।

बेंगलूरु की येलो मेट्रो लाइन उत्सव के माहौल में: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि बेंगलूरु की पीली मेट्रो लाइन उत्सव के माहौल में है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह मेट्रो लाइन बेंगलूरु के दक्षिणी हिस्से के लोगों को काफी सुविधा प्रदान करेगी। लोग प्रधानमंत्री के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बेंगलूरु-बेल-गावी वंदे भारत ट्रेन का भी उद्घाटन किया है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक का नाम भी निमंत्रण पत्र में शामिल है और वह भी मंच पर मौजूद रहेंगे। मैंने इस बारे में प्रधानमंत्री कार्यालय का ध्यान आकर्षित किया था। मैंने उनसे फिर बात की। मैंने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से भी बात की। उन्होंने भी प्रयास किए हैं। उन्होंने

स्पष्ट किया कि इस बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

मेट्रो के तीसरे चरण का भी शुभारंभ हो गया है। आईटी हब बेंगलूरु ने वैश्विक पहचान हासिल की है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री मेट्रो सहित विभिन्न बुनियादी ढाँचागत सुविधाएँ तेज गति से उपलब्ध कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को श्रेय लेना बंद करके बेंगलूरु की सड़कों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। लंबे समय से राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी रही है। पिछली सरकारों ने दूरदर्शिता से काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक मेट्रो कनेक्टिविटी न होने का कारण यहाँ के प्रशासन की विफलता है। बेंगलूरु में जिस गति से बुनियादी ढाँचे का विकास होना चाहिए था, वह नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि मोदी बेंगलूरु में इच्छाशक्ति और रुचि दिखा रहे हैं और कार्यक्रमों को तेजी से लागू किया जा रहा है।

केंद्र बेंगलूरु मेट्रो येलो लाइन में केवल 20 प्रतिशत योगदान दे रहा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर नम्मा मेट्रो येलो लाइन की लागत में केवल 20 प्रतिशत का योगदान देने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य सरकार ने शेष 80 प्रतिशत राशि वहन की है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में केंद्र का हिस्सा केवल 11 प्रतिशत था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नम्मा मेट्रो की येलो लाइन के उद्घाटन से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार ने मोदी से बेंगलूरु के विकास के लिए कम से कम 1 लाख करोड़ स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र से 50 प्रतिशत योगदान की अपेक्षा के बावजूद, राज्य ने परियोजना के लिए पूरे भूमि अधिग्रहण का वित्तपोषण किया है। हालांकि बेंगलूरु देश का दूसरा सबसे

अधिक कर देने वाला शहर है, फिर भी हमें मिलने वाले अनुदान बहुत कम हैं। कर आवंटन की तुलना करते हुए, उन्होंने बताया कि अहमदाबाद को 20 प्रतिशत हिस्सा मिलता है, जबकि बेंगलूरु को केवल 10 प्रतिशत मिलता है। हमारे साथ अन्य प्रमुख शहरों की तरह व्यवहार किया जाना चाहिए और राष्ट्रीय राजधानी के साथ विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी अपील गैर-राजनीतिक है। शिवकुमार ने कर्नाटक के भाजपा सांसदों की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि वे राज्य के लिए 10 का अनुदान भी हासिल करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा एक्स पर पोस्ट करना और तस्वीरों में दिखना कोई उपलब्धि नहीं है। भाजपा सांसदों को राजनीति करने के बजाय धन जुटाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

रागीगुड्डा मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने की मांग को लेकर

विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे अंबेडकर ओक्कुटा के सदस्य हिरासत में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में दक्षिण डिवीजन पुलिस ने निवारक उपायों के तहत, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर चिंताकारा ओक्कुटा के 10 सदस्यों को रागीगुड्डा मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर मरेनहल्ली स्टेशन करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाने से पहले ही हिरासत में ले लिया। ओक्कुटा के सदस्य मणिकांठा बी ने कहा कि जिस इलाके में स्टेशन बनाया गया है, वह मरेनहल्ली में स्थित है, न कि रागीगुड्डा में, जो स्टेशन से लगभग आधा किलोमीटर दूर है। हालाँकि रागीगुड्डा पहले से ही कई चीजों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन निवासी चाहते थे कि स्टेशन का नाम मरेनहल्ली रखा जाए, जिसका

400 साल पुराना इतिहास है और जिसका नाम सलामादेवी के नाम पर रखा गया है। सदस्यों ने 2020 में सरकार को एक याचिका दी थी, लेकिन स्थानीय राजनेताओं के दबाव के कारण, स्टेशन का नाम बदलकर रागीगुड्डा कर दिया गया। सदस्यों ने मांग की कि हम चाहते थे कि कम से कम सरकार हमारी मांग पर विचार करे और इसका नाम मरेनहल्ली-रागीगुड्डा स्टेशन रखे। पुलिस ने शनिवार रात को छापा मारा और सदस्यों से बात करने के बहाने उन्हें हिरासत में ले लिया और बैनर, हैंडबिल और याचिका की प्रतियों सहित सामग्री जब्त कर ली। सदस्यों ने कहा हम उद्घाटन समारोह में बाधा नहीं डालना चाहते, बल्कि अपनी चिंता व्यक्त करना चाहते थे, जिस पर तीन साल से बार-बार प्रयास करने के बावजूद विचार नहीं किया गया है। सदस्यों को हिरासत में लिया गया और हनुमंत नगर पुलिस स्टेशन ले जाने से पहले उन्हें जेपी नगर, सिद्धपुरा ले जाया गया। बेंगलूरु पुलिस ने कांग्रेस की छात्र शाखा, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के सभी सदस्यों को भी शहर भर से हिरासत में लिया और 9 अगस्त की शाम को उन्हें नजरबंद कर दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 'वोट चोरी' के आरोपों के कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री मोदी का शहर का दौरा होने के कारण, पुलिस को छात्र कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन की आशंका थी।

मतदाताओं की सूची के संबंध में दर्ज कराई गई शिकायत के समर्थन में दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चुनाव आयोग ने राज्य के नेताओं को केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार द्वारा अयोग्य मतदाताओं की सूची के संबंध में दर्ज कराई गई शिकायत के समर्थन में दस्तावेज और प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है, जिस पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गत 8 अगस्त को, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बेंगलूरु पहुँचे और मतदाता सूची में अनियमितताओं के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। बाद में, चुनाव आयोग जाकर व्यक्तिगत रूप से शिकायत दर्ज कराने की संभावना थी। राहुल गांधी ने अंतिम समय में अपनी योजना बदलते हुए, चुनाव आयोग जाने के बजाय उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, को भेज दिया। डी.के. शिवकुमार द्वारा चुनाव आयोग को सौंपी गई दो पृष्ठों की शिकायत पर मुख्यमंत्री

सिद्धरामैया, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला के हस्ताक्षर हैं। चुनाव आयोग ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची के पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं के बारे में विस्तृत स्पष्टीकरण दिया है। चुनाव आयोग ने, जिसने शिकायत का तुरंत जवाब दिया है, 5 और 8 अगस्त को आपके द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों का सम्मान किया है और कहा कि आपने पर्याप्त दस्तावेज और उचित प्रतिनिधित्व प्रस्तुत नहीं किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी और पदेन सचिव, चुनाव प्रभाग, डीपीएआर, कर्नाटक सरकार ने डी.के. शिवकुमार को पत्र लिखकर कहा है कि चुनाव और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 की धारा 20(3)(बी) के तहत, चुनाव अधिकारी को मतदाता सूची में संशोधन के खिलाफ शिकायत करने वाले व्यक्तियों से घोषणा और शपथ लेने का अवसर प्राप्त है। आयोग ने डी.के. शिवकुमार को तदनुसार एक हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के अनुसार, यदि कोई झूठी घोषणा की जाती है, तो ऐसे व्यक्ति को एक वर्ष तक के कारावास और जुर्माने से दंडित किया जा सकता है। चुनाव अधिकारियों ने उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 227 के तहत स्व-घोषित हलफनामा प्रस्तुत करने के लिए कहा है, जिसमें आजीवन कारावास का प्रावधान है। हालांकि, डी.के. शिवकुमार, सिद्धरामैया और न ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव ने आयोग के निर्देशानुसार आयोग को कोई हलफनामा सौंपा है। इसके बजाय, उन्होंने भ्रष्टाचार की शिकायतें दर्ज करके मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया है। कहा जा रहा है कि महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेताओं द्वारा कथित चुनावी अनियमितताओं की जाँच की संभावना कम है क्योंकि शिकायत औपचारिक नहीं है।

प्रियांक खड़गे ने भाजपा पर येलो लाइन का श्रेय हड़पने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविवार को येलो लाइन चरण 2 का श्रेय हड़पने के लिए भाजपा की आलोचना की और कहा कि कर्नाटक सरकार ने 12,000 करोड़ से अधिक का योगदान देते हुए, अधिकांश खर्च वहन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलूरु में थे और उन्होंने बेंगलूरु मेट्रो की बहुप्रतीक्षित येलो लाइन और बेंगलूरु और बेलगावी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का उद्घाटन किया। खड़गे ने कहा मेट्रो परियोजना मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के तहत शुरू की गई थी। पहले चरण में, यूपीए सरकार ने लागत का एक बड़ा हिस्सा वहन किया, जो राज्य सरकार के योगदान से भी आगे था। उनके अनुसार, भाजपा के सत्ता में आने के बाद, परियोजना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता कम हो गई और बाद के चरणों में केंद्र सरकार का हिस्सा काफी कम हो गया। कर्नाटक सरकार ने 12,000

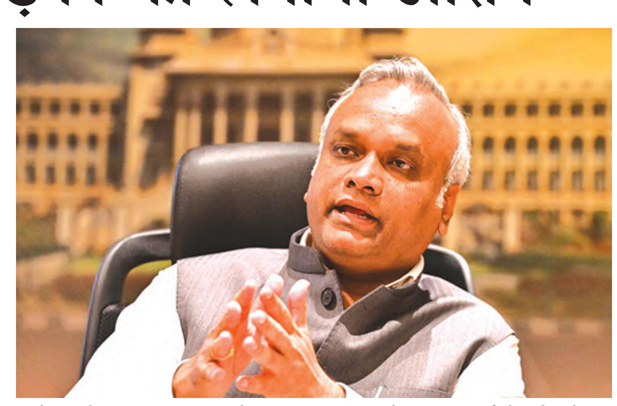

करोड़ से ज्यादा का योगदान देकर, भूमि अधिग्रहण लागत और अतिरिक्त खर्चों को कवर करते हुए, ज्यादातर खर्च वहन किया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने परियोजना के लिए केवल 8,000 करोड़ ही दिए। खड़गे ने कहा समर्थन की कमी के कारण बीएमआरसीएल को परियोजना की शेष लागतों को पूरा करने के लिए ऋण लेना पड़ा। केंद्र को कर्नाटक का योगदान साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है, लेकिन राज्य को मिलने वाला लाभ कम होता जा रहा है और येलो लाइन परियोजना इसका ज्वलंत उदाहरण है। इस बीच, बेंगलूरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री ने बेंगलूरु में सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के लिए जोर दिया। येलो लाइन और प्रस्तावित ऑरेंज लाइन, जिसका प्रधानमंत्री रविवार को शिलान्यास कर रहे हैं, के बीच 18 लाख यात्रियों को लाभ होगा। लेकिन कांग्रेस उन सभी चीजों का श्रेय लेने की कोशिश करती है जिनमें उसकी कोई भूमिका नहीं होती। आपने हाल ही में देखा होगा कि कांग्रेस ने आईपीएल जीत का भी श्रेय लेने की कोशिश की। उन्होंने आगे कहा कि इसकी सफलता का श्रेय बेंगलूरु की जनता को जाता है, किसी और को नहीं।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों ने नम्मा मेट्रो में यात्रा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के आरवी रोड से बोमसंद्रा को जोड़ने वाली येलो लाइन मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद नम्मा मेट्रो में यात्रा करके इसका अनुभव प्राप्त किया।

उन्होंने रागीगुड्डा से कोनप्पना अग्रहारा तक का टिकट क्यूआर कोड के जरिए अपने पैसों से खरीदा और एक सामान्य व्यक्ति की तरह मेट्रो ट्रेन में खड़े होकर

यात्रा की और यात्रियों से कुछ जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मेट्रो कर्मचारियों, आम जनता और सरकारी स्कूल के छात्रों सहित कुछ चुनिंदा लोगों से खड़े होकर 10 मिनट से ज्यादा समय तक बातचीत की। आरवी रोड से बोमसंद्रा तक लगभग 19.05 किलोमीटर लंबी मेट्रो ट्रेन बनाने वाले श्रमिकों के साथ तीन मिनट की बातचीत विशेष रही। इस अवसर पर, मोदी ने सरकारी स्कूलों के छात्रों से भी खुलकर बातचीत की और पूछा क्या मेट्रो रेल प्रणाली शहर में यातायात की भीड़भाड़ को कम करने में मदद करेगी? यह अन्य शहरों की तुलना में कैसे अलग है?

छात्रों ने भी खुलकर अपने अनुभव साझा किए। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केंद्रीय मंत्री अश्विन वैष्णव, मनोहर लाल खट्टर, शोभा करंदलाजे, वी. सोमन्ना, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ और अन्य लोग मोदी के साथ थे।

नदी में मृत पाई गई महिला का देवर चार दिन बाद मिला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केडिला गाँव के कांटाकोडी में एक नाले में मिली महिला का देवर चार दिन लापता रहने के बाद फिर से सामने आ गया है। उसे रविवार की सुबह अपने घर के आँगन में देखा गया। 6 अगस्त को, केडिला के वलंकुमारी निवासी गणपति उर्फ रमन्ना गौड़ा की पत्नी ममता का शव कांटाकोडी में एक बरसाती नाले में मिला था। उसी दिन, रमन्ना गौड़ा का बड़ा भाई सुंदर उर्फ लोकय्या गौड़ा भी लापता हो गया था। ममता की मौत में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए, रमन्ना गौड़ा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि लोकय्या गौड़ा ने उसकी हत्या की है। शिकायत के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज किया और केडिला के आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया। हालाँकि, लोकय्या गौड़ा रविवार सुबह तक लापता रहे, जब वह अपने घर के सामने दिखाई दिए। परिवार के सदस्यों ने उसे हिरासत में लिया और ममता की मौत के बारे में उससे पूछताछ की। पुलिस को उसके लौटने की सूचना दे दी गई।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अब अरब सागर में भारतीय नौसेना का अभ्यास

11 और 12 अगस्त को गरजेगी जलसेना

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद, अब भारतीय नौसेना अपनी ताकत दिखाने के लिए तैयार है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, भारतीय नौसेना के युद्धपोत 11 और 12 अगस्त को अरब सागर में एक बड़ा अभ्यास करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस अभ्यास के साथ ही पाकिस्तानी नौसेना ने भी अपने जलक्षेत्र में अभ्यास करने के लिए एयरमैन को नोटिस (नोटाम) जारी किया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद यह पहली बार है जब भारतीय सेना इस तरह का शक्ति प्रदर्शन कर रही है। 7 मई को, भारत ने पाकिस्तान में 9 आतंकवादी ठिकानों पर हमला करके पुलवामा हमले का बदला लिया था, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए थे। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन भारत ने उसके सभी हमलों को नाकाम कर दिया और उसके कई एयरबेस को भी नष्ट कर दिया।

शनिवार को बेंगलुरु में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने ड-400 एयर डिफेंस सिस्टम का उपयोग करके पाकिस्तान के पाँच लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा, एक बड़ा एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल विमान भी नष्ट किया गया था। एयर चीफ मार्शल के अनुसार, हमारे पास पाँच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान की पुष्टि है, जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। उन्होंने इस हमले को अब तक का सबसे बड़ा सतह-से-आसमान मारक हमला बताया।

भारतीय नौसेना में शामिल होंगे दो नए युद्धपोत 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि'

26 अगस्त को नौसेना को मिलेंगे ये अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट्स, हिंद महासागर में बढ़ेगी भारत की ताकत

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के बेड़े में 26 अगस्त को दो अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट्स (युद्धपोत) उदयगिरि और हिमगिरि शामिल किए जाएँगे। यह पहली बार होगा जब देश के दो प्रमुख शिपयार्डों में बने इस तरह के दो युद्धपोत एक साथ नौसेना का हिस्सा बनेंगे। उदयगिरि का निर्माण मुंबई के मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स में हुआ है, जबकि हिमगिरि को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने तैयार किया है।

ये दोनों युद्धपोत प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए गए हैं और इनमें रडार को चकमा देने की उन्नत तकनीक है। लगभग 6700 टन वजनी ये जहाज शिवालिक क्लास से बड़े और अधिक आधुनिक हैं। इनमें डीज़ल इंजन और गैस टर्बाइन दोनों लगे हैं, साथ ही आधुनिक मिसाइलें, तोप और पनडुब्बी रोधी हथियार भी हैं। उदयगिरि नौसेना के वॉरशिप डिज़ाइन ब्यूरो का 100वाँ डिज़ाइन किया गया जहाज है।

इन युद्धपोतों के निर्माण में 200 से अधिक भारतीय कंपनियों ने सहयोग किया है, जिससे 4,000 से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष और 10,000 से अधिक को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला। ये जहाज 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत की ताकत को दर्शाते हैं। नौसेना का कहना है कि इन जहाजों के शामिल होने से हिंद महासागर में भारत की पकड़ और मजबूत होगी। इन युद्धपोतों के आने से भारत न केवल अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की निगरानी कर पाएगा, बल्कि मलक्का जलडमरूमध्य तक चीनी जहाजों की हर गतिविधि पर नजर रख पाएगा। यह हिंद महासागर में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहे चीन और पाकिस्तान के लिए एक सीधा संदेश भी है। चीन हाल के वर्षों में श्रीलंका और मालदीव जैसे देशों के बंदरगाहों के जरिए अपनी नौसैनिक गतिविधियों को बढ़ा रहा है, जबकि पाकिस्तान में ग्वादर पोर्ट पर चीन की बढ़ती मौजूदगी भारत के लिए चिंता का विषय रही है।

नौसेना ने यह भी बताया कि 2025 में अन्य स्वदेशी पोतों, जैसे विध्वंसक आईएनएस सूरत, फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि, पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर और अन्य जहाजों का भी जलावतरण किया जाएगा।

बिहार मतदाता सूची विवाद : चुनाव आयोग का एससी में हलफनामा

बिना नोटिस किसी का नाम नहीं हटेगा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चल रहे विवाद के बीच, चुनाव आयोग ने शनिवार (9 अगस्त 2025) को सुप्रीम कोर्ट में अपना हलफनामा दाखिल किया। आयोग ने स्पष्ट किया है कि बिना किसी पूर्व नोटिस और सुनवाई के किसी भी मतदाता का नाम अंतिम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा।

चुनाव आयोग का यह हलफनामा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) नामक एनजीओ द्वारा दायर याचिका के जवाब में आया है। एडीआर ने अपनी याचिका में दावा किया था कि बिहार में 65 लाख मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 6 अगस्त को चुनाव आयोग को इस मामले पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को करेगा। चुनाव आयोग ने एडीआर की याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए उस पर जुर्माना लगाने और 'उचित कार्रवाई' करने का भी अनुरोध किया है। आयोग का कहना है कि -उठ ने 'अशुद्ध हाथों' से आवेदन दायर किया है और वह डिजिटल, प्रिंट और सोशल मीडिया पर झूठी खबरें फैलाकर आयोग को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

ईसी ने एडीआर के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि जिन लोगों के नाम बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अनुशंसित नहीं किए गए थे, वे मसौदे में शामिल थे। आयोग ने कहा कि बीएलओ से मिली जानकारी केवल एक संकेत है, जिसकी दोबारा जाँच निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों द्वारा की जानी चाहिए।

चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में बताया है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है कि सभी योग्य मतदाताओं का नाम फाइनल सूची में शामिल हो। इसके लिए 'कड़े निर्देश' जारी किए गए हैं।

दावे और आपत्तियाँ: 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक दावे और आपत्तियाँ दर्ज की जा सकती हैं। इन दावों का 7 दिनों के भीतर निपटारा किया जाएगा।

प्रवासी मजदूरों के लिए व्यवस्था: प्रवासी मजदूरों के लिए 246 अखबारों में हिंदी में विज्ञापन दिए गए हैं, और ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से फॉर्म भरने की सुविधा उपलब्ध है।

प्रक्रिया की जानकारी: आयोग ने बताया कि वह इस प्रक्रिया पर रोजाना प्रेस विज्ञप्ति के जरिए जनता को जानकारी दे रहा है।

आयोग ने कहा कि किसी भी नाम को प्रारूप सूची से हटाने से पहले नोटिस, सुनवाई और सक्षम अधिकारी का कारणयुक्त आदेश अनिवार्य है। यह भी बताया गया कि जिनके पास वर्तमान में कोई दस्तावेज नहीं है, उनकी भी दस्तावेज इकट्ठा करने में मदद की जा रही है।

राहुल ने वोट चोरी के खिलाफ शुरु किया मिस्ड कॉल अभियान

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को लोकतंत्र पर हमला करार देकर हुए इस मुद्दे पर और आक्रामक रुख अपनाते हुये इसके खिलाफ मिस्ड कॉल सार्वजनिक अभियान शुरू किया है।

गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर रविवार को फोन नंबर 9650003420 जारी कर वोट चोरी के खिलाफ जन समर्थन हासिल करने के लिए लोगों से मिस्ड कॉल करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा वोट चोरी 'एक व्यक्ति, एक वोट' के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत पर हमला है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए साफ़-सुथरी मतदाता सूची अनिवार्य है। चुनाव आयोग से हमारी मांग साफ़ है - पारदर्शिता दिखाएं और डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करें, ताकि जनता और राजनीतिक दल उसका खुद ऑडिट कर सकें।

गांधी ने जनता से इस मुहिम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा आप भी हमारे साथ जुड़ कर वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई में हमें अपना समर्थन दें और वोटचोरी.इन/एकडिमांड पर जाएं या 9650003420 पर मिस्ड कॉल दें। यह लड़ाई लोकतंत्र की रक्षा की है।

शिवराज झुंझुनू से पहली बार सीधे जारी करेंगे विभिन्न राज्यों के किसानों को फसल बीमा राशि

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को राजस्थान के झुंझुनू में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 30 लाख किसानों को उनके दावों पर मंजूर राशि का सीधे उनके खातों में भुगतान करेंगे।

इस योजना में पहली बार किसानों को इस तरह इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सीधे उनके खातों में भुगतान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम स्थल से करीब 3200 करोड रुपए का भुगतान किया जाएगा।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे।समारोह में विशेष अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा भी उपस्थित होंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधि, किसान नेता तथा मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम सोमवार को दोपहर 12 बजे झुंझुनू हवाई पट्टी पर आयोजित होगा, जिसमें झुंझुनू के साथ ही सीकर, जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़ सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे, जबकि देशभर के विभिन्न राज्यों के लाखों किसान वर्चुअल माध्यम से भी समारोह से जुड़ेंगे।

श्री चौहान द्वारा की गई महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत, ग्रामीण भारत के करोड़ों किसानों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से पहली बार 30 लाख से अधिक किसानों को 3,200 करोड़ रुपए से अधिक की फसल बीमा दावा राशि डिजिटल रूप से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी। इसमें राजस्थान के 7 लाख से अधिक किसानों को 1,100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मिलेगी।

कृषि मंत्री के अनुसार, राज्यवार बीमा दावा क्लेम के तहत मध्य प्रदेश के किसानों को 1,156 करोड़ रुपए, राजस्थान के किसानों को 1,121 करोड़ रुपए, छत्तीसगढ़ के किसानों को 150 करोड़ रुपए और शेष राज्यों के किसानों को 773 करोड़ रुपए की राशि का सीधा लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत तकनीक और पारदर्शिता एक महत्वपूर्ण पहलू है। किसानों को फसल बीमा दावा राशि का समय पर भुगतान मिलेगा, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति, निवेश का आत्मविश्वास और खेती में अनिश्चितताओं का सामना करने की शक्ति बढ़ेगी।

श्री चौहान ने कहा कि सरकार ने किसानों के हित में बीमा दावा भुगतान की नई सरल व्यवस्था लागू की है, जिसमें राज्यों की प्रीमियम अंशदान राशि की प्रतीक्षा किए बिना केवल केंद्र की सब्सिडी पर आनुपातिक रूप से किसानों को दावों का तुरंत भुगतान संभव होगा। खरीफ 2025 से अगर कोई राज्य सरकार अपनी सब्सिडी देने में देरी करती है, तो उस पर 12 प्रतिशत की पेनल्टी लगेगी, और इसी तरह बीमा कंपनियों द्वारा भुगतान में देर होने पर भी 12 प्रतिशत पेनल्टी किसानों को मिलेगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2016 से प्रारंभ इस योजना के तहत अब तक 78 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों को कवर करते हुए 1.83 लाख करोड़ रुपए की दावा राशि का वितरण किया गया है, जबकि किसानों ने मात्र 35,864 करोड़ रुपए प्रीमियम की राशि ही दी है।

औसतन पांच गुना से अधिक क्लेम भुगतान, यह सरकार की किसान-हितैषी नीति का प्रतीक है।

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में येस-टेक, विन्डस पोर्टल, एआईडीई मोबाइल ऐप, कृषि रक्षक पोर्टल और हेल्पलाइन 14447 जैसे अनेक तकनीकी नवाचारों को लागू किया गया है, जिससे न सिर्फ क्लेम निपटान की गति व पारदर्शिता में वृद्धि हुई है, बल्कि मौसम संबंधित आंकड़े अधिक सटीक हुए हैं और किसानों को पंजीकरण की सुविधा ग्राम स्तर पर उपलब्ध हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों की मेहनत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को सशक्त बनाती है।

कानूनी शिक्षा 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने में पिछड़ रही है: पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़

छत्रपति संभाजीनगर में बोले: डिजिटल युग की चुनौतियों को शामिल करना जरूरी

छत्रपति संभाजीनगर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि भारत ने भले ही बेहतरीन कानूनी दिमाग पैदा किए हों, लेकिन हमारी कानूनी शिक्षा प्रणाली 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने में पिछड़ रही है। शनिवार को 'विष्णुपंत अद्वंत व्याख्यानमाला' में 'कानूनी पेशे का वर्तमान और भविष्य' विषय पर बोलते हुए उन्होंने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में डेटा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, ऑनलाइन विवाद निपटान और डिजिटल कानून जैसी नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं। ऐसे में कानूनी शिक्षा को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर इन विषयों को भी अपने पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

पूर्व सीजेआई ने अपने कार्यकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट में किए गए तकनीकी सुधारों जैसे ई-फाइलिंग, डिजिटल केस रिकॉर्ड और पेपरलेस कोर्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने कानूनी छात्रों और वकीलों को कुछ महत्वपूर्ण सलाह भी दी:न्याय के सहायक बनें: केवल बहस जीतने के बजाय, न्याय के सहायक बनना ज्यादा महत्वपूर्ण है।कानून की गहरी समझ रखें: किसी भी केस को पुरानी मिसालों में जबरदस्ती फिट करने की कोशिश न करें, बल्कि कानून और तथ्यों को गहराई से समझें।सद्भाव बनाए रखें: अपमानजनक टिप्पणियों से बचें और कोर्ट के अंदर गरिमा और शालीनता बनाए रखें।सहयोगियों का सम्मान करें: अपने सहयोगियों के साथ अच्छा व्यवहार करें, क्योंकि यह आपकी पहचान बनाता है। कौशल पर ध्यान दें: दिखावे से ज्यादा अपने कौशल और तर्क को महत्व दें।

उन्होंने यह भी कहा कि वकालत एक तनावपूर्ण पेशा है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य और नशे की लत का खतरा होता है। इसलिए वकीलों को एक-दूसरे का ख्याल रखना चाहिए। अंत में, उन्होंने कानूनी छात्रों से खुद को लगातार अपडेट रखने और इस क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया।

बातों में उलझाकर टप्पेबाजी करने वाली महाराष्ट्र की चार महिलाएं गिरफ्तार

बांदा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ई- रिक्शा व ऑटो में टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देने वाली महाराष्ट्र की चार महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 48 हजार 520 रुपये बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के अतर्रा चुंगी निवासी अनुसूइया देवी ने नौ अगस्त को कोतवाली में दी तहरीर में बताया था कि वह 15 जुलाई को ई रिक्शा से बिजली का बिल जमा करने पीली कोठी पावर हाउस जा रहीं थी, उसी दौरान कुछ अज्ञात महिलाएं भी ई रिक्शा में सवार हुई थीं।

उन्होंने उसका पैर कुचलते हुए ध्यान भटकाकर गले में पड़ी सोने की चेन निकाल ली थी। इस घटना में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से महिलाओं की पहचान की। उन्हें रविवार को नवाब टैंक तिराहे से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार महिलाओं में महाराष्ट्र नागपुर के कन्हान थाना क्षेत्र के सत्रापुर गांव निवासी सविता शेडे, अरुणा, संगीता व निकिता पात्रे हैं।

इनकी तलाशी में 48 हजार 520 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस की पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह सब महाराष्ट्र के नागपुर जनपद की रहने वाली हैं। बांदा व आसपास के जनपदों में घूम-घूमकर ऑटो व ई रिक्शा में बैठती हैं। ऑटो व ई रिक्शा में बैठने के दौरान वह महिलाओं के पैर कुचलकर, दबाकर, बातचीत में उलझाकर पहने हुए आभूषण पार कर देतीं हैं। आभूषणों को आधे-पौने दामों में बेच देतीं हैं। कुछ दिनों पूर्व उन्होंने बाबूलाल चौराहे से अतर्रा चुंगी के बीच ऑटो में तथा कुछ महीने पूर्व अतर्रा चुंगी के पास ई-रिक्शा में बैठी महिला के आभूषण चोरी कर लिया था। उसी आभूषण की बिक्री के यह 48 हजार 520 रुपये है।

दलित युवक को मिली मुस्लिम युवती से प्रेम करने की सजा

नितिन को काट कर नदी में फेंका, भाई अमित को मौके पर ही मार डाला

लखीमपुर खीरी, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के सैधरी गांव में हुई भयानक घटना ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। अनुसूचित जाति के युवक नितिन को मुस्लिम युवती से प्रेम करने की मुस्लिम कट्टरपंथियों ने बर्बर और अमानुषिक सजा दी। कट्टरपंथियों ने नितिन पर लाठियों और धारदार हथियार से हमला किया और उसे मरा समझ कर नदी में फेंक दिया। इसके बाद कट्टरपंथियों ने नितिन के घर पर हमला कर नितिन के बड़े भाई को मौके पर ही पीट-पीट कर मार डाला।

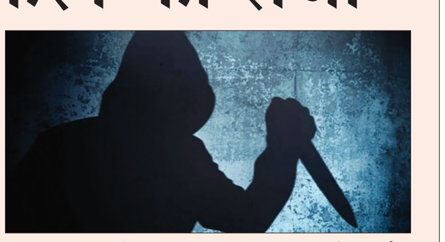

पुलिस ने बताया कि वसीम, कलीम, अजीज, असलम और पप्पू के साथ-साथ कुछ अन्य हथियारबंद लोगों ने नितिन को बुरी तरह जख्मी करने के बाद उसे मरा समझ कर नदी में फेंक दिया। हमलावरों के जाने के बाद लोगों ने लहूलुहान नितिन को नदी से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। उसकी हालत गंभीर है। उधर, हमलावरों ने नितिन के घर पर हमला बोल दिया और उसके बड़े भाई अमित को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दलित परिवार का एक बेटा मार गया, दूसरा जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है।

पुलिस ने दलित परिवार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर वसीम, कलीम, अजीज, असलम और पप्पू को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन बाकी चार अब भी फरार हैं। पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर उनकी तलाश में जुटी है। लेकिन पुलिस ने मुस्लिम कट्टरपंथियों पर हत्या का मुकदमा न दर्ज कर, हत्या प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है। इस बारे में पुलिस ने कहा कि बाद में हत्या के साथ-साथ अन्य धाराएं भी जोड़ी जाएंगी।

वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने प्रबंधन के लिए बनाई कमेटी

नई दिल्ली/लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन को लेकर अपनी ओर से एक कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अशोक कुमार करेंगे। इस सिलसिले में सुप्रीम कोर्ट का लिखित आदेश आया है कि जब तक हाईकोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से जारी अध्यादेश पर आदेश नहीं दे देता, तब तक सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त यह कमेटी मंदिर के दैनिक कामकाज देखेगी। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार अपने अध्यादेश के मुताबिक, मंदिर के प्रबंधन के लिए ट्रस्ट का गठन नहीं कर पाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यह कमेटी उस समय बनाई, जब उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 के तहत बनी समिति की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को

लेकर दाखिल चुनौती को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले पर अपना फैसला नहीं सुनाता, तब तक सुप्रीम कोर्ट की तरफ से गठित कमेटी मंदिर की पूरी जिम्मेदारी संभालेगी। जिसकी अध्यक्षता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अशोक कुमार करेंगे।

कमेटी के अन्य सदस्यों में यूपी के रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकेश मिश्रा, मथुरा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिविल जज, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, एक प्रसिद्ध वास्तुकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का एक प्रतिनिधि और दोनों गोस्वामी समूहों से दो-दो सदस्य शामिल हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अध्यादेश को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं के एक समूह पर यह आदेश पारित किया है।

कमेटी के अध्यक्ष को दो लाख रुपए प्रतिमाह का मानदेय मंदिर कोष से दिया जाएगा और उन्हें परिवहन सहित सभी जरूरी सचिवीय सहायता मुहैया कराई जाएंगी। रिटायर्ड जज मुकेश मिश्रा को एक लाख प्रतिमाह का मानदेय मिलेगा, जो मंदिर के फंड से वहन किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने यह अंतरिम व्यवस्था इसलिए की है, क्योंकि हाईकोर्ट की ओर से इस मामले में फैसला आने में वक्त लग सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि समिति को मंदिर के समुचित संचालन के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न मुद्दों पर ध्यान देने का अधिकार दिया गया है, जिसमें स्वच्छ पेयजल, कार्यात्मक शौचालय, पर्याप्त आश्रय और बैठने की व्यवस्था, भीड़ की आवाजाही के लिए समर्पित गलियारे और बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष व्यवस्था जैसी आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं।

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए कारगर साबित हो रही पोषण पाठशाला

पोषण पाठशाला के जरिए माता-पिता को जागरूक कर रही सरकार

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में बच्चों में स्टंटिंग (नाटापन) और कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार संभव अभियान 5.0 के माध्यम से 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों के तहत स्टंटिंग को कम करने का संकल्प लिया है। इस बार इस अभियान का केंद्र बिंदु स्टंटिंग के उन्मूलन को बनाया गया है, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में बाधक है। बीते जुलाई माह से शुरू हुए इस अभियान ने पिछले एक माह में राज्यव्यापी स्तर पर सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। साथ ही, पोषण पाठशाला कार्यक्रम ने विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त) की थीम स्तनपान में निवेश, भविष्य में निवेश को साकार करते हुए माताओं और बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है।

योगी सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों के तहत बच्चों में बौनापन कम करना है, जिसके लिए ठोस नीतियां बनाई जा रही हैं। पोषण पाठशाला के माध्यम से योगी सरकार माता-पिता और अन्य अभिभावकों को जागरूक कर रही है। बच्चों के जीवन के पहले 1000 दिनों में अपर्याप्त पोषण के कारण बौनेपन की समस्या होती है। इसे कम करने के लिए योगी सरकार ने छह माह, सात बार की रणनीति अपनाई है। इसके तहत छह माह से कम आयु के शिशुओं की नियमित निगरानी, बीमारी प्रबंधन, और माताओं को स्तनपान सहायता प्रदान की जा रही है। पहले छह माह में केवल स्तनपान और बाद में संतुलित आहार बच्चों के विकास को मजबूत करता है। इस दिशा में, 75 जिलों के 7,500 आंगनबाड़ी केंद्रों में 0-5 वर्ष की आयु के अविकसित बच्चों की माप के लिए कुल 9.80 लाख से अधिक कार्य किए गए हैं।

इन केंद्रों में अविकसित बच्चों की निगरानी के लिए 7,500 नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं, जो सघन ग्रोथ मॉनिटरिंग और न्यूट्रिशन ट्रैकिंग सुनिश्चित कर रहे हैं।

बीते 14-15 जुलाई को पूरे प्रदेश में पहली बार एक साथ स्टंटिंग मापन अभियान चलाया गया, जिसमें नोडल अधिकारियों ने बच्चों के एंथ्रोपोमेट्रिक माप (लंबाई, वजन) का सत्यापन किया। स्टंटिंग की वास्तविक स्थिति को समझने और डेटा की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए राज्यव्यापी स्टंटिंग वैलिडेशन अभियान शुरू किया गया।

ई-रिक्शा चालक की बेटी बनी बॉक्सिंग रिंग की क्वीन

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का सपना

कानपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

बॉक्सिंग चैंपियन मैरी कॉम से प्रभावित 16 साल की नबा नईम ने बॉक्सर बन कर दिखा दिया। कानपुर के बेकनगंज मोहल्ले की रहने वाली नबा नईम के पिता नईम आलम ई-रिक्शा चला कर अपना परिवार पालते हैं। उनकी बिटिया नबा नईम 60 से 65 भार वर्ग में प्रदेश की मुख्य महिला बॉक्सर के रूप में शामिल है। नबा के बॉक्सिंग पंच इतने तगड़े हैं कि प्रतिद्वंद्वी ज्यादा समय तक उसके सामने टिक नहीं पाते। नबा कहती है, जब मैं बॉक्सिंग रिंग में होती हूं तो मुझमें मैरी कॉम जैसा जुनून सवार हो जाता है।

ई रिक्शा चालक नईम आलम और बीबी हुस्ना की बेटी नबा नईम ने मैरी कॉम के जीवन पर आधारित फिल्म देख कर बॉक्सर बनने की ठानी थी। वह हलीम मुस्लिम कॉलेज से 12वीं की परीक्षा पास कर चुकी है। नबा बताती है, परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के बावजूद मेरे माता-पिता ने मुझे बॉक्सिंग के खेल में बढ़ने का मौका दिया और मेरा साथ दिया। मेरा सपना ओलंपिक में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है।

नबा के पिता नईम आलम ने बताया कि नबा को पहले

प्रारंभिक ट्रेनिंग के लिए ग्रीनपार्क बॉक्सिंग एकेडमी में भेजा। वहां प्रशिक्षण लेने के बाद वर्तमान में बेटी आर्यनगर स्थित परशुराम वाटिका में न्यू एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी में कोच भगवान दीन की देखरेख में बॉक्सिंग की विशेषज्ञता प्राप्त कर रही है। उन्होंने बताया कि नबा रिंग में कई घंटे तक कड़ा अभ्यास करती है। नबा ने 2024 में प्रयागराज में हुई बॉक्सिंग की जूनियर स्टेट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। इसी साल उसने गोरखपुर में हुई स्टेट जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। नबा ने इस साल यानि 2025 में मेरठ में हुई यूथ स्टेट बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2025 में ही हुई नेशनल यूथ बॉक्सिंग प्रतियोगिता में नबा को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। इसके अलावा कानपुर शहर में हुई तीन जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उसने दो रजत और एक स्वर्ण पदक हासिल किया

केजीएमयू को यूजीसी ने दिया उच्च स्तर का ग्रेड

मेडिकल शिक्षा में पारदर्शिता और तकनीकी उन्नयन की मिसाल बना यूपी

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च स्तर का ग्रेड दिया है। यूजीसी के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने केजीएमयू को ए-डबल प्लस का ग्रेड देकर उसकी स्तरीयता पर मुहर लगा दी है। इस ग्रेड से केजीएमयू में स्वास्थ्य क्षेत्र की उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है।

यही नहीं, उत्तर प्रदेश में मेडिकल, नॉलेज सिटी और हाइटेक एजुकेशन के विस्तार से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक किए जा रहे प्रयासों का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर छात्र गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारोन्मुख कौशल और वैश्विक मानकों के अनुरूप अवसर प्राप्त कर सके।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने नैक के नवीनतम मूल्यांकन में ए-प्लस-प्लस ग्रेड प्राप्त कर लिया है, जिसमें सीजीपीए 3.67 अंक प्राप्त हुआ है। नैक की टीम ने 31 जुलाई से 2 अगस्त तक केजीएमयू का निरीक्षण किया और विभिन्न मानकों के परीक्षण में विवि को उच्च स्कोर दिए। प्रदेश सरकार के प्रयासों से मेडिकल शिक्षा में पारदर्शिता, तकनीकी उन्नयन और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए गए, जिसका सीधा असर केजीएमयू जैसे संस्थानों के प्रदर्शन पर पड़ा है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि 2025-26 तक राज्य के 25 प्रतिशत कॉलेजों का नैक मूल्यांकन हो जाए। इसमें लगभग 1,000 कॉलेज पहले ही चयनित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र को शामिल करने की छूट के तहत कई विश्वविद्यालयों को

प्रदेश में प्रवेश की मान्यता मिली है। इसी कड़ी में उन्नाव में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के रूप में पहली एआई आगुमेंटेड यूनिवर्सिटी का शुभारंभ किया गया है। इन प्रयासों से उच्च शिक्षा में निजी भागीदारी को बल मिला है। हाल ही में, मुख्यमंत्री की अगुवाई में योगी कैबिनेट ने भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना को मंजूरी दी है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। अब प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही गोरखपुर में नए आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना भी हुई है। दूसरी तरफ, हाईटेक शिक्षा को लेकर भी अनूठे प्रयास किए गए हैं, जिसके तहत कानपुर, गोरखपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में नॉलेज सिटी के विकास की योजना है।

इनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना और उच्च शिक्षा व शोध में वैश्विक मानक स्थापित करना है। उत्तर प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में हर संभव सहयोग देने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को समाज कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना लगातार साकार कर रही है। प्रदेश के हजारों युवा इस योजना के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर चुके हैं। ग्रामीण और गरीब तबकों के प्रतिभावान युवाओं के लिए यह योजना उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरी है। योगी सरकार द्वारा इस योजना के माध्यम से छात्रों को नि:शुल्क कोचिंग, उच्च गुण-वत्ता वाली शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे यूपीएससी, पीसीएस, जेईई, नीट जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। योगी सरकार ने इस योजना को राज्य के 75 जनपदों में सफलतापूर्वक संचालित कर रही है, जहां करीब 166 केंद्र संचालित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है। प्रदेश सरकार 2 करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करवा रही है, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा गया है, ताकि उद्योगों और बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। प्रदेश में 400 के करीब राजकीय और 3000 निजी आईटीआई संचालित हैं, जहां न्यूनतम शुल्क पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सरकार निजी आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप और अन्य प्रोत्साहन भी दे रही है। इसके अलावा अब प्रदेश की 120 से ज्यादा पॉलीटेक्निक को भी टाटा टेक्नोलॉजी की मदद से अपग्रेड किए जाने की योजना है।

ऑपरेशन कायाकल्प ने 2017 से अब तक सरकार स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया है. स्कूलों में मूल सुविधाएं 36 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हो चुकी हैं, 1.32 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी बनी है, और 15.37 करोड़ मुफ्त पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई हैं। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत, 2,441 माध्यमिक सरकारी स्कूलों को 35 इंफ्रास्ट्रक्चर मानकों पर अपग्रेड किया गया, जिसमें स्मार्ट क्लास, लैब, पुस्तकालय, कामकाजी वातावरण शामिल है।

इससे सरकारी सेकेंडरी स्कूलों में नामांकन में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई और प्राथमिक विद्यालयों में उपस्थिति में भी सुधार हुआ है। इससे छात्रों को स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, खेलकूद और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जबकि बेटियों के लिए भी आवासीय शिक्षा के लिए कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के गरीब और वंचित तबके के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश सरकार ने प्रदेश के चिन्हित माध्यमिक विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की गई है। कई सरकारी स्कूलों में एनसीईआरटी आधारित सिलेबस अपनाया गया है, ताकि छात्रों को एकरूप और उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिले।

योगी सरकार के बेड़े में शामिल होगा अगस्ता हेलीकॉप्टर

प्रशिक्षण के लिए 13 अगस्त से इटली भेजे जाएंगे पायलट

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

विश्व का सबसे आधुनिक हेलीकॉप्टर अगस्ता (एडब्लू-139) जल्द ही उत्तर प्रदेश सरकार के बेड़े में शामिल होगा। इसके लिए पायलटों को विशेष प्रशिक्षण के लिए इटली भेजा जाएगा। हेलीकॉप्टर खरीद की मंजूरी के साथ ही तीन पायलटों को विशेष प्रशिक्षण के लिए इटली भेजा जा रहा है। नागरिक उड्डयन विभाग ने इसकी मंजूरी देते हुए आदेश जारी कर दिया है। यूपी सरकार जल्द ही एक विमान खरीदने की भी तैयारी में है। अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर की निर्माता कंपनी इटली की लियोनार्डो हेलीकॉप्टर है, जो पायलटों को हेलीकॉप्टर की उड़ान के लिए तकनीकी और आपात स्थिति में लैंडिंग का

प्रशिक्षण देगी। इसके तहत कैप्टन अमित कुमार भूटानी और कैप्टन अक्षय जायसवाल को 13 अगस्त से 10 अक्टूबर तक और कैप्टन राजेश कुमार शर्मा को 9 अक्टूबर से 27 नवंबर तक विशेष प्रशिक्षण के लिए इटली भेजा जाएगा। विदेश यात्रा के दौरान उनका हवाई किराया, दैनिक भत्ता, होटल, बीमा, वीजा शुल्क आदि पर 50.40 लाख रुपए के खर्च को शासन ने मंजूरी दे दी है। अमित और अक्षय पर प्रति पायलट 17.61 लाख रुपए और राजेश शर्मा पर 15.18 लाख रुपए खर्च होंगे। प्रदेश सरकार हेलीकॉप्टर के अलावा एक नया अत्याधुनिक विमान खरीदने की भी तैयारी कर रही है।

विमान और हेलीकॉप्टर खरीदने में 600 से 700 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इससे पहले मायावती और अखिलेश यादव के शासनकाल में विमान और हेलीकॉप्टर की खरीद हुई थी। योगी सरकार में पहली बार विमान और हेलीकॉप्टर खरीदने का फैसला हुआ है। अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर के साथ फ्रांस में बना विमान खरीदने पर विचार किया जा रहा है। अमेरिका और यूरोप की चार बड़ी कंपनियों ने भी विमान के लिए अपना प्रस्ताव दिया है।

नागरिक उड्डयन विभाग के मुताबिक, नया विमान और हेलीकॉप्टर खरीद के साथ ही सरकार के हवाई बेड़े में पांच विमान और चार हेलीकॉप्टर हो जाएंगे। देश के किसी भी राज्य की सरकार के पास इतने विमान और हेलीकॉप्टर नहीं हैं। मायावती सरकार में वर्ष 2008 में एक बीचक्राफ्ट प्रीमियर 1-ए जेट और हॉकर 900 एक्सपी खरीदा गया था। अखिलेश यादव की सरकार में एक बीचक्राफ्ट 200 टर्बोप्रॉप एयरक्राफ्ट और एक बेल 412 हेलिकॉप्टर खरीदा गया था।

रक्षा बंधन पर रोडवेज बस से एक लाख महिलाओं ने की मुफ्त यात्रा

प्रयागराज, 10 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी रोडवेज ने रक्षाबंधन पर इस वर्ष भी महिलाओं के लिए यात्रा मुफ्त की है। इस बार यह खासियत है कि महिला यात्रियों के साथ एक सहयात्री को भी मुफ्त में यात्रा कराई जा रही है। इसका लाभ बड़ी संख्या में बहनों ने लिया। रोडवेज स्टेशनों पर काफी भीड़ रही। यह सुविधा तीन दिनों तक के लिए है।

रक्षाबंधन पर प्रयागराज से लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, मिर्जापुर, चित्रकूट, कानपुर और दिल्ली समेत अन्य रूटों पर बहनों ने मुफ्त सफर किया। महिलाओं के साथ एक पुरुष सहयात्री का भी टिकट माफ होने से शनिवार को बसों में भीड़ बढ़ गई। रोडवेज के अनुसार, प्रयागराज रीजन के नौ डिपो से संचालित बसों में 1,05,482 लोगों ने मुफ्त सफर किया। सर्वाधिक 20,147 यात्रियों ने मिर्जापुर डिपो की बसों में सफर किया। दूसरे स्थान पर प्रयाग डिपो रहा।

उधर, शनिवार को पूर्वांचल की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी ज्यादा रही।

वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर और आजमगढ़ आदि के लिए बसों के अतिरिक्त फेरे भी लगे। सुबह नौ बजे के आसपास जौनपुर और वाराणसी रूट की बसें यात्रियों की संख्या के मुकाबले कम पड़ गईं। सूचना पर वर्कशॉप में रिजर्व बसों को सिविल लाइंस बस स्टेशन पर भेजा गया।

लखनऊ जाने वाली वॉल्वो में सफर करने का महिलाओं में खासा क्रेज रहा। बस का ऊंचाहार और रायबरेली में ठहराव होने के बावजूद कुंडा जाने के लिए कुछ महिलाएं इसमें सवार हो गईं। परिचालक के पूछने पर उन्होंने लखनऊ जाने की बात कही, लेकिन कुंडा बाईपास पर ही उतर गईं।

इस बार महिलाओं के साथ एक पुरुष यात्री का सफर फ्री होने से बहनों को खासी सहूलियत हुई। प्रतापगढ़ जा रही प्रीति सिंह ने कहा, यह निर्णय अच्छा रहा। इसी तरह सुल्तानपुर जा रही रश्मि गुप्ता ने कहा, हर बार रक्षाबंधन पर तीन दिन ही सफर फ्री होना चाहिए। प्रतापगढ़ जा रही आंचल मेहरोत्रा ने कहा, पहली बार सीएम योगी ने महिलाओं के साथ एक पुरुष यात्री का सफर फ्री किया। यह निर्णय सराहनीय है।

तंत्रिका दोषों को रोकने में मददगार है हेजलनट

हल्का मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। हल्का मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट फिल्बर्ट के रूप में जाना जाता है। हालांकि दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है, लेकिन तुर्की, इटली और अमेरिका में इसका उत्पादन बहुत अधिक होता है। इस नट का रंग पीले से भूरा होता है और आकार में गोलाकार से अंडाकार होता है। मार्बल आकार के इस नट में पोषक तत्वों की विस्तृत श्रृंखला पाई जाती है। यह स्वादिष्ट फल वजन कम करने और दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। आइए हेजलनट के ऐसे की कुछ अद्भुत स्वास्थ्य गुणों की जानकारी लेते हैं।

दिल के लिए लाभकारी

हेजलनट असंतृप्त वसा से भरपूर होता है, यह दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। हेजलनट में ओलिक एसिड खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड में अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। नियमित रूप से हेजलनट के सेवन से कोलेस्ट्रॉल को 27 प्रतिशत कम किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि हेजलनट के सेवन से रक्त वाहिकाओं में बाधा और धमनी की दीवारों पर जमा होने वाले खराब कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को कम किया जा सकता है। नियमित रूप से हेजलनट का सेवन करने वाले लोगों में दिल के दौरे के कारण होने वाली मौत का जोखिम 50 प्रतिशत कम होता है। इसके अलावा इसमें दिल को स्वस्थ रखने के लिए मैग्नीशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

फोलेट और विटामिन ई से भरपूर

अधिकांश नट्स के विपरीत, हेजलनट फोलेट का बहुत अच्छा स्रोत हैं। फोलेट गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह मेगालोब्लास्टिक एनीमिया और बच्चों के तंत्रिका दोषों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट विटामिन ई को बहुत अच्छा स्रोत है। विटामिन ई लाल रक्त कोशिकाओं के विघटन को रोकता है और एनीमिया के जोखिम को कम करता है। ब्लड का सही सर्कुलेशन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत रखने, बुखार, सर्दी और अन्य बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है।

मांसपेशियों और हड्डी स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मैग्नीशियम कैल्शियम की मात्रा को शरीर में लाने और बाहर ले जाने के लिए विनियमित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कैल्शियम की उचित मात्रा मांसपेशियों के संकुचन को बढ़ावा और रिलैक्स करने में मदद करती है। यह मांसपेशियों में तनाव, दर्द, ऐंठन, थकान, और ऐंठन से बचाती है। मैग्नीशियम का उच्च स्तर मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट मैंगनीज से भी भरपूर होता है। यह मिनरल हड्डियों के विकास और मजबूती के लिए आवश्यक होता है। हेजलनट में मैगनीशियम स्केलेटल सिस्टम की संरचना और शक्ति के निर्माण के लिए बहुत उपयोगी होता है। यह बोन मिनरल घनत्व को बढ़ाता और ऑस्टियोपोरोसिस से लड़ता है।

कैंसर से बचाव

हेजलनट कैंसर कोशिकाओं के विकास का नेतृत्व करने वाले कारक को खत्म करने के लिए जाना जाता है। यह शरीर में मौजूद दुष्ट कोशिकाओं को शांत करने में मदद करता है। हेजलनट में पाया जाने वाला बीटा-सिटोस्टेरोल स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करता है। कई अध्ययनों के निष्कर्षों के अनुसार, हेजलनट में अल्फा-टोकोड़ेरॉल, एक प्रकार का विटामिन ई ब्लैडर कैंसर के खतरे को लगभग आधा कर देता है। इसके अलावा हेजलनट में मैंगनीज की प्रचुर मात्रा में लंबे समय तक कैंसर से शरीर की रक्षा करती है। मैंगनीज कैंसर एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम का एक घटक है जो कैंसर से रक्षा करने कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया में उत्पादित होता है।

अवसाद को करें इस तरह दूर

अगर आप अवसाद से पीड़ित हैं, तो आपको थकान, लाचारी, और नाउम्मीदी का एहसास हो सकता है। लेकिन यह जानना बेहद जरूरी है कि ये सारी मनोदशाएं अवसाद का हिस्सा हैं और ये सही स्थिति को ठीक ढंग से नहीं दर्शाते हैं। जैसे जैसे आप अपने अवसाद को पहचानने लग जाएंगे और उपचार की शुरूआत कर देंगे, तब नकारात्मक विचार गायब होते चले जाएंगे।

बच्चे की खांसी का कारण निमोनिया तो नहीं?

बारिश और सर्दियों के मौसम के साथ ही मौसम परिवर्तन के दौर में निमोनिया होने की संभावना बढ़ जाती है। बारिश में इस बीमारी के संक्रमण ज्यादा फैलते हैं। ऐसे में थोड़ी एहतियात और डॉक्टर से परामर्श जरूरी हो जाता है। सन के बीज, तिल और शहद के मिश्रण में एक चुटकी नमक डालकर पानी मिला लें। इसके सेवन से पसलियों में आने वाली सूजन कम होगी।

इस तरह करें

टेनिस एल्बो का घरेलू उपचार

टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने के कारण टेनिस एल्बो की समस्या होती है। यहां टेनिस एल्बों के लिए सबसे अच्छे घरेलू उपचारों की जानकारी दी गई हैं। लेकिन इसके अलावा उचित निदान और उपचार के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

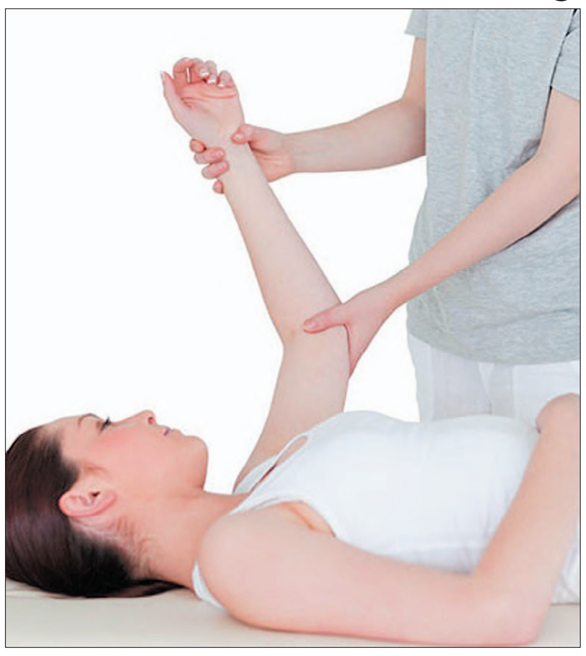

प्राकृतिक उपायों से टेनिस एल्बो के दर्द को दूर किया जा सकता है। यह बीमारी टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर दबाव पड़ने के कारण होने वाले नुकसान से होती है। इसलिए इसे टेनिस एल्बो कहा जाता है। टेनिस एल्बो होने पर कोहनी में दर्द होता है, कभी-कभी यह दर्द असहनीय हो जाता है, संवेदनशीलता के कारण कोहनी और कलाई में सूजन आ सकती है। हाथ उठने में परेशानी होती है, उंगलियां भी इसके कारण प्रभावित हो सकती हैं, कलाई और घुटने के बीच के हिस्से में भी दर्द होता है। टेनिस एल्बो से बचने के किसी रास्ते के बारे में अभी तक जानकारी नहीं है। हालांकि, कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इसे बढ़ने से जरूर रोका जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है।

बर्फ की सिकाई

कोहनी पर बर्फ लगाना दर्द और सूजन को कम करने का सबसे सरल और आसान तरीकों में से एक है। बर्फ इस समस्या की प्रगति को रोकने में भी आपकी मदद करता है। बर्फ की बजाय आप जमे हुए मटर बैग का उपयोग भी कर सकते हैं। एक पतले तौलिये में बर्फ के कुछ टुकड़ों को लपेटें। अपनर कोहनी को तकिये और किसी गद्देदार क्षेत्र में आराम से रखें। फिर प्रभावित जगह पर धीरे से तौलिया को रखें। 10 से 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। दर्द दूर होने तक इस उपाय को दिन में कई बार दोहराये। लेकिन एक बात को हमेशा ध्यान में रखें कि बर्फ को सीधे त्वचा पर न लगाएं।

कंट्रास्ट हाइड्रोथेरेपी यानी ठंडी और गर्म सिकाई

कंट्रास्ट हाइड्रोथेरपी का मतलब है, प्रभावित क्षेत्र में ठंडा और गर्म सेंक करना, कंट्रास्ट हाइड्रोथेरेपी टेनिस एल्बो के लिए एक और बहुत अच्छा उपाय है। गर्म ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने और दर्द को कम करने और ठंडा सेक सूजन को कम करने में मदद करता है। एक पतले तौलिये में गर्म पानी की बोतल लपेटें और दूसरे तौलिये में कुछ बर्फ को लपेटें। फिर लगभग तीन मिनट के लिए प्रभावित अंग पर गर्म सेक करें। अब गर्म सेक को हटाकर एक मिनट के लिए ठंडा सेक को प्रभावित हिस्से पर रखें। इस उपाय को 15 से 20 मिनट के लिए करें। राहत पाने के लिए इस उपाय को दिन में एक बार जरूर करें।

प्राकृतिक दर्द निवारक हल्दी

हल्दी में पाया जाने वाला कुरकुमीन नामक तत्व, एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट और प्राकृतिक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करता है। इसके अलावा, हल्दी एंटीऑक्सीडेंट का समृद्ध स्रोत होने के कारण फ्री रेडिकल्स से लड़ने और उपचार को गति प्रदान करने में मदद करता है। एक कप दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर उसे हल्का सा गर्म लें। फिर इसमें थोड़ी सा शहद मिलाकर कुछ हफ्तों के लिए दिन में दो बार पीएं।

दर्द दूर करें अदरक

अदरक में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण, टेनिस एल्बो के लक्षणों को दूर करने में बहुत मददगार होते हैं। अदरक की जड़ के एक छोटे से टुकड़े को काटकर उसे दो कप पानी में मिलाकर दस मिनट के लिए उबालें। फिर हल्का ठंडा होने पर उसमें शहद मिलाएं। इस मिश्रण को दिन में तीन बार तब तक पीएं जब तक की दर्द दूर न हो जाए।

मसाज के फायदे

कैलेंडुला और एवोकैडो ऑयल से दर्द वाले हिस्से पर मालिश करना भी टेनिस एल्बो का एक और प्रभावी घरेलू उपाय है। कैलेंडुला और एवोकैडो दोनों तरह के तेल सूजन और दर्द से राहत देने में मदद करते हैं। इसके अलावा, मालिश रक्त परिसंचरण में सुधार और दर्द वाली मांसपेशियों को आराम देती है। दर्द के दूर होने तक दिन में दो से तीन बार मालिश करनी चाहिए।

हर्ब यानी सेंट जॉन पौधा

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण सेंट जॉन पौधा टेनिस एल्बों को ठीक करने में आपकी मदद करता है। इसके अलावा यह दर्द से राहत देने के लिए एक एनाल्जेसिक के रूप में काम करता है। दो चम्मच सूखे सेंट जॉन के पौधे को एक कप गर्म पानी में लेकर उबाल लें। फिर इसे 10 मिनट के लिए कवर करके रख दें। थोड़ा सा ठंडा होने पर इसमें शहद मिला लें। दर्द के दूर होने तक इस हर्बल चाय को दिन में दो बार लें। डॉक्टर से दवाएं लेने पर इस हर्ब के इस्तेमाल से बचें।

ठीक होने की प्रक्रिया में तेजी लाए मेथी

मेथी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण यह सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है। और ठीक होने प्रक्रिया को गति प्रदान करता है। एक चम्मच मेथी के बीज को आप गुनगुने पानी को ले सकते हैं। या एक या दो बड़े चम्मच मेथी के बीज के पाउडर में पर्याप्त मात्रा में दूध बनाकर पेस्ट बनाकर प्रभावित अंग पर इस पेस्ट को लगाए। और एक या दो घंटे के लिए छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी इसे इसे धो लें। दर्द के दूर होने तक इस उपाय को दिन में एक बार करें।

गठिया में लाभकारी पोकवीड हर्ब्स

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण: पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें: परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाई बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

महिलाओं के लिए पोकवीड: पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्स्टिटशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम (Antabuse), ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों को लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट को बताएं।

डिप्रेशन के दौरान स्वयं बदलें अपनी मानसिक हालत

थोड़े से बदलाव से पाएं बड़ी राहत

वर्तमान समय में डिप्रेशन का दायरा सभी उम्र वर्ग में फैलता जा रहा है। बच्चों युवाओं और बुजुर्गों तक में यह बीमारी घर कर चुकी है डिप्रेशन के कारण न तो कोई काम ठीक से हो पाता है और ना ही कोई सुख मिल पाता है। डिप्रेशन से बाहर आने के लिए के लिए किए कुछ ऐसे काम हैं जो मददगार साबित होते हैं। इनसे उदासी दूर होती है और मन प्रसन्न होता है...

डिप्रेशन सिर्फ बीमारी नहीं है और न ही दिमागी फितूर। यह एक ऐसी मानसिक हालत है, जिसमें पॉजिटिव सोचने और बेहतर रिजल्ट तक पहुंचने की इंसान की कैपैसिटी कम हो जाती है। वक्त पर इलाज और करीबियों का साथ इस बीमारी से निपटने में अहम भूमिका निभाता है। उलझे सवाल, निराश करने वाले जवाब और अनिश्चितता किसी इंसान को उस मोड़ पर ले जाती है, जहां उम्मीदें काफी बेहद कम नजर आती हैं। जब स्थिति नाजुक मोड़ पर पहुंच जाती है तो नतीजे खतरनाक हो जाते हैं। जरूरत है तो इस पर वक्त रहते ध्यान देने और सही इलाज की।

डॉक्टर पर न रहें निर्भर

ज्ञान ही शक्ति है। सिर्फ डॉक्टर पर निर्भर न रहें। किताबों, इंटरनेट आदि से अवसाद के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। इससे आप अपनी स्थिति का ठीक-ठीक अहसास होगा और उचित उपचार ले सकेंगे। साथ ही नित नई जानकारी पा आप खुद को मानसिक रूप में तरोताजा भी रख पाएंगे।

चीनी आर्ट भी फायदेमंद

यदि आप चाहें तो चीनी मार्शल आर्ट ताई ची का अभ्यास कर सकते हैं। यह धीरे, तालबद्ध और हल्के तरीक से शारीरिक मुद्राएं बनाने का व्यायाम है। इस आर्ट की जानकारी यूट्यूब पर मिल सकती है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ जाता है।

वॉक के साथ योग

दस मिनट की वॉक आपका मूड लंबे समय के लिए सुधार देती है। लय व ताल वाले व्यायाम जैसे तैरना, नृत्य, योग, साइकलिंग करें। लय-ताल से इनमें ध्यान का तत्व भी जुड़ जाता है। सुबह की गई वॉक मन को और भी ज्यादा प्रसन्नचित्त करती है और अच्छी शुरुआत पूरे दिन को बेहतर बनाती है।

...तो कभी कम नहीं हो सकता मोटापा

मोटापा एक ऐसी बीमारी है,जिसे नियंत्रण करना बहुत ही मुश्किल काम है। आज हर 5 में से 3 शख्स इस बीमारी की चपेट में हैं। हालांकि मोटापे का शिकार होने का जिम्मेदार इंसान खुद ही है। जंक फूड, अनियमित भोजन, तनाव और पूरी नींद न लेना ही वजन बढ़ने का मुख्य कारण है। वहीं मोटापा कई और बीमारियों की जड़ भी बनती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह से अपने मोटापे पर काबू पा सकत हैं।

सिर्फ सोचने से नहीं चलेगा काम...

मोटापे का शिकार हर शख्स यहीं सोचता है कि अब कुछ भी हो जाए वह कल अपनी डाइटिंग और एक्सरसाइज की तरफ ध्यान देगा, लेकिन कुछ गंदी आदतें ऐसी हैं जो उसे पतला होने नहीं देती। अगर आप अपने खाने-पीने पर कंट्रोल नहीं करते हैं, तो आप लाख कोशिश कर लें, आप कभी भी पतले नहीं हो सकते।

रोज शराब पीने की लत को सुधारें

डिनर के साथ जो लोग शराब पीते हैं। उनके पेट में तो सीधे तौर पर शक?कर जा रही है, जो उन्?हें कभी पतला नहीं होने देगी। वहीं, अगर आप अपनी इस आदत को थोड़ा काबू कर लें और कुछ दिनों में केवल एक बार शराब का सेवन करें तो आपका मोटापा तेजी से घटेगा।

रोज व्यायाम करने का प्रयास करें: अगर आप अपने शरीर को लगातार काम नहीं करवा रहे हैं और खाकर सोफे पर पड़े रहते हैं, तो आप कभी पतले नहीं हो सकते। बॉडी फैट को घटाने के लिए शरीर को वर्कआउट करवाएं और खूब पसीना बहाएं। इससे आपका वेट अपने आप कम होगा। शरीर से पसीने के रास्ते कई बीमारियां भी निकल जाती हैं।

मीठा खाने की आदत पर करें कंट्रोल

बात चाहें ब्रेकफास्ट की हो, पैक दही की या चाय कॉफी की, आपको हर किसी चीज में शुगर यानी मीठे की मात्रा तो मिल ही जाएगी जो शरीर में इक्ट्ठी होकर चर्बी का रूप ले लेती है इसलिए बाजार से कोई भी चीज खरीदने से पहले लेबल पर उसके शुगर कंटेंट के बारे में पढ़ लें।

डेली डेजर्ट न खाएं

लोगों को इतना मीठा खाने की आदत पड़ चुकी है उन्हें रोज खाना खाने के बाद कुछ मीठा चाहिए, लेकिन डेजर्ट में काफी गुना शुगर होती है, जिसको रात में खाने से मोटापा काफी तेजी से बढ़ता है।

ज्यादा खाने से करें परहेज

बहुत सारे लोगों को ऑफिस या फ्री टाइम में बैठकर कुछ न कुछ खाने की आदत होती हैं। अगर आप भी यहीं कुछ करते हैं, तो आपका पेट कभी कम नहीं होगा। पैकेट बंद स्नैक्स में काफी मात्रा में सोडियम, कार्बोहाइड्रेट् और शुगर होते हैं।

रेसिपी

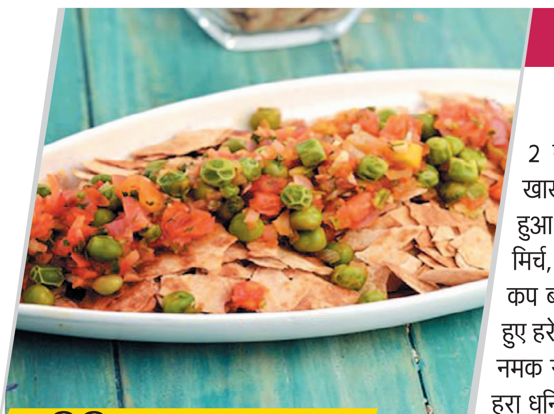

खाखरा चाट

सामग्री

2 कप दरदरे क्रश किए हुए गेहूं से बने खाखरे, 2 स्पून तेल, 1 स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून नींबू का रस

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। टमाटर, हरे मटर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। धनिया और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। परोसने के तुरंत पहले, क्रश किए हुए खाखरा और तैयार मिश्रण को मिलाकर हल्के हाथों मिला लें। तुरंत परोसें।

बाजरा चकली

सामग्री

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप गेहूं का आटा, 1 टी-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून मक्खन (समान्य तापमान पर), 1 टेबल-स्पून दही, तेल , तलने के लिए

विधि

बाजरे का आटे, गेहूं के आटा, लहसुन, कलौंजी, हरी मिर्च का पेस्ट और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मक्ख़न को आटे के मिश्रण मे मिलाकर उंगलियों से मसलते हुए दरदरा मिश्रण बना लें। दही और थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। मिश्रण को चकली के सांचे में डालकर, न्यूसपेपर या एल्यूमीनियम फॉयल पर गोल-गोल आकार में, अंदर से बाहार की ओर लेते हुए चकली बना लें लगभग 50 मिमी । ऐसा करने से 15 से 17 चकली बनेंगे। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, प्रत्येक चकली को हलके हाथों से चम्मच का प्रयोग कर उठाकर डालें, मध्यम आंच पर उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। ठंडा कर हवा बंद डब्बे में रख कर संचय करें।

संपादकीय

किसान हित पहले

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप द्वारा अतार्किक टैरिफ बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया है कि उनके हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार, प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। इसमें दो राय नहीं कि विगत में भी किसान असंतोष को राजनीतिक हथियार बनाने में विपक्ष ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। खासकर केंद्र सरकार ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले किसान आंदोलन से कड़वा सबक सीखा है। किसान लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर डटे रहे थे। जिसके बाद अंततः इन विवादास्पद कानूनों को निरस्त कर दिया गया था। इस बीच आंदोलन में किसानों ने अपने अनेक साथियों को खोया था। दरअसल, आंदोलनकारी किसानों की एक मुख्य मांग- विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने की थी। कृषि संगठनों के साथ लंबी चली कई दौर की बातचीत के बावजूद एमएसपी मुद्दे पर गतिरोध कायम है। आज अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है। बहरहाल, अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं। वह भारत के बाजार को अपने डेरी उत्पादों के लिये डंपिंग ग्राउंड बनाने पर आमादा है। निस्संदेह, डोनाल्ड ट्रंप के हमले का सामना करने के लिये भारतीय कृषि बाजार को अधिक लचीला और लाभदायक बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर भारतीय किसानों पर बढ़ता भारी कर्ज भी एक चिंताजनक स्थिति है। खासकर देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राज्य पंजाब और हरियाणा में। साथ ही केंद्र सरकार को किसानों की आय बढ़ाने वाले उपायों पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे में हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें।

भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार, प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है।

अमृत कलश

जीत के ऊपर जीत

पेशवा के राजा नाना फडणवीस का चारित्रिक शील बहुत ऊंचे दर्जे का था। जब खरड़ा की लड़ाई में नाना फडणवीस से हारकर निजाम गढ़ी में छिप गया था और उसकी बेगमें महल से बाहर रह गई थीं। मराठों ने सारी बेगमों को बंदी बनाकर उन्हें नाना फडणवीस के सामने पेश किया। नाना फौरन अपने सिपाहियों को डांटते हुए बोले, 'हमारी लड़ाई निजाम के साथ है, न कि उनकी बीवियों से। इन देवियों को अभी निजाम के पास उसके महल में वापस पहुंचा दो!' नाना फडणवीस के इस चरित्र बल के सामने शर्मिंदा सिपाही तुरंत उन बंदी बनाई गईं बेगमों को वापस महल में छोड़ आये। बेगमों ने नाना फडणवीस के इस चारित्रिक शील की प्रशंसा करते कहा कि नाना की यह जीत के ऊपर एक और जीत है।

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि- कॉलेज के छात्रों ने पिता को बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली

शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं के सुसाइड पर सुप्रीम कोर्ट सख्त !

सुनील कुमार महला

सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर में छात्रों की आत्महत्या के मामले में गंभीर सवाल उठाए हैं। पाठकों को बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी, खड़गपुर से पूछा कि छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? और संस्थान क्या कर रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने शारदा यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट को कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के लिए फटकार भी लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों की पुलिस को चार हफ्तों में स्टेटस रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

देश में छात्रों की खुदकुशी (सुसाइड) बहुत ही चिंताजनक है। इस संदर्भ में हाल ही में हमारे देश के माननीय सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। दरअसल, माननीय सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर में छात्रों की आत्महत्या के मामले में गंभीर सवाल उठाए हैं। पाठकों को बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी, खड़गपुर से पूछा कि छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? और संस्थान क्या कर रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने शारदा यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट को कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के लिए फटकार भी लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों की पुलिस को चार हफ़्तों में स्टेटस रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि- कॉलेज के छात्रों ने पिता को बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है? मैनेजमेंट ने क्यों नहीं बताया? मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया? क्या पुलिस और अभिभावकों को सूचित करना मैनेजमेंट का कर्तव्य नहीं है? बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट का छात्रों की आत्महत्या पर सख्त होना सही ही है, क्योंकि प्रबंधन, प्रशासन लापरवाही का परिचय दे रहे हैं और छात्रों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य, उनकी समस्याओं, सुरक्षा की ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। वास्तव में, छात्रों की सुरक्षा, खासकर उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, संस्थानों की पहली नैतिक जिम्मेदारी और कर्तव्य होना चाहिए। यहां यह उल्लेखनीय है कि जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए 15 अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बेंच ने कहा कि ये दिशा-निर्देश तब तक लागू और बाध्यकारी रहेंगे, जब तक इस विषय में कोई कानून या नियम नहीं बन जाता। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि सभी शैक्षणिक संस्थान छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक समान नीति को अपनाएं और इसे लागू करें। वास्तव में, यह गंभीर चिंता का एवं संवेदनशील विषय है कि आज देशभर में अनेक संस्थान छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए न तो कोई नीतियां ही बनातें हैं और न ही इन्हें ठीक प्रकार से लागू ही करते हैं। शैक्षणिक संस्थानों यह चाहिए कि वे छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक समान नीति बनाएं, उस नीति की समय-समय पर समीक्षा करें, उसे अद्यतन करें, इसे संस्थान की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक एवं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। छात्र-छात्राओं की अधिक संख्या वाले संस्थानों को यह चाहिए कि वे अपने यहां प्रशिक्षित काउंसलर(ट्रेंड काउंसलर), मनोवैज्ञानिक या सोशल वर्कर की नियुक्ति अनिवार्य करें ताकि बच्चों की समय-समय पर काउंसलिंग की जा सके और उनकी

समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सके। छात्र-छात्राओं की कम संख्या वाले संस्थानों में रिलायबल(भरोसेमंद) तथा ट्रेंड आउटर मेंटल हेल्थ स्पेशलिस्ट(प्रशिक्षित बाहरी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ) से औपचारिक रूप से सहयोग लिया जा सकता है और छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कोचिंग संस्थानों समेत सभी शैक्षणिक संस्थानों से कहा है कि वे छात्रों को पढ़ाई के प्रदर्शन(मेरिट के आधार पर) के आधार पर बैच में न बांटने की बात कही है, क्योंकि ऐसा करने से छात्रों में शर्मिंदगी और मानसिक दबाव (मेंटल स्ट्रेस) पैदा होता है। संस्थानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके यहां कार्यरत सभी स्टाफ (जैसे कि शिक्षण, गैर-शिक्षण और प्रशासनिक स्टाफ) सदस्यों को वंचित और हाशिये पर खड़े छात्रों के साथ संवेदनशील, समावेशी और भेदभाव रहित व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित हों। सभी शिक्षण संस्थानों में यौन शोषण, उत्पीड़न, रैगिंग और जाति, वर्ग, लिंग, यौन रुझान, दिव्यांगता, धर्म या जातीयता के आधार पर होने वाली बदसलूकी की शिकायतों के लिए एक मजबूत, गोपनीय और सुलभ शिकायत व निवारण तंत्र बनाया जाना आवश्यक है। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए एक आंतरिक समिति(इंटरनल कमेटी) भी संस्थानों में होनी चाहिए। इतना ही नहीं, कमजोर और वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों के साथ संवेदनशीलता से व्यवहार किया जाना चाहिए। दिशा-निर्देशों में यह भी साफ कहा गया है कि छात्रों की सुरक्षा, खासकर उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, संस्थानों की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। अगर किसी मामले में समय पर या पर्याप्त कार्रवाई नहीं की गई और इससे छात्र आत्महानि या आत्महत्या जैसा कदम उठाता है, तो यह संस्थान की लापरवाही मानी जाएगी और प्रशासन पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे देश में कोटा, जयपुर, सीकर, चेन्नई, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई जैसी सीरीज में अनेक कोचिंग संस्थान मौजूद हैं, जहां हर वर्ष हजारों लाखों की संख्या में छात्र-छात्राएं नीट, बैंकिंग, आइआइटी जेईई मेन्स और एडवांस के साथ ही साथ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। इन कोचिंग संस्थानों में छात्र-छात्राओं की मेंटल हेल्थ की सुरक्षा बहुत ही आवश्यक और जरूरी है, क्यों कि कोचिंग संस्थानों में तैयारी करते समय घर से दूर रहने की स्थिति में इन छात्र-छात्राओं को अनेक प्रकार की समस्याओं से गुजरना पड़ता है। पढ़ाई का अच्छा खासा दबाव छात्र-छात्राओं पर रहता है। ऐसे में जरुरत इस बात की है कि इन कोचिंग संस्थानों में छात्र-छात्राओं की मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा और रोकथाम के विशेष उपाय लागू किए जाएं। प्रायः यह देखा गया है कि इन सीटीज में छात्रों की आत्महत्या के मामले ज्यादा देखने को मिले हैं, इसलिए इन्हें खास ध्यान देने की जरूरत है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कोटा में तो सुसाइड के आंकड़े बहुत ही डरावने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च 2025 तक ही 10 कोचिंग छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। पाठकों को बताता चलूं कि साल 2024 में कोटा से 17 छात्र आत्महत्या के मामले सामने आए थे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले ही कोटा में आत्महत्याओं के मामलों को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत ने राजस्थान सरकार को फटकार लगाई थी और सवाल करते हुए यह पूछा था कि सिर्फ कोटा में ही आत्महत्या के मामले क्यों हो रहे हैं? राजस्थान के कोटा ही नहीं सीकर से भी सुसाइड के मामले सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार जुलाई 2025 में ही नीट के एक स्टूडेंट ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। उसने 9 जुलाई 2025 को ही सीकर की एक कोचिंग में दाखिला लिया था और मात्र एक दिन ही कोचिंग गया था। अन्य सीटीज में भी हालात किसी से छिपे नहीं हैं। बहरहाल, हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए जो 15 अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ये दिशा-निर्देश देश के सभी शिक्षण संस्थानों पर लागू होंगे, चाहे वे सरकारी हों या निजी, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, ट्रेनिंग सेंटर, कोचिंग संस्थान, रेजिडेंशियल एकेडमी या छात्रावास उनकी मान्यता या संबद्धता चाहे जो भी हो। पाठकों को बताता चलूं कि किसी भी कारण से तनावग्रस्त छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों, अनिवार्य काउंसलिंग, शिकायत निवारण तंत्र और नियामक ढांचों को अनिवार्य बनाने हेतु ये दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने इस संदर्भ में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दो महीने के भीतर नियम बनाने का आदेश दिया है। इन नियमों के तहत सभी निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण, छात्रों की सुरक्षा से जुड़े मानदंड और शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य किए जाने की बातें कहीं गईं हैं, यह काबिले-तारीफ है। इन संस्थानों को छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था का पालन भी सुनिश्चित करना होगा।

देश दुनिया से

धान अवशेष प्रबंधन के टिकाऊ समाधानों की जरूरत

अक्तूबर नवंबर में उत्तर पश्चिम भारत, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाती है। इसके जिम्मेदार कई कारक हैं जैसे मानसून के कारण वायु की गति मंद होना, पहाड़ों से ठंडी हवाओं का मैदानी क्षेत्र की तरफ चलना व पहले से ही मौजूद वायु प्रदूषण का पृथ्वी की सतह पर फैलना। वहीं इसमें धान कटाई के बाद खेतों में पराली जलाना भी एक कारक है। जो सितंबर अंत से नवंबर अंत तक गेहूं, सरसों आदि की बुआई हेतु धान की फसल के अवशेषों को खेत से साफ करने की आसान और बिना लागत वाली विधि है। पराली जलाने से वायुमंडल में बड़ी मात्रा में विषैले प्रदूषक उत्सर्जित होते हैं, जिनमें मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड, वाष्पशील कार्बनिक यौगिक और कार्सिनोजेनिक पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन जैसी हानिकारक गैसें शामिल हैं। ये प्रदूषक वातावरण में फैल कर भौतिक और रासायनिक परिवर्तन होने के बाद धुंध की परत का रूप धारण कर लेते हैं। कई-कई दिनों तक धूप को पृथ्वी तक पहुंचने में बाधा बनते हैं। इसके दुष्प्रभाव से सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 5 से 30 प्रतिशत तक ही रहता है। पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए सरकार लाखों-करोड़ों रुपए खर्च करती है। यह व्यय पराली के बंडल बनाकर उद्योगों तक पहुंचाने जैसी अव्यावहारिक योजनाएं लागू करने पर भी होता है। इसके अलावा पराली जलाने पर प्रतिबंध, किसानों पर जुर्माना और केस दर्ज करने जैसे सख्त उपाय अपनाए जाते हैं। लेकिन वायु की गुणवत्ता में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। विडंबना है, प्रचारतंत्र द्वारा पराली जलाने से वायु प्रदूषण पर केवल किसानों को ही जिम्मेवार ठहराया जाता है। इन सबके बावजूद, पराली जलाने की घटनाओं में कमी नहीं आई है। कारण स्पष्ट है कि किसानों के पास पराली प्रबंधन के लिए व्यावहारिक और सस्ते विकल्प उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि धान की कटाई और अगली फसल की बुआई के बीच 15-20 दिनों की अल्प अवधि होने के कारण उनके पास पराली हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं होता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के साथ लगते राज्यों में 60 लाख हेक्टेयर भूमि पर धान-गेहूं फसल चक्र अपनाया जाता है, जिसमें अक्तूबर-नवंबर में धान कटाई के बाद गेहूं, आलू और सरसों आदि की बुआई की जाती है। इन क्षेत्रों में सालाना लगभग 40 करोड़ क्विंटल पराली पैदा होती है। जिसे उद्योगों में इस्तेमाल करने के लिए 15-20 दिन की अल्पावधि में लाखों ट्रैक्टर-चालित बेलर मशीनों की मदद से खेतों से करीब 100 करोड़ बंडल बनाए जाते हैं। इन्हें एक करोड़ वाहनों द्वारा सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित उद्योगों तक ढोने में लाखों करोड़ों लीटर डीजल खर्च होता है, जो सरकारी धन की बर्बादी और प्रदूषण बढ़ाने वाला अव्यावहारिक प्रयास कहा जा सकता है। प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा 26 सितंबर, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार, पंजाब में उत्पन्न होने वाली 20 मिलियन टन पराली के लिए 1,17,672 फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनें हैं। इसी तरह हरियाणा में भी लगभग 80 हजार सीआरएम मशीनों के लिए किसानों को सब्सिडी देने का दावा किया जा रहा है। जबकि हरियाणा में अगस्त, 2018 के प्रशासनिक आदेश 'कम्बाइन हार्वेस्टर पर सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) की कानूनी अनिवार्यता' लागू करके किफायती व आसान तरीके से पराली जलाने का हल कर सकती है। पराली जलाने का सबसे बेहतर पर्यावरण और किसान हितैषी समाधान यह है कि इसे खेत में भूमि में दबाकर जैविक खाद में बदला जाए। इसके लिए धान कटाई के बाद प्रति एकड़ 30 किलो यूरिया का छिड़काव करके मोल्ड बोर्ड हल या हैरो से पराली को मिट्टी में दबाकर अगली फसल की बुआई आसानी से की जा सकती है। यह विधि कम समय में पराली प्रबंधन के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखती है और खर्च भी नहीं बढ़ाती है। लेकिन पराली को खेत में दबाने को सफलतापूर्वक अपनाए जाने के लिए जरूरी है कि धान की कटाई सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम से लैस कम्बाइन हार्वेस्टर से की जाए। यह मशीन पराली को छोटे बारीक टुकड़ों में काटकर खेत में फैला देती है, जिससे गहरी जुताई द्वारा पराली को आसानी से भूमि में मिलाया जा सकता है। पराली जलाने पर किसानों पर जुर्माना और जेल भेजने जैसी सख्त कार्रवाई की गयी लेकिन उपरोक्त पर्यावरण हितैषी आदेश को लापरवाही के चलते प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया। यानी पराली जलाने के लिए किसानों के साथ-साथ तंत्र भी जिम्मेदार है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अमृतसर द्वारा वर्ष 2025 में किए गए एक अध्ययन में भी पंजाब में पराली जलाने के लिए सरकारी तंत्र की विफलताओं को ही जिम्मेदार ठहराया गया है।

आप का नजरिया

कर्ज का मर्ज

कभी देश की किसानी के लिये आदर्श कहे जाने वाले पंजाब के किसान आज कर्ज के मर्ज से इतना क्यों त्रस्त होते जा रहे हैं, यह गंभीर विमर्श का विषय होना चाहिए। निस्संदेह, मौजूदा हालात में कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये प्रभावी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। हाल ही में लोकसभा में पेश की गई नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट की रिपोर्ट पंजाब के किसानों की गंभीर वित्तीय स्थिति को उजागर करती है। जो उन्हें देश में संस्थागत ऋण लेने वाले किसानों की सूची में शीर्ष पर रखती है। यह रिपोर्ट कई चौंकाने वाले खुलासे करती है। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है कि राज्य के लगभग पच्चीस लाख किसानों ने कृषि कार्यों के लिये विभिन्न बैंकों से ऋण लिया है। वहीं दूसरी ओर प्रत्येक किसान पर करीब तीन लाख रुपये का कर्ज चढ़ा है। इससे पहले देश की संसद को सूचित किया गया था कि पंजाब में वर्ष 2017 से 2021 तक करीब एक हजार किसानों ने अपनी जीवन लीला आत्महत्या करके समाप्त कर ली थी। दरअसल, जांच-पड़ताल में यह बात भी सामने आई थी कि इन आत्महत्याओं के मूल में कर्ज का भारी बोझ ही था। कर्ज न चुका पाने या कर्ज वसूली के तौर-तरीकों से आहत किसान मौत को गले लगाना अंतिम समाधान मानने लग जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस संकट से सिर्फ किसान ही जूझ रहे हैं, कमोबेश खेतिहार मजदूरों के लिये भी परिदृश्य उतना ही निराशाजनक है। दरअसल, पिछले साल अर्थशास्त्रियों के पटियाला स्थित एक थिंक टैंक द्वारा कराये गये एक अध्ययन में पाया गया कि पंजाब में खेतों में काम करने वाले मजदूरों पर उनकी वार्षिक आय से चार गुना कर्ज चढ़ा हुआ था। यह कर्ज औसतन चौबीस हजार रुपये बताया गया था। यह अध्ययन कई गंभीर मुद्दों की ओर ध्यान दिलाता है। इस अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 2015 से 2019 के बीच 898 खेतिहर मजदूरों ने भी आत्महत्या करके जीवन लीला समाप्त कर ली थी। निस्संदेह, ये हालिया आंकड़े कृषि की चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा करते हैं। वहीं दूसरी ओर ये आंकड़े उन कृषि नीतियों पर सवालिया निशान लगाते हैं, जो अनाज उत्पादक किसानों की आर्थिक परेशानियों को कम करने के लिये लागू करने की बात देश के नीति-नियंता करते हैं। पंजाब की आम आदमी सरकार विगत में दावे करती रही है कि वह अपनी किसान कल्याण नीति के निर्माण की दिशा में तेजी लायेगी। साथ ही यह भी कह रही है कि वह चुनाव के दौरान किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिये किये गये वायदे को पूरा करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह साफ है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान लाई गई ऋण माफी योजना के प्रभावी परिणाम सामने नहीं आये हैं। जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि किसानों की किस्मत बदलने के लिये सिर्फ राहत पैकेज से काम नहीं चलेगा। इसके लिये कुछ ठोस कदम उठाने की भी जरूरत होगी। दरअसल कृषि अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिये प्रभावी और महत्वपूर्ण स्थायी कदम उठाने की जरूरत है। मौजूदा ऋण संकट के अलावा नीति-नियंताओं को लगातार बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के बीच व्यापक रणनीति बनाने की जरूरत होगी। इसके अंतर्गत जहां पर्यावरण अनुकूल और अधिक उपज देने वाली फसलों की किस्मों के विविधीकरण पर बल देने की जरूरत है, वहीं भूजल संकट को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता होगी। साथ ही फसलों के उन बीजों के शोध व अनुसंधान पर भी काम करना होगा जो कम बारिश व अधिक तापमान के बीच उत्पादकता को बढ़ा सकती हैं। अन्यथा हमारी खाद्य श्रृंखला संकट में पड़ सकती है। इसमें पराली जलाने से उपजे संकट का भी समाधान निकालना होगा। इसमें दो राय नहीं कि जो किसान देश के नागरिकों की थाली में भोजन पहुंचाने के लिये तन झुलसाती गर्मी, रक्त जमाती सर्दी और बारिश में कड़ी मेहनत करते हैं, वे बेहतर सुविधाओं के हकदार हैं। ताकि उनके लिये कृषि महज घाटे का सौदा साबित न हो।

दृष्टि कोण

शहरीकरण व जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझें

देश में चल रहे मानसून मौसम में पूरे देश में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जैसा कि भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान दिया था। कई राज्यों में भारी बारिश हुई है, जिसमें पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के कारण आपदाएं जैसे भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं। हिमालयी क्षेत्र—हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में लगातार, व्यापक और तीव्र बारिश हुई है। इस मौसम की सबसे भयंकर आपदाओं में से एक उत्तरकाशी जिले के धराली में आई, जहां कथित रूप से बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने जान-माल का नुकसान किया। यह क्षेत्र की पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील स्थिति में अनियंत्रित विकास के खतरे की गंभीर याद दिलाता है। मैदानों में भी मानसून का कहर जारी है, जहां बड़े शहरों में सड़कों पर जलभराव, जान-माल के नुकसान और पुरानी संरचनाओं का ढह जाना देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर जलजमाव के कारण भारी ट्रैफिक जाम, सड़कों और राजमार्गों पर कार और ट्रकों का सिंक होल में गिरना, स्कूलों और कार्यालयों में फंसे लोग तथा बिजली की चपेट में आने जैसी दुखद घटनाओं की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। कुछ नए बने हवाई अड्डों की इमारतें लगातार बारिश को सहन नहीं कर पाईं। प्रभावित शहर जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र और आउटसोर्सिंग हब हैं। बारिश से होने वाले प्रभावों को केवल 'प्रकृति का क्रोध' मान लेना गलत होगा। जो कुछ भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु

परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है। दशकों से वैज्ञानिक अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि की चेतावनी दे रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का परिणाम है। एक चरम मौसम घटना तब होती है जब किसी स्थान पर सामान्य मात्रा से कहीं अधिक वर्षा या हिमपात होता है, जैसा कि हमारे कई शहरों में हो रहा है। किसी शहर या क्षेत्र की औसत वर्षा सामान्य सीमा में रह सकती है, लेकिन कुछ दिनों या स्थानों पर बहुत कम समय में भारी वर्षा होती है, जिससे जलजमाव और स्थानीय बाढ़ होती है। यह स्थिति केवल बिगड़ती ही जाएगी क्योंकि भारत में तीव्र गति से शहरीकरण हो रहा है। वर्तमान अनुमान के अनुसार, 2050 तक लगभग एक अरब भारतीय शहरों में रह रहे होंगे। लेकिन अगर भारतीय शहर अपनी वर्तमान विकास दिशा पर चलते रहे, तो वे अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे, जैसा कि विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहर अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और बड़ी संपत्ति के केंद्र होने के कारण जलवायु प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। शहरों में ग्रामीण इलाकों की तुलना में जलवायु प्रभाव और आपदाएं अधिक होती हैं क्योंकि वे अत्यधिक आपस में जुड़ी हुई प्रणालियों पर निर्भर हैं। जब मुख्य बुनियादी ढांचा जैसे राजमार्ग या बिजली ग्रिड टूटते हैं, तो यह एक श्रृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है जिससे बुनियादी ढांचे की विफलता होती है और शहर ठप हो जाता है।

ईरान ने अजरबैजान–आर्मेनिया शांति समझौते के तहत प्रस्तावित 'ट्रंप कॉरिडोर' को रोकने की धमकी दी

दुबई/मॉस्को

ईरान ने चेतावनी दी कि वह कॉकस क्षेत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल से बने प्रस्तावित परिवहन कॉरिडोर को रोक सकता है। यह कॉरिडोर अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच हुए हालिया क्षेत्रीय समझौते का हिस्सा है, जिसे क्षेत्र में एक रणनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

ईरान के सर्वोच्च नेता के वरिष्ठ सलाहकार अली अकबर वेलायती ने कहा, यह कॉरिडोर ट्रंप की मिल्कियत नहीं बनेगा, बल्कि ट्रंप के भाड़े के सैनिकों का कब्रिस्तान बनेगा। उन्होंने दावा किया कि उत्तर–पश्चिमी ईरान में हाल ही में हुए सैन्य अभ्यास देश की तैयारी और संकल्प का संकेत हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने पहले इस समझौते का स्वागत किया था, लेकिन चेतावनी दी थी कि उसकी सीमाओं के पास किसी भी विदेशी हस्तक्षेप से क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को नुकसान हो सकता है।

ट्रम्प के प्रस्तावित गलियारे को बताया खतरा

अजरबैजान के राजदूत एलिन सुलेमानोव ने कहा, दुश्मनी का अध्याय खत्म हो चुका है, अब हम स्थायी शांति की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह समझौता क्षेत्र की समृद्धि और परिवहन नेटवर्क को बदल देगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अंतिम शांति समझौता तभी होगा जब आर्मेनिया अपने संविधान से नागोर्नो–काराबाख़ पर दावे का उल्लेख हटाएगा। दरअसल, अजरबैजान और आर्मेनिया के नेताओं ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप की मौजूदगी में एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे। 'ट्रंप रूट फॉर इंटरनेशनल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी' (ट्रीप) नामक यह कॉरिडोर दक्षिणी आर्मेनिया से गुजरेगा, जिससे अजरबैजान को सीधे अपने नाखचिवन एक्सक्लेव और वहां से तुर्की तक पहुंच मिलेगी। अमेरिका को इसके विकास के विशेष अधिकार मिलेंगे, और व्हाइट हाउस का कहना है कि यह ऊर्जा और अन्य संसाधनों के निर्यात को बढ़ावा देगा।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय वायुसेना प्रमुख के 5 फाइटर जेट गिराने के बयान पर बौखलाया पाक

इस्लामाबाद। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा था कि

मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पांच पाकिस्तानी फाइटर जेट और एक निगरानी विमान को मार गिराया था। जैसे ही ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सच्चाई सामने आई तो पाकिस्तान बौखला गया और एक बार फिर से झूठ बोला। बोला– दोनों देशों को अपने विमानों की सूची जांच के लिए सार्वजनिक करनी चाहिए मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत ने पाकिस्तान का कोई भी फाइटर जेट विमान नहीं गिराया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपने विमानों की सूची स्वतंत्र जांच के लिए सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि सच सामने आ सके। साथ ही आसिफ ने दावा किया कि एएलओ पर भारत को ज्यादा नुकसान हुआ है और पाकिस्तान हर हमले का तेज और सटीक जवाब देगा। बता दें भारतीय एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बताया कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के अंदर और सीमा के पास आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद की गई थी। उन्होंने कहा कि इस बार सबूत हमारे पास हैं, इसलिए बालाकोट एयरस्ट्राइक की तरह इस बार विवाद नहीं होगा। एयर चीफ मार्शल ने बताया कि एफ–400 डिफेंस सिस्टम गेम चेंजर साबित हुआ और कहा कि पाकिस्तान इसे भेद नहीं पाया।

अंतरिक्ष में बीते 5 माह से फंसे 4 यात्री धरती पर लौटे, प्रशांत महासागर में हुई लैंडिंग

वाशिंगटन। स्पेस स्टेशन पर 5 महीने फंसे रहने के बाद 4 अंतरिक्ष यात्री धरती पर लौटे हैं। इनको लेकर स्पेसएक्स का कैप्सूल कैलिफोर्निया तट के पास प्रशांत महासागर में लैंड किया। स्पेस स्टेशन पर 5 महीने फंसे रहने के बाद धरती पर लौटे। ये बोइंग के स्टारलाइनर के फंसे हुए टेस्ट पायलटों सुनिता विलियम्स की जगह लेने के लिए मार्च में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे। धरती पर लौटते ही स्पेसएक्स मिशन कंट्रोल ने स्वागत करते हुए कहा, 'वेलकम टू होम। दरअसल, स्टारलाइर में गड़बड़ी की वजह से नासा अंतरिक्ष दो यात्री वुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स स्पेस स्टेशन पर नौ महीने से ज्यादा समय तक स्टेशन पर फंसे रहे। ये अंतरिक्ष यात्री उनका जगह लेने पहुंचे थे। गड़बड़ी की वजह से नासा ने बोइंग के नए क्रू कैप्सूल को खाली लौटाने का आदेश दिया गया था। हाल ही में विल्मोर नासा से रिटायर हुए हैं। धरती पर लौटने वालों में नासा की ऐनी मैक्लेन और निकोल अयर्स, जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव शामिल हैं। ये मार्च में स्टारलाइनर में गड़बड़ी के बाद पहुंचे थे। स्टेशन से रवाना होने से पहले मैक्लेन ने शुक्रवार को कहा पृथ्वी पर जहां लोग जीवन यापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, मैं कुछ दिनों तक आराम करूंगी।

बांग्लादेश में महिलाओं ने यूनुस से कहा- आप कौन होते हैं हमारा भविष्य तय करने वाले

ढाका। संसद में महिलाओं की सीटें और महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण विषय पर आयोजित गोलमेज

बैठक हुई। इस मौके पर ढाका विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर समीना लुत्फा ने बांग्लादेश में पुरुष–प्रधान निर्णय प्रक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पार्टियां जब आयोग की बैठकों में जाती हैं, तो मैं देखती हूं कि पूरा का पूरा लड़कों का क्लब बैठा है। सभी पुरुष वहां बैठकर महिलाओं का भविष्य तय कर रहे हैं। खबरें आती हैं कि अगर आप 15 चाहते हैं, तो मैं 10 दे सकता हूं। क्या यह मछली बाजार में सौदेबाजी है पुरुष तय करेंगे कि महिलाएं राजनीति में कैसे आएंगी। उन्होंने कहा, मानवाधिकार के नजरिये से देखें तो पार्टियां इसे समझने में पूरी तरह विफल रही हैं। मुझे लगता है कि बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों ने इससे बड़ी ऐतिहासिक गलती कभी नहीं की। सभी ने बेहद रूढ़िवादी रुख अपनाया है और इसकी जिम्मेदारी और कीमत उन्हें चुकानी होगी। लुत्फा ने यह भी आरोप लगाया कि महिला मामलों के आयोग की रिपोर्ट और उसके प्रस्तावों पर राष्ट्रीय सर्वसम्मति आयोग की दूसरी दौर की वार्ता में कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने इसे बेहद गैर–जिम्मेदाराना करार दिया। उन्होंने कहा, सरकार ने महिला आयोग को यह जिम्मेदारी दी थी और उन्होंने अपना काम किया, लेकिन उन पर जब भीषण हमला हुआ, तब सरकार की चुप्पी ने साबित कर दिया कि वे वास्तव में महिलाओं के साथ नहीं हैं, बल्कि उनके साथ हैं जो महिलाओं के आंदोलन और प्रगति रोकना चाहते हैं।

ट्रंप के युद्ध खत्म कराने इलाकों की अदला–बदली के सुझाव को वोलोदिमिर जेलेंस्की ने किया खारिज

कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि उनका देश किसी भी हाल में रूस को अपनी जमीन नहीं देगा। यह बात उन्होंने तब कही जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए इलाकों की अदला-बदली का सुझाव दिया। जेलेंस्की ने इस सुझाव को खारिज कर दिया है।

जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन कभी भी कब्जा करने वाले को अपनी जमीन नहीं देगा। हम रूस को उसके किए का कोई इनाम नहीं देंगे। उन्होंने वास्तविक और स्थायी शांति की जरुरत पर बल देते हुए कहा कि लक्ष्य हत्याओं पर विराम नहीं, बल्कि तत्काल एक वास्तविक और स्थायी शांति है। यह बयान उस समय आया जब यूक्रेन और यूरोप के शीर्ष अधिकारी, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस से इंग्लैंड में मिले। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के कूटनीतिक रास्तों पर चर्चा हुई।

इस बैठक में यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, फ़िनलैंड और पोलैंड समेत प्रमुख यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल थे। जेलेंस्की ने बैठक को सकारात्मक बताया और उम्मीद जताई कि पश्चिमी देशों का उन्हें समर्थन आगे भी मिलेगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि फरवरी से अब तक ट्रंप प्रशासन की हर युद्धविराम पहल को यूक्रेन ने समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी भी सहयोगी को युद्ध समाप्त करने की अमेरिका की क्षमता पर संदेह व्यक्त करते नहीं सुना है। जेलेंस्की ने ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली प्रस्तावित बैठक की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की भागीदारी के बिना लिया गया कोई भी फैसला बेकार है और कभी काम नहीं करेगा। ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' पर इस मुलाकात की पुष्टि की और बताया कि यह अगले शुक्रवार यानी 15 अगस्त को अलास्का में होगी। क्रेमलिन के अधिकारी इसकी पुष्टि की। बता दें ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस में कहा था कि दोनों देशों की बेहतरी के लिए कुछ क्षेत्रों की अदला–बदली पर होगी, हालांकि उन्होंने प्रस्ताव की बारीकियों के बारे में नहीं बताया।

फिलिस्तीनियों का बन रहा हमदर्द और बलूचों पर कर रहा इजराइल की तरह जुल्म

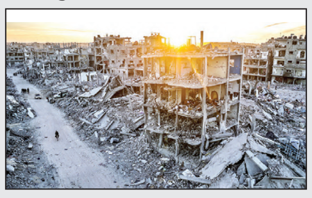

क्वेटा। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि वे फिलिस्तीनी जनता की दुर्दशा पर तो दुनिया के सामने चिंता जता रहे हैं, लेकिन अपने ही देश में बलूचिस्तान के लोगों के खिलाफ जारी क्रूर आतंकवाद और दशकों से चल रहे युद्ध को छिपा रहे हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पीएम शहबाज शरीफ की आलोचना की मीर यार बलूच ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान न्याय, मानवाधिकार और फिलिस्तीनियों के मुद्दे पर दुनिया को भाषण देता है, लेकिन बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर मानवाधिकार का उल्लंघन कर रहा है, उनकी यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब पीएम शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पर इजराइली कैबिनेट द्वारा गाजा सिटी पर कब्जे की योजना को अवैध और गैरकानूनी करार देते हुए निंदा की। मीर ने एक्स पर लिखा- पाकिस्तान की कपटपूर्ण नीति साफ है। यह फिलिस्तीनियों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाता है, जबकि बलूच जनता की स्वतंत्रता की लड़ाई को बर्बरता से कुचल रहा है उन्होंने कहा कि अगर इस्लामाबाद को सच में स्वतंत्रता, न्याय और मानवाधिकारों पर यकीन है, तो उसे पहले बलूचिस्तान पर अपना अवैध कब्जा खत्म करना चाहिए और बलूच जनता को शांति से अपना भविष्य तय करने देना चाहिए। मीर यार ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की कब्जे वाली सेनाएं वही अपराध कर रही हैं, जिनका वह इजराइल पर आरोप लगाता है, जैसे पूरे गांवों का जबरन विस्थापन, सुनियोजित दमन, फर्जी मुठभेड़ों में हत्याएं, नागरिक इलाकों पर हवाई बमबारी, सांस्कृतिक पहचान का मिटाना और रोज़गार के साधनों का नष्ट करना। उन्होंने कहा कि जिस तरह पाकिस्तान गाजा में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग करता है, उसी तरह उसने बलूचिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठनों, पत्रकारों और मानवाधिकार पर्यवेक्षकों से पूरी तरह अलग–थलग कर दिया है।

लूला और पुतिन ने अमेरिका शिखर सम्मेलन से पहले यूक्रेन शांति प्रयासों पर की चर्चा

ब्रासीलिया

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को लगभग 40 मिनट तक बातचीत की, जिसमें पुतिन ने अमेरिका के साथ अपनी हालिया वार्ताओं और रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे शांति प्रयासों की जानकारी साझा की। ब्राजीलियाई राष्ट्रपति भवन के अनुसार, दोनों नेताओं ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संगठन ब्रिक्स में सहयोग और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एवं आर्थिक हालात पर भी चर्चा की।

पुतिन और लूला के बीच यह संवाद उन लगातार हो रही अंतरराष्ट्रीय बातचीतों का हिस्सा है, जिन्हें पुतिन अगले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से संभावित मुलाकात से पहले अंजाम दे रहे हैं। बीते दिन पुतिन ने चीन, भारत सहित ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों और मध्य एशिया व यूरोप के कई राष्ट्राध्यक्षों से भी संपर्क किया था, ताकि अमेरिका के साथ अपनी बातचीत और यूक्रेन युद्ध पर विचार–विमर्श की जानकारी दे सकें।

ब्राजील और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में तनाव बढ़ा है। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगाया है, जिसे ट्रंप ने अपने सहयोगी और ब्राजील के पूर्व दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जाइर बोल्सोनारो के खिलाफ कथित राजनीतिक साजिश से जोड़ा था। हालांकि कुछ उत्पाद जैसे संतरे का रस और विमान पर कम शुल्क लगाया गया।

पुतिन के साथ बातचीत के पहले लूला ने ब्रिक्स के सभी नेताओं से संपर्क कर अमेरिका के नए टैरिफ पर संयुक्त प्रतिक्रिया की रणनीति बनाना चाहते हैं। इसी क्रम में उन्होंने गुरुवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी इस मुद्दे पर चर्चा की थी।

चीन के गेंसू प्रांत में प्राकृतिक आपदा

चीन के गेंसू प्रांत में प्राकृतिक आपदा में बचे हुए लोगों को तलाश करते हुए राहतकर्मी।

जनकपुरधाम में ट्रेन की चपेट में आई कार, तीन घायल, भारत–नेपाल रेल सेवा बाधित

काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच चलने वाली एक मात्र ट्रेन के जनकपुर-जयनगर रेलवे ट्रैक पर रविवार सुबह एक कार से टकराने के बाद से इस रूट पर रेल सेवा बाधित हो गया है। कार सवार तीन लोगों को मामूली चोटें आईं, लेकिन कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। रेलवे लाइन से कार हटाकर यातायात शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं।

जिला पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता डीएसपी बरुण बहादुर सिंह ने बताया कि जयनगर से निकलकर सुबह साढ़े आठ बजे नेपाल के सीमावर्ती महोत्तरी के पिपराढ़ी स्टेशन से जनकपुरधाम की ओर आ रही नेपाल रेलवे की ट्रेन ब्रह्मपुरी स्थित थापा चौक के पास एक क्रॉसिंग क्षेत्र में कार की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों को मामूल चोट आई है। पुलिस प्रवक्ता सिंह ने बताया कि दुर्घटना के बाद से ही रेल सेवाएं बाधित हैं और मामले में आगे की जांच जारी है। क्रेन के माध्यम से कार को हटाने का प्रयास जारी है। ट्रैक खाली करने के बाद रेल सेवा के पुनः संचालन किया जाएगा।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब ट्रेन कार से टकराई तो ज़ोरदार आवाज़ हुई। कार में तीन लोग सवार थे। उन्हें मामूली चोटें आईं, लेकिन कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

गाजा सिटी पर कब्जे के प्लान को लेकर नेतन्याहू का इजराइल में हो रहा विरोध

तेलअवीव

इजराइल के गाजा सिटी पर कब्जे के प्लान को लेकर एक तरफ कई देश नाराज हैं तो अब इजराइल में भी इस प्लान और नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन होने लगे हैं। शनिवार को इजराइल के तेल अवीव में लाखों लोग सड़कों पर उतर आए और गाजा में चल रहे युद्ध रोकने की मांग की। यह प्रदर्शन तब हुआ है जब एक दिन पहले ही इजराइली की नेतन्याहू सरकार ने गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी।

लाखों लोग सड़कों पर उतरे, तुर्की ने की मुस्लिम देशों को एकजुट होने की अपील

प्रदर्शनकारियों ने बंधकों की तस्वीरें और बैनर लहराते हुए उनकी रिहाई के लिए हमास से समझौता करने की बात कही। इस बीच तुर्की ने मुस्लिम देशों को एकजुट होने की अपील की है। तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने इजराइल की गाजा सिटी पर कब्जे की योजना को 'खतरनाक और गैरकानूनी' बताया है। तुर्की ने इसे इजराइल की नरसंहार और विस्तारवादी नीतियों का नया चरण बताया है, वहीं नेतन्याहू गाजा सिटी पर कब्जे के प्लान को लेकर अपने ही देश में घिरे हुए हैं।

प्रदर्शन में शामिल एक महिला ने चेतावनी देते हुए कहा की नेतन्याहू ने अगर गाजा पर हमला किया और बंधक मारे गए तो हम तुम्हारा पीछा हर गली, हर चुनाव में करेंगे। 2023 में हमास के हमले में 251 लोग बंधक बनाए गए थे, जिनमें से 49 अभी भी हमास के कब्जे में हैं। बता दें शुक्रवार को नेतन्याहू के सुरक्षा मंत्रिमंडल ने गाजा सिटी पर कब्जे के प्लान को हरी झंडी दिखाई है। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर कहा कि हम गाजा पर कब्जा नहीं करेंगे, हम उसे आजाद करेंगे। शनिवार को मिस्र में बातचीत के बाद फिदान ने मिस्र के विदेश मंत्री बदर अब्देलट्टी और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सीसी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इजराइल पर हमला बोला। तुर्की और मिस्र ने इजराइल के गाजा पर कब्जे की योजना की कड़ी निंदा की। तुर्की ने ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने इजराइल पर फलस्तीनियों को भूख के जरिए उनकी जमीन से बेदखल करने और गाजा पर स्थायी कब्जे का आरोप लगाया है। फिदान ने कहा कि इजराइल को समर्थन देने का कोई बहाना नहीं बचा है।

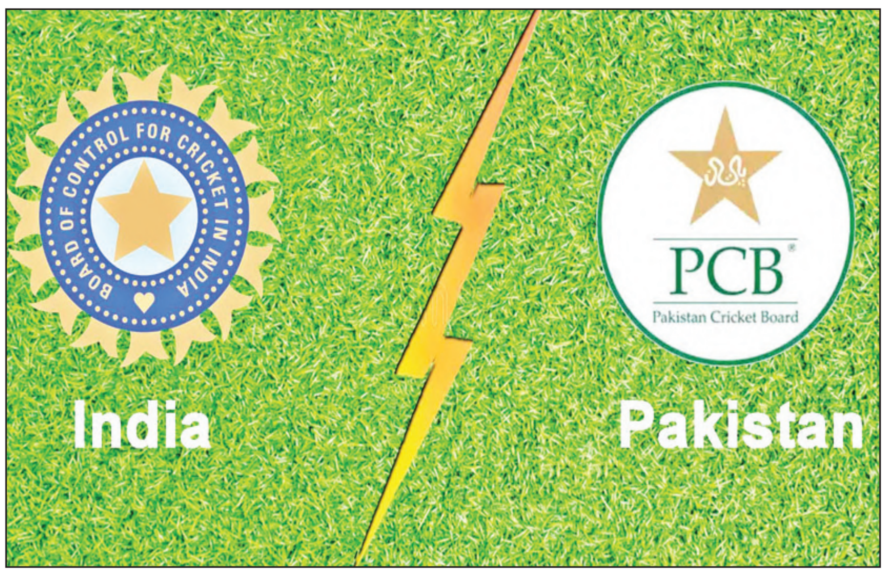

एशिया कप में पाक-भारत के बीच मुकाबले पर.....औपचारिक गारंटी नहीं दे सकता

एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर का बयान

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकी हमले के बाद से तनाव बढ़ा हुआ है। भारत ने निर्दोष लोगों की जान का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान को सबक सिखाया है। दोनों के बीच छिड़े युद्ध पर भले ही विराम लग गया हो लेकिन रिश्ते अभी भी गर्त पर है। हाल में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लीग और फिर सेमी मुकाबले से भारतीय टीम ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना किया। अब एशिया कप में दोनों टीमों के बीच होने वाले मुकाबले पर सवाल उठ रहे हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दो मैच रद्द कर दिए गए क्योंकि भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना किया। इसी तरह, आगामी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का भविष्य भी अनिश्चित है। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होना है। संभावना है कि दोनों टीमें सुपर 4 और फाइनल में भी आमने-सामने हो सकती हैं।

टूर्नामेंट शुरू होने में एक माह से भी कम समय बचा है और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुब्हान अहमद ने सुझाव दिया है कि एशिया कप में दोनों टीमों का एक-दूसरे से न खेलना लगभग असंभव है। सुब्हान अहमद ने कहा, हालांकि मैं औपचारिक गारंटी नहीं दे सकता लेकिन पाकिस्तान और भारत ना खेलें ऐसा कोई जोखिम नहीं दिख रहा। एशिया कप की तुलना निजी टूर्नामेंट जैसे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से नहीं की जा सकती, जहां भारत ने लीग स्टेज और सेमी-फाइनल दोनों में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था।

दुबई और अबू धाबी को 2025 पुरुषों के टी20 एशिया कप के आधिकारिक मेजबान शहरों के रूप में पुष्टि की गई है। टूर्नामेंट का आयोजन 9 से 28 सितंबर तक के बीच होना है। दुबई 11 मैचों की मेजबानी करेगा जिसमें फाइनल भी शामिल है। अबू धाबी आठ मैचों की मेजबानी करेगा।

न्यूज ब्रीफ

वॉन बोले अभी सचिन से बेहतर नहीं हुए हैं रुट

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने हाल ही भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में शानदार बल्लेबाजी करते हुए कई अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। जिसके बाद से ही दावा किया जा रहा है कि वह भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी अच्छे हैं और सबसे अधिक रनों का तेंदुलकर का रिकार्ड भी वह तोड़ सकते हैं। अभी वह सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। इसी को लेकर जब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से पूछा गया कि क्या रुट सचिन से बेहतर हैं तो वॉन ने कहा कि अभी नहीं। उन्होंने कहा कि रूट ने अभी तक 158 टेस्ट मैच खेले हैं। अगर बात सचिन के 200 में से पहले 158 टेस्ट मैचों की करें तो, रूट कई मामलों में अभी भी भारतीय बल्लेबाज से पीछे हैं। उदाहरण के के लिए 158 टेस्ट के बाद सचिन का औसत 54.75 का था, जबकि रूट का औसल 51.29 का है। तेंदुलकर के नाम जहां 158 टेस्ट मैचों में 42 शतक थे, वहीं रूट ने अभी तक इतने ही मैचों में 39 शतक लगाये हैं। हाल ही में संपन्न हुई 5 मैच की टेस्ट सीरीज में रूट ने 537 रन बनाये और वह सीरीज में शुभमन गिल के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। इससे वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की दौड़ में लंबी छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रूट ने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा अब उनके आगे केवल तेंदुलकर ही हैं। तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में कुल 15921 रन बनाए हैं, वहीं जो रूट 13543 रनों के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 2378 रनों का अंतर रह गया है।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं सैमसन

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सैमसन का कहना है कि वह वैभव की पारियों को देखकर हैरान हैं। वैभव ने आईपीएल और उसके बाद अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को हैरान किया है। इसी को लेकर ऑफ स्पिनर आर अश्विन से बात करते हुए सैमसन से अपनी पुरानी और वर्तमान समय की यादों के बारे में बताया है। उन्होंने पिछले समय की दो यादगार पारियों को याद किया। इनमें से एक साल 1998 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की लंबी पारी और 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रायन लारा की नाबाद 400 रन की पारी। वहीं जब बात वर्तमान समय की की गयी तो सैमसन ने वैभव का नाम लेते हुए कहा, वह वैभव नाम का उभरता खिलाड़ी जो राजस्थान रॉयल्स के लिए मैदान पर हर तरफ धूम मचा रहा है। जब उसने पहली गेंद पर छक्का मारा, तो मुझे लगा, चलो, वो भाग्यशाली है पर फिर वह मारता ही गया और उसके शॉट्स को देखकर मुझे कुछ समझ ही नहीं आया। राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को 1.1 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। सत्र के पहले हाफ में तो उसे मौका नहीं मिला, मगर जैसे ही दूसरे हाफ में उन्हें मौका मिला तो उसने इसका पूरा लाभ उठाया। अपने आईपीएल करियर का की शुरुआत ही उसने पहली गेंद पर छक्का लगाकर की। इस उभरते क्रिकेटर ने 7 मैचों में 206.56 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट के साथ 252 रन बनाये।

जिम्बाब्वे का एक भी खिलाड़ी अर्धशतक नहीं लगा पाया, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में छठी बार हुआ ऐसा

हरारे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मेजबान टीम जिम्बाब्वे के नाम एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया है जो वह भूलना चाहेगी। इस सिरीज में जिम्बाब्वे की टीम को दोनो ही मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा। उसका एक भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं लगा पाया और ये 129 साल बाद हुआ है। मेजबान टीम को दोनो ही मुकाबलों में करारी हार झेलनी पड़ी। इस मैच में जिम्बाब्वे की टीम चारों एक भी पारी में 150 रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। दोनो ही मैच में जिम्बाब्वे की टीम का कोई भी बल्लेबाज 50 रन भी नहीं बना पाया। पहले टेस्ट में सीन विलियम्स ने 49 रन बनाये और ये इस सीरीज में जिम्बाब्वे के किसी भी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर रहा। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ 6 छठा अवसर है। जब कम से कम दो मैच की टेस्ट सीरीज में किसी टीम का कोई भी बल्लेबाज 50 रन का भी नहीं बना पाया।

रोहित और विराट के लिए अंतिम हो सकता है ऑस्ट्रेलिया दौरा 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलने का सपना टूटना तय

मुम्बई

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली के लिए अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज अंतिम सीरीज हो सकती है। ऐसे में दोने का 2027 एकदिवसीय विश्व कप खेलने का सपना टूटना तय है। इसका कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले संकेत बताये जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो को ही बता दिया गया है कि इनके पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में संन्यास की घोषणा का अवसर है।

इस दोनो को ही इस माह के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने थी पर ये दौरा रद्द हो गया। ऐसे में अब इनके लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा ही बचा है। इस दौरे में भारतीय टीम तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। टीम प्रबंधन की 2027 विश्वकप की योजनाओं में ये दोनो शामिल नहीं हैं। वहीं बीसीसीआई की शर्त के अनुसार अगर विराट और रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भी एकदिवसीय टीम में बने रहना चाहते हैं तो अक्तूबर के बाद खेली जाने वाले लिस्ट ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में इन्हें भाग लेना होगा। अगर ये ऐसा नहीं करते तो इनके लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा अंतिम होगा। टीम प्रबंधन का मानना है कि अक्टूबर-नवंबर में 2027 में एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा और उस समय तक रोहित और विराट की उम्र करीब 40 साल की हो जाएगी। ऐसे में इनकी जगह युवा क्रिकेटरों को जगह देना अधिक लाभप्रद रहेगा। विराट ने चार जबकि रोहित ने खेले तीन विश्वकप खेले हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया का एकदिवसीय कार्यक्रम

- पहला एकदिवसीय, पर्थ, 19 अक्टूबर
- दूसरा एकदिवसीय, एडिलेड, 23 अक्टूबर
- तीसरा एकदिवसीय, सिडनी, 25 अक्टूबर।

बेंगलुरु में 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनेगा : सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि बेंगलुरु में नया क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा। इस स्टेडियम की क्षमता 80 हजार दर्शकों होगी और ये अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। हाल में चिन्नास्वामी स्टेडिमय में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के बाद हुए समारोह में जगह कम होने के बाद हुए हादसे के बाद नये स्टेडियम को बनाने की मांग उठी थी। जिससे सबक लेते हुए सिद्धारमैया ने नया स्टेडयम बनाने की घोषण कर दी। इस स्टेडियम को बनाने के लिए कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड की सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है। इसमें 1650 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। ये स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा और इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठाएगा। इसमें केवल क्रिकेट मैदान ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा। यह स्टेडियम बेंगलुरु में बीसीसीआई की नई राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जैसा ही होगा। वहीं आरसीबी के समारोह में हुए हादसे की जांच कर रहे जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग ने कहा था कि 32,000 दर्शकों की क्षमता वाले एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़े आयोजन करना सही नहीं है। ऐसे में अधिक क्षमता वाले स्टेडियम की जरुरत है। जिसमें बेहतर सुविधाएं हों और किसी भी प्रकार का जोखितम भी न रहे।

सैमसन सीएसके में आते हैं तो उन्हें कप्तान बनायें : श्रीकांत

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स छोड़कर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आ रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को कप्तानी दी जानी चाहिये। श्रीकांत के अनुसार सैमसन सीएसके की कप्तानी संभालने लिए सबसे बेहतर रहेंगे। सीएसके में अधिकांश समय महेन्द्र सिहं धोनी ने कप्तानी की है पर अब उनकी उम्र 44 साल हो गयी है।

ऐसे में वह 2026 सत्र में खेलेंगे या नहीं ये भी तय नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसन ने राजस्थान से अलग होने से अलग होने का फैसला किया है। श्रीकांत ने सैमसन के कौशल और ब्रांड वैल्यू की प्रशंसा करते हुए ये भी बताया कि वह किस लिए पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का आदर्श विकल्प बन सकते हैं।

श्रीकांत ने कहा, सैमसन एक शानदार खिलाड़ी हैं और चेन्नई में उनकी लोकप्रियता भी काफी ज्यादा है। चेन्नई में उनकी एक अच्छी ब्रांड इमेज है। जैसा कि मैंने कहा, अगर वह चेन्नई टीम में आते तो उन्हें सबसे पहले कप्तानी के लिए चुना जाना चाहिये। श्रीकांत ने यह भी कहा कि सीएसके के पास लंबे समय तक कप्तानी के विकल्प के रूप में ऋतुराज गायकवाड़ हैं।

इस पूर्व चयनकर्ता ने कहा, वह पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के लिए सही विकल्प हैं। धोनी ज्यादा से ज्यादा इसी सत्र खेल सकते हैं, ऐसे में सैमसन को पहले ही से कप्तानी की जिम्मेदारी देना लाभप्रद रहेगा। वहीं मुझे लगता है कि अगर पिछले सत्र में कप्तान बनाये गये ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तानी दी गई है, तो उन्हें जारी रखना चाहिए। वहीं पिछले साल ऋतुराज के बीच सत्र में चोटिल होने के बाद धोनी को एक बार फिर कप्तानी देनी पड़ी थी।

क्रिकेटर आवेश परिवार सहित अजमेर शरीफ पहुंचे

अजमेर। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज आवेश खान अपने परिवार के साथ अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचे हैं। यहां उन्होंने सूफी संत हजरत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में हाजिरी देकर अकीदत की चादर पेश की। इस अवसर पर उन्होंने दरगाह के झालरा लंगरखाना में आम और खास जायरीनों को अपने हाथों से लंगर भी परोसा। आवेश ने खादिम को अपनी ओर से एक क्रिकेट बल्ला भी उपहार में दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब भी कोई नया कार्य शुरू करते हैं या कोई बड़ा लक्ष्य पूरा होता है, तो वह दरगाह जरूर आते हैं। यहां आकर उनको अच्छा लगता है। आवेश खान आईपीएल के इतिहास में सबसे महंगे अनकैप्ड प्लेयर होने का रिकॉर्ड रखते है। जिन्हें आईपीएल 2022 में लखनऊ की टीम में 10 करोड़ रुपये में ख़रीदा गया था। आवेश खान 2023 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेले है और अभी लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में शामिल है। आवेश ने साल 2022 में भारतीय टीम के लिए टी-20 और एकदिवसीय में डेब्यू किया था

आकाश दीप ने खरीदी अपनी पसंदीदा कार

लखनऊ

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप सिंह ने अपनी पसंदीदा कार खरीदी है। आकाश दीप ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, सपना पूरा हुआ। चाबी मिली। उन लोगों के साथ जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। शेयर की गई तस्वीर से पता चलता है, ये काले रंग की टोयोटा फॉर्च्यूनर है। इस दौरान आकाश दीप के साथ उनकी बहनें भी थीं। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आकाशदीप को बधाई दी। आकाश दीप ने इंग्लैंड में पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की जीत में उन्होंने 10 विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई थी। आकाश ने बेहद कठिन हालातों से उबरकर भारतीय टीम में जगह बनायी है। ऐसे में दौरे से बाहर आने के बाद उन्होंने अपनी पसंदीदा एसयूवी कार खरीदी है। इस बारे में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसको बताया। इंग्लैंड से लौटने के बाद आकाश सीधे लखनऊ पहुंचे, लखनऊ में उनकी बहन ज्योति रहती हैं।

आकाश के लिए यह पल सिर्फ एक नई गाड़ी खरीदने का नहीं, बल्कि अपनी मेहनत की कमाई और खुशी को अपने परिवार के साथ साझा करने का भी था। सोशल मीडिया में साझा की गई तस्वीरों में उनकी मां बहनों के अलावा उनके परिवार के अन्य सदस्य भी नजर आ रहे हैं। कार की चाबी लेने के बाद आकाश के चेहरे पर गर्व और संतोष साफ नजर आ रहा था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सपना साकार हुआ चाबियां मिलीं, सबसे खास लोगों के साथ। आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 13 विकेट लिए जिसमें दूसरे टेस्ट की पहली पारी में चार और दूसरे पारी में छह विकेट शामिल हैं। आकाश ने ओवल में अर्धशतक लगाया था। इससे दूसरी पारी में भारतीय टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही थी।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी में जुटा ऑस्ट्रेलिया, मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड होंगें ओपनर

नई दिल्ली

टी20 विश्व कप 2026 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और टूर्नामेंट में अभी छह महीने से अधिक का समय बाकी है। यह महाकुंभ फरवरी में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस बड़े आईसीसी इवेंट को लेकर सभी टीमों ने तैयारी तेज कर दी है, वहीं ऑस्ट्रेलिया भी अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है। टी20 विश्व कप इतिहास में सिर्फ एक बार खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम इस बार नए संयोजन के साथ उतरने की तैयारी में है। डेविड वॉर्नर के पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने के बाद से टीम ने कई खिलाड़ियों को ओपनिंग पोजीशन पर आजमाया है। मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल, जेक फ्रेजर-मैकगर्क जैसे नामों ने मौका पाया, लेकिन

कप्तान मिचेल मार्श ने अब स्पष्ट कर दिया है कि विश्व कप में वह खुद ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। मार्श ने कहा, आने वाले समय में मैं और हेडी शुरुआत करेंगे। हमने साथ में काफी खेला है और हमारा रिश्ता बेहतरीन है, इसलिए शुरुआत वहीं से होगी। दिलचस्प बात यह है कि हेड ने पिछले 11 महीनों से कोई टी20 इंटरनेशनल नहीं खेला है, लेकिन वनडे और आईपीएल में उनका प्रदर्शन ओपनर के रूप में शानदार रहा है। इससे पहले वनडे में मार्श और हेड की जोड़ी पांच पारियों में 70.50 की औसत से 282 रन बना चुकी है। आईपीएल 2025 में मार्श ने ओपनिंग करते हुए 13 पारियों में 627 रन ठोके थे, जबकि हेड ने 162 की स्ट्राइक रेट से 374 रन बनाए थे। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि दोनों मिलकर पावरप्ले में विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की इस नई ओपनिंग जोड़ी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में पहली बार आजमाया जाएगा। 10 अगस्त से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो चुका है। टीम में कप्तान मिचेल मार्श के अलावा सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा शामिल हैं। यह सीरीज विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है, जहां ऑस्ट्रेलिया अपनी अंतिम टीम संरचना को परखना चाहेगा।

पेरिस में लोगन पॉल से भिड़ेंगे जॉन सीना, मुकाबला अक्टूबर में संभव

नई दिल्ली। कनाडा में हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन में जॉन सीना को दर्शकों से जबरदस्त स्वागत मिला। पिछली स्मैकडाउन में हील टर्न के बाद सीना ने समरस्लैम 2025 में पूरी तरह बेबीफेस का रूप ले लिया था। ब्रॉक लेसनर के हमले ने फैंस को उनके लिए और भी चिंतित कर दिया, लेकिन अब वे पहले से अधिक लोकप्रियता के साथ रिंग में लौट चुके हैं। लंबे समय से माना जा रहा था कि क्लैश इन पेरिस में सीना का मुकाबला लेसनर से होगा, हालांकि अब साफ हो गया है कि यह टक्कर अभी नहीं होगी। इस इवेंट में 31 अगस्त को सीना का सामना लोगन पॉल से होगा। स्मैकडाउन में शो के दौरान लोगन पॉल ने सीना को चुनौती दी थी, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि दोनों पहले टैग टीम पार्टनर रह चुके हैं और मनी इन द बैंक 2025 में कोडी रोड्स और जे उसो के खिलाफ एक साथ लड़े थे। अब सीना, कोडी रोड्स के साथ मिलकर लोगन पॉल और ड्रू मैकइंटायर का सामना स्मैकडाउन में करेंगे। जॉन सीना और ब्रॉक लेसनर की बहुप्रतीक्षित भिड़ंत पर नजर डालें तो यह मुकाबला अक्टूबर से पहले संभव नहीं है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के सितंबर महीने में कोई बड़ा इवेंट तय नहीं है। क्लैश इन पेरिस के बाद अगला मेगा इवेंट 10 अक्टूबर को पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में क्राउन ज्वेल के रूप में आयोजित होगा।

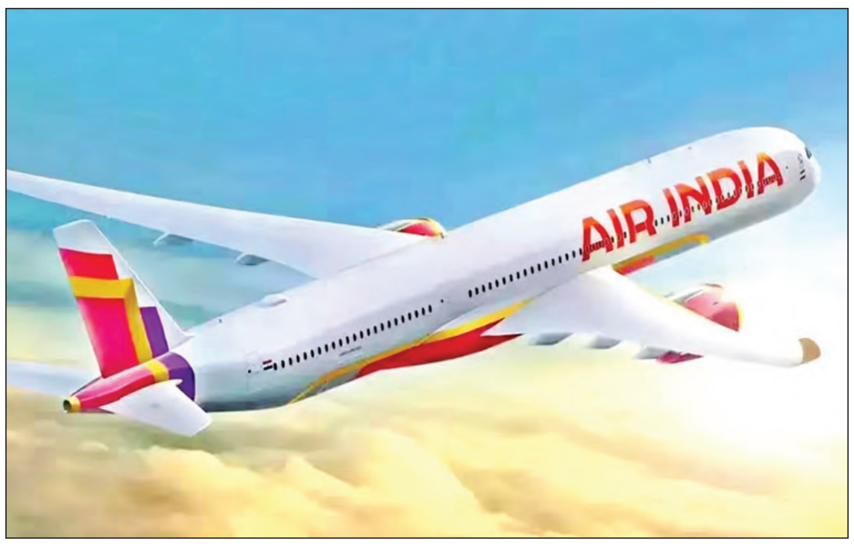

एयर इंडिया ने 7 साल और बढ़ाई पायलट और केबिन क्रू की रिटायरमेंट की उम्र

अब पायलट 65 साल, केबिन क्रू और अन्य कर्मचारी 60 साल तक कर सकेंगे काम

नई दिल्ली

एयर इंडिया ने अपने पायलटों, केबिन क्रू और अन्य कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का बड़ा फैसला लिया है। अब पायलटों की रिटायरमेंट उम्र 58 साल से बढ़ाकर 65 साल कर दी गई है। केबिन क्रू और अन्य कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र भी 58 साल से बढ़ाकर 60 साल कर दी गई है। इसके साथ ही माना जा रहा है कि केबिन क्रू की रिटायरमेंट उम्र भी 65 साल करने पर विचार चल रहा है ताकि पायलटों के बराबर किया जा सके। यह फैसला एयर इंडिया और विस्तारा के मर्जर के बाद लिया गया है। विस्तारा में पहले से पायलटों की रिटायरमेंट उम्र 65 साल थी, जबकि एयर इंडिया में यह उम्र 58 साल थी। दोनों एयरलाइंस के विलय के बाद रिटायरमेंट उम्र को समान करने के लिए यह निर्णय लिया गया। एयर इंडिया के सीईओ कैम्बेल विल्सन ने बताया कि इस संबंध में डीजीसीए से अनुमति भी मिल गई है, जिससे पायलट 65 साल की उम्र तक वाणिज्यिक उड़ानें भर सकेंगे।

एयर इंडिया में वर्तमान में लगभग 24 हजार कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें से 3,600 पायलट और 9,500 केबिन क्रू हैं। पायलटों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का यह कदम मर्जर से जुड़ी व्यवस्थाओं को सरल बनाने और कर्मचारी संतुष्टि बढ़ाने के लिए माना जा रहा है। हालांकि, यह कदम दो महीने पहले अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान दुर्घटना के बाद आया है, जिसमें 265 लोगों की जान गई थी। प्रारंभिक जांच में पायलट की गलती सामने आई है। ऐसे में पायलटों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाना कुछ के लिए चौंकाने वाला निर्णय माना जा रहा है। इसके बावजूद एयर इंडिया इस फैसले के पीछे कर्मचारियों के अनुभव और विशेषज्ञता को ध्यान में रख रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

पीवीआर आईनॉक्स को मिली दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया, घाटा घटाः एमडी

नई दिल्ली। मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर पीवीआर आईनॉक्स ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया पाई है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी के सिनेमाघरों में 3.4 करोड़ दर्शकों ने फिल्में देखीं, जो पिछले साल की तुलना में 12 फीसदी अधिक है। कंपनी का शुद्ध घाटा 179 करोड़ रुपये से घटकर 54.5 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि परिचालन आय बढ़कर 1,469.1 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने कहा कि बड़े पर्दे पर फिल्म देखना भारतीय दर्शकों के लिए मनोरंजन का प्रमुख माध्यम बना रहेगा। जुलाई में रिलीज हुई फिल्मों को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और 14 अगस्त को रजनीकांत की 'कुली' और 'वॉर 2' जैसी बड़ी फिल्मों के कारण दर्शकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों के रुझान कम होने से सिनेमाघरों में भीड़ बढ़ेगी। कंपनी दर्शकों को बेहतर अनुभव देने पर जोर दे रही है।

19 अगस्त को खुलेगा श्रीजी शिपिंग और पटेल रिटेल का आईपीओ

नई दिल्ली। शिपिंग समाधान कंपनी श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड और सुपरमार्केट श्रृंखला पटेल रिटेल लिमिटेड का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशक 18 अगस्त को बोली लगाएंगे। श्रीजी शिपिंग के आईपीओ में केवल नया निर्गम होगा, जिसमें 1.63 करोड़ शेयर जारी किए जाएंगे।

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार छठे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। इस बीच टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,36,151.24 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका मार्केट कैप 34,710.8 करोड़ रुपये घटकर 18,51,174.59 करोड़ रुपये रह गया। इसके बाद एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 29,722.04 करोड़ रुपये गिरकर 15,14,303.58 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 24,719.45 करोड़ रुपये घटकर 10,25,495.69 करोड़ रुपये, और इंफोसिस का 19,504.31 करोड़ रुपये घटकर 5,91,423.02 करोड़ रुपये हो गया।

भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में भी क्रमशः 15,053.55 करोड़ और 12,441.09 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखी गई। एलआईसी का मार्केट कैप 17,678.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,77,187.67 करोड़ रुपये हो गया।

टीसीएस का मार्केट कैप 11,360.8 करोड़ रुपये बढ़कर 10,97,908.66 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का 9,784.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,42,649.34 करोड़ रुपये, और बजाज फाइनेंस का 186.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,45,148.52 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा। यह आंकड़े बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और निवेशकों की सतर्कता को दर्शाते हैं।

टैरिफ़ विवाद, मुद्रास्फीति और विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाएं हो सकती हैं जो बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ़ लगाने की घोषणा के बाद भारतीय बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। यह कदम भारतीय जीडीपी वृद्धि को एक फीसदी तक घटा सकता है, जिससे निवेशकों में चिंता है। हालांकि, व्यापार वार्ता में संभावित सुधार से स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन घरेलू बाजार इस पर नज़र बनाए रखेगा। इसके अलावा भारतीय और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार में हलचल पैदा कर सकते हैं। 12 अगस्त को भारत और अमेरिका दोनों देशों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े जारी होंगे। भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे भारत का सीपीआई 1.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि अमेरिका का सीपीआई 2.8 फीसदी तक बढ़ सकता है। मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की संभावना को कम कर सकती है, जिससे विदेशी पूंजी प्रवाह प्रभावित हो सकता है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते से भारत को भी असर हो सकता है। यदि यह समझौता होता है, तो विदेशी निवेश चीन की ओर रुख कर सकता है, जिससे भारतीय बाजार में गिरावट आ सकती है। वहीं भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। प्रमुख कंपनियों जैसे बजाज कंज्यूमर, अशोक लीलैंड और ओएनजीसी के परिणामों पर निवेशकों की नज़र रहेगी। इस हफ्ते के बाजार रुझान में वैश्विक और घरेलू संकेतकों का मिश्रित असर देखने को मिलेगा, जिससे भारतीय निवेशकों को सतर्क रहना होगा।

रेलवे ने टिकट के डिजिटल पेमेंट पर लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को बताया सुविधा शुल्क

एक्स्ट्रा चार्ज को लेकर राज्यसभा में उठे सवाल पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सफाई दी

नई दिल्ली

ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग पर डिजिटल पेमेंट के दौरान लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को लेकर राज्यसभा में उठे सवाल पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह कोई टैक्स नहीं, बल्कि कंविनियंस फीस यानी सुविधा शुल्क है, जो आईआरसीटीसी के डिजिटल सिस्टम के संचालन और अपग्रेड के लिए लिया जाता है। रेल मंत्री के अनुसार एसी टिकट बुक करने पर 20 और नॉन-एसी टिकट पर 10 का शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क केवल ऑनलाइन टिकट बुकिंग पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से यात्रियों को रेलवे काउंटर तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। सांसद संजय सिंह ने सवाल उठाते हुए कहा था कि जब सरकार कैशलेस इकोनॉमी को बढ़ावा दे रही है, तब डिजिटल पेमेंट पर एक्स्ट्रा चार्ज लेना तर्कसंगत नहीं है। इससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिलने के बजाय बाधा आ सकती है। रेल मंत्री ने यह भी बताया कि 87 फीसदी रिजर्वेशन टिकट ऑनलाइन बुक होते हैं, जो आईआरसीटीसी की डिजिटल सेवा की लोकप्रियता को दर्शाता है। इसके साथ ही रेलवे अपने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अत्याधुनिक बना रहा है। यह सिस्टम अब हर मिनट 1 लाख टिकट बुक करने की क्षमता रखेगा, जो फिलहाल 25,000 टिकट प्रति मिनट है। यह अपग्रेडेशन सेंट्रल फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स के जरिए किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह शुल्क डिजिटल पेमेंट को हतोत्साहित करने के लिए नहीं, बल्कि सिस्टम के रखरखाव की लागत निकालने के लिए है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल गांधी ने...

राहुल गांधी की रायबरेली सीट पर भी ऐसा ही पैटर्न सामने आया जैसा वे दूसरों पर आरोप लगाते समय बता रहे थे। उनकी संसदीय सीट पर एक बूथ में मकान संख्या 8 में 27 लोगों के नाम दर्ज मिले। दो अन्य बूथों में मकान संख्या 80 और मकान संख्या 4 पर 18-18 लोगों के नाम दर्ज मिले हैं।

यह विचित्र किंतु सत्य है कि राहुल गांधी जिस फर्जीवाड़े का आरोप लगा रहे हैं, वैसा ही उनके चुनावी क्षेत्र में भी हो रहा है। और उन्हें इस बात की पूरी जानकारी है। फिर उन्होंने रायबरेली का उदाहरण प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्यों नहीं रखा? बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़ी विस्तृत प्रक्रिया ऐसे ही सुधार का हिस्सा है। अब राहुल गांधी को उस चुनाव सुधार पर भी ऐतराज है और उसके खिलाफ उन्होंने मोर्चा खोल रखा है। लेकिन जब चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से हलफनामे पर शिकायत दाखिल करने की बात कही तो वे कन्नी काट गए। इस मसले पर राहुल गांधी कोई भी लिखित शिकायत देने को तैयार नहीं हैं। इसकी वजह आसानी से समझी जा सकती है।

उधर, राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस एक पते पर 80 वोटरों पाए जाने को फर्जीवाड़े से जोड़ा उसकी भी पोल खुल गई है। महादेवपुरा के जिस मुनीयप्पा रेड्डी गार्डन क्षेत्र में यह मकान स्थित वहां के बीएलओ मुनीरत्न ने बताया है कि यहां कोई डुप्लिकेसी का मामला नहीं है। उस घर में अधिकांश लोग किराए पर रहने आते हैं और बीते 14 वर्षों से कोई स्थाई रूप से इसमें नहीं रहा है। पते के प्रमाण के लिए लोग रेंट एग्रीमेंट करवाकर वोटर आईडी बनवाते हैं लेकिन फिर मकान को छोड़ देते हैं। मुनीरत्न ने कहा कि लोग रजिस्टर्ड हैं और जो अब कहीं और बाहर रह रहे हैं। पहले जिन लोगों का नाम यहां से रजिस्टर्ड था उनकी सूची बनाकर चुनाव आयोग को दे दी गई, इसमें फर्जीवाड़ा क्या है?

भारत तेजी से...

बेंगलुरु से बेलगावी के बीच वंदे भारत की सेवा शुरू हुई है। इससे बेलगावी के व्यापार और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा नागपुर से पुणे और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से अमृतसर के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार बेंगलुरु आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं की सफलता सीमापार कई किलोमीटर भीतर आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की ताकत और आतंकवादियों के बचाव में उतरे पाकिस्तान को कुछ ही घंटों में घुटनों पर लाने की हमारी क्षमता पूरी दुनिया ने नए भारत के इस स्वरूप के दर्शन किए हैं। ऑपरेशन सिंदूर की इस सफलता के पीछे बहुत बड़ी वजह हमारी टेक्नोलॉजी और डिफेंस में मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बेंगलुरु और कर्नाटक के युवाओं का भी बहुत बड़ा योगदान है। बेंगलुरु को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर जिसने ग्लोबल आईटी मैप पर भारत का परचम लहराया है।

सबके बॉस तो ...

भारत में बनी वस्तुएं अन्य देशों में बनी वस्तुओं की तुलना में अधिक महंगी हों, ताकि दुनिया इन्हें खरीदना बंद कर दे। हालाँकि, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब दुनिया की कोई भी ताकत भारत को एक बड़ी शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।

रक्षा क्षेत्र की उपलब्धियों पर बात करते हुए, सिंह ने कहा कि भारत अब 24,000 करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा सामान का निर्यात कर रहा है, जो 'नए भारत' की ताकत को दर्शाता है। आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी लोगों को उनका धर्म पूछकर मारते थे। लेकिन हमने तय किया है कि हम किसी को उनके कर्म देखकर मारेंगे। उन्होंने रामायण का उदाहरण देते हुए कहा, जब हनुमान जी ने लंका में उत्पात मचाया, तो सीता जी ने उनसे पूछा कि ऐसा क्यों किया, तब हनुमान जी ने विनम्रता से कहा, 'जिन मोहि मारा, तिन मैं मारे'। राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश की विकास यात्रा की भी सराहना की और कहा कि यह जल्द ही एक 'आधुनिक प्रदेश' के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने नव स्थापित रेल कोच इकाई का नाम 'ब्रह्मा' रखे जाने की सराहना करते हुए कहा कि यह सृष्टिकर्ता के नाम पर एक अद्भुत सुझाव है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह इकाई अपने नाम से प्रेरणा लेकर उत्पादन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगी।

राहुल गांधी को...

इस कार्यालय द्वारा विस्तृत जांच की जा सके।

राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 वोटों की चोरी हुई, जो पाँच अलग-अलग तरीकों से की गई, जिनमें डुप्लिकेट मतदाता, फर्जी और अमान्य पते, एकल पते पर सामूहिक मतदाता पंजीकरण, अमान्य तस्वीरें, और फॉर्म 6 का दुरुपयोग शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार, पार्टी को कर्नाटक में 16 लोकसभा सीटें जीतनी थीं, लेकिन वह केवल 9 सीटें ही जीत सकी, और इसकी वजह महादेवपुरा में हुई कथित अनियमितताएँ थीं।

राहुल ने द पर एक पोस्ट में दोहराया कि वोट चोरी 'एक व्यक्ति, एक वोट' के मूल सिद्धांत पर हमला है और माँग की कि चुनाव आयोग डिजिटल मतदाता सूची को सार्वजनिक करे ताकि लोग और राजनीतिक दल उसका ऑडिट कर सकें।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों को झूठा और भ्रामक करार देते हुए उनसे या तो अपने दावों को औपचारिक रूप से साबित करने या देश से माफी माँगने की माँग की है। आयोग ने कहा कि उसकी जाँच में ऐसी कोई अनियमितता नहीं पाई गई। सीईओ ने यह भी बताया कि कर्नाटक में मतदाता सूची को प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार पारदर्शी तरीके से तैयार किया गया था, और इसकी प्रतियाँ कांग्रेस सहित सभी मान्यता प्राप्त दलों के साथ साझा की गई थीं।

कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की तैयारी कर रही है। 11 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में एक रणनीति बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे। इस बैठक में मतदाता सूची में हेरफेर और चुनावी धोखाधड़ी के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान की योजना बनाई जाएगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसे महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन से जोड़ते हुए इसे करो या मरो मिशन करार दिया है। पार्टी ने बिहार में विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन का भी विरोध करने का ऐलान किया है।

महादेवपुरा के पूर्व विधायक अरविंद लिम्बावली (बीजेपी) ने राहुल गांधी के दावों को भ्रामक करार दिया। उन्होंने कहा कि शकुन रानी पंजाब के पानीपत की रहने वाली हैं और पुरवा अपार्टमेंट्स में रहती हैं। उनके अनुसार, शकुन रानी ने फॉर्म 5 के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ा, लेकिन दो महीने तक कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने दोबारा आवेदन किया, जिसके कारण उनका नाम मतदाता सूची में दो बार दर्ज हो गया। हालाँकि, उनके बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की जाँच में पाया गया कि शकुन रानी ने केवल एक बार मतदान किया, बूथ नंबर 341 में सीरियल नंबर 1228 के तहत।बीजेपी सांसद और पूर्व कर्नाटक मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी राहुल गांधी से महादेवपुरा और देश की जनता से माफी माँगने की माँग की, यह कहते हुए कि उनके आरोपों ने चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकाय की विश्वसनीयता को ठेस पहुँचाई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' तीनों...

उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर सुधार, आपसी तालमेल और अनुकूलनशीलता के महत्व पर जोर दिया।जनरल चौहान ने संयुक्त रसद और एकीकरण को मजबूत करने के प्रयासों के तहत, सीडीएम द्वारा तैयार की गई एक व्यापक मार्गदर्शिका, 'एकीकृत रसद के लिए संयुक्त प्राइमर' भी जारी की। उन्होंने कहा कि सैन्य अभियानों के लिए रसद रीढ़ की हड्डी के समान है और सशस्त्र बलों में रसद प्रक्रियाओं का एकीकरण रणनीतिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बेहद जरूरी है।

जनरल चौहान ने इस अवसर पर स्मार्ट बाइक पब्लिक साइकिल शेयरिंग सुविधा का भी उद्घाटन किया। यह सीडीएम के कर्मचारियों के लिए दैनिक आवागमन हेतु पर्यावरण-अनुकूल ई-साइकिलों तक सुविधाजनक पहुँच सुनिश्चित करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक अभिनव कदम है। यह परियोजना सीडीएम की पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कार्यक्रम में सीडीएम के कमांडेंट मेजर जनरल हर्ष छिब्बर ने सशस्त्र बलों के भविष्य के नेतृत्व को आकार देने के लिए व्यावसायिक सैन्य शिक्षा को बढ़ावा देने की वर्तमान पहलों पर जानकारी दी। 44 सप्ताह तक चलने वाले इस एचडीएमसी में 167 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें 12 मित्र देशों के अधिकारी भी हैं, जो क्षेत्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

ईडी ने मनी ...

5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से हासिल किए गए। ये दोनों कंपनियाँ वाड्रा के कारोबारी नेटवर्क से जुड़ी हैं। एजेंसी का आरोप है कि यह राशि अपराध से उत्पन्न आय थी, जिसका उपयोग वाड्रा ने अचल संपत्तियाँ खरीदने, निवेश करने, और अपनी समूह कंपनियों के कर्ज चुकाने में किया।

ईडी ने अपनी जाँच के दौरान 43 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया, जिनका मूल्य 38.69 करोड़ रुपये है। इनमें बिकानेर (राजस्थान) में जमीन, गुरुग्राम में गुड अर्थ सिटी सेंटर और सेंट्रम प्लाजा में इकाइयाँ, मोहाली में बेस्टेक बिजनेस टावर, अहमदाबाद में जय अंबे टाउनशिप में आवासीय इकाइयाँ, और नोएडा में इंडिया एक्सपो मार्ट में व्यावसायिक स्थान शामिल हैं। ये संपत्तियाँ वाड्रा, उनकी कंपनी स्काई लाइट रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड, आर्टेक्स, और रियल अर्थ इस्टेट्स एलएलपी के नाम पर हैं।

1 सितंबर 2018 को हरियाणा पुलिस ने गुरुग्राम के खेड़की दौला थाने में रॉबर्ट वाड्रा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, डीएलएफ, और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, और भ्रष्टाचार के आरोपों में एक ऋखठ दर्ज की थी। ईडी ने इस एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जाँच शुरू की थी।

ईडी का दावा है कि यह सौदा एक रिश्वत लेन-देन था, जिसमें ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज ने वाड्रा की कंपनी को बिना किसी वास्तविक भुगतान के जमीन हस्तांतरित की। बदले में, वाड्रा ने तत्कालीन हरियाणा मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के प्रभाव का उपयोग कर शिकोहपुर गांव में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए लाइसेंस प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, बिक्री विलेख में जमीन की कीमत को 7.5 करोड़ रुपये दिखाया गया, जबकि इसका वास्तविक बाजार मूल्य 15 करोड़ रुपये था, जिससे 45 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी चोरी की गई।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम , 2002 की विभिन्न धाराओं, जैसे धारा 3, 23, 24, 44, और 45, के तहत चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें अधिकतम सात साल की सजा और संपत्तियों की जब्ती की मांग की गई है। दिल्ली के एक विशेष पीएमएलए कोर्ट ने वाड्रा को नोटिस जारी किया है, और इस मामले की सुनवाई 28 अगस्त 2025 को होगी।

वाड्रा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध और विच हंट करार दिया है। उनके कार्यालय ने कहा कि यह कार्रवाई वर्तमान सरकार द्वारा उनके और उनके परिवार, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हैं, के खिलाफ की गई है।

निसार के बाद...

उन्होंने कहा कि यह दुनिया का सबसे महंगा उपग्रह है, जिसमें अमेरिका से एल-बैंड एसएआर पेलोड और इसरो से एस-बैंड पेलोड था। उन्होंने कहा, आज हम उन्नत देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं।उन्होंने इसरो की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 50 साल पहले इसरो के पास सैटेलाइट तकनीक नहीं थी, लेकिन आज इसरो ने अपने रॉकेटों से 34 देशों के 433 उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। उन्होंने इस उपलब्धि को भारत के लिए एक सुखद अनुभव बताया।

तो घुसपैठियों को...

रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों ने देश सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर दिया है। ये लोग छोटे-मोटे अपराधों से लेकर बड़ी आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए हैं, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा पर भारी दबाव बना है। अवैध घुसपैठ के जरिए भारत में प्रवेश करने वाले ये तत्व न सिर्फ अपराध बढ़ा रहे हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी चुनौती बनते जा रहे हैं। लेकिन कांग्रेस को इनका वोट चाहिए, इसलिए वह इन्हें रहने से लेकर मतदाता सूची में शामिल कराने तक की हरकतें कर रही है। बिहार की मतदाता सूची इसका ताजा उदाहरण है।

घुसपैठियों की लगातार बढ़ती आबादी असम में लगातार बना रहने वाला राजनीतिक-सामाजिक मुद्दा हो गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस समुदाय और अवैध प्रवासियों पर सवाल उठाते हुए उनकी बढ़ती संख्या को राज्य की सुरक्षा, सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय स्थिति के लिए खतरनाक बताया है। मियां मुस्लिमों के नाम से पुकारे जाने वाले बांग्लादेशी मुसलमानों ने स्थानीय असमिया लोगों के रोजगार पर भी कब्जा कर लिया है।

असम में अवैध बांग्लादेशियों की संख्या लाखों में है। राज्य की डेमोग्राफी में काफी बदलाव आया है, खासतौर पर निचले असम में भारी असंतुलन की स्थिति बन गई है। पश्चिम बंगाल में भी बांग्लादेशी मुसलमानों की संख्या काफी बड़ी है। इनकी उपस्थिति ने राज्य की जनसांख्यिकी को बहुत प्रभावित किया है, खासकर सीमावर्ती जिलों में। बिहार में भी अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की एक बड़ी संख्या है। वोट के लिए घुसपैठियों को वोटर आई डी से लेकर आधार कार्ड तक मुहैया करा दिया गया है। उत्तर प्रदेश में भी अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या की समस्या बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में और खासकर जम्मू रोहिंग्या मुसलमानों की बड़ी संख्या बसी हुई है। जम्मू की डेमोग्राफी पर इनकी उपस्थिति का सीधा असर देखा जा सकता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अन्य हिमालयी राज्यों में भी अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान की मौजूदगी काफी बढ़ गई है। खासतौर पर शहरी क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों पर इनकी उपस्थिति काफी बढ़ गई है।

अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए भारत में आतंकी गतिविधियों के साथ-साथ सारे जरायम धंधे में लिप्त हैं। बांग्लादेश से भारत में होने वाली अवैध घुसपैठ में मानव तस्करी एक प्रमुख मुद्दा रहा है। महिलाओं और बच्चों को अवैध रूप से भारत में लाकर विभिन्न गतिविधियों में लिप्त किया जाता है। अवैध बांग्लादेशी प्रवासी खासकर नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल पाए गए हैं। असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्वी राज्यों में अवैध प्रवासी मादक पदार्थों के व्यापार में सक्रिय हैं। गंभीर तथ्य यह है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम जेहाद के नाम पर भारत में विभिन्न आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। अधिकांश घुसपैठिए आतंकी संगठनों से जुड़े पाए गए हैं और भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने में संलग्न रहते हैं।

चंद्रमा और गुरु के नवम पंचम योग से मेष, कन्या वृश्चिक सहित अन्य राशियों को मिलेगा लाभ

आज 11 अगस्त, सोमवार के दिन ग्रहण योग के साथ चंद्रमा और गुरु का नवम पंचम योग भी बन रहा है। चंद्रमा राहु के साथ कुंभ राशि में होंगे। यहां गुरु की दृष्टि चंद्रमा पर होने से चंद्रमा को बल मिलेगा, जिससे ग्रहण योग में कुछ राशियों को परेशानी होगी। वहीं, चंद्रमा और गुरु के नवम पंचम योग से कई राशियों को लाभ मिलेगा। भोलेनाथ मेष, कन्या, वृश्चिक और कुंभ राशि को कारोबार में भरपूर लाभ दिलाएंगे। काम में आने वाली बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगेंगी और नौकरी ढूंढ रहे लोगों को किसी व्यक्ति की मदद से लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यापार में लाभ कमाने के लिए कुछ सुनहरे अवसर भी प्राप्त हो सकता है। वहीं, ग्रहण योग में आपको कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और जल्दबाजी में फैसले लेने से नुकसान हो सकता है।

मेष : सारी बाधाएं होंगी दूर

कार्यक्षेत्र में आप किसी बात को लेकर चिंतित रह सकते हैं। लेकिन वह व्यर्थ हो सकती है। अगर आपका पैसा या कोई काम बीच में अटका था तो अब सारी अड़चनें दूर हो सकती हैं। लेकिन आपको किसी पर भी भरोसा करने या वादा करने से बचना होगा। अन्यथा आपका कोई फायदा उठा सकता है। ऐसे में सावधानी से कोई भी काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृषभ : नई जिम्मेदारियों का करेंगे सामना

व्यापार के मामले में आपके ऊपर कुछ ज्यादा जिम्मेदारियां आ सकती हैं। वहीं, नौकरी करने वालों पर भी किसी नए काम की जिम्मेदारी आ सकती है। ऐसे में आप पूरा दिन व्यस्त रहेंगे। घर-परिवार से जुड़े भी कुछ काम आपके लिए बढ़ सकते हैं। लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके काम आ सकती है।

मिथुन : सोच-समझकर लें फैसले

कार्यक्षेत्र में आपको कोई उत्तरदायित्व वाला कार्य करना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-समझकर कोई भी फैसला लें और जल्दबाजी से बचें। किसी यात्रा के दौरान या कहीं जाते समय आपकी मुलाकात किसी प्रियजन से हो सकती है, जो आपकी मदद भी कर सकता है। कुछ कठिनाइयों के बाद आप आसानी से हर परिस्थिति संभाल लेंगे।

कर्क : जल्दबाजी में न करें कोई काम

आपको कार्यक्षेत्र में कोई भी काम जरूरत से ज्यादा उत्साह में आकर करने से बचना होगा। ऐसा करने से कोई बड़ी गलती होने की संभावना है। जल्दबाजी में या बिना सोचे-समझे फैसले लेने से आपके काम बिगड़ सकते हैं। आपको कुछ फैसले दूसरों के बारे में भी सोचकर लेने होंगे। परिवार के मामले में दिन सामान्य रहेगा।

सिंह : हर काम पर रखें अपनी नजर

कार्यस्थल पर आपको अपने आसपास हर काम पर कड़ी नजर रखनी होगी। लापरवाही करने से कोई महत्वपूर्ण काम गलत हो सकता है। ऐसे में चारों तरफ निगरानी रखना जरूरी होगा। बिजनेस में कोई विरोधी आपके खिलाफ रणनीति बना सकता है। ऐसे में आपको सावधानी से कोई भी कार्य करना होगा और नौकरी करने वालों को भी सतर्क रहने की जरूरत है।

कन्या : कार्यक्षेत्र में बदलाव से होगा लाभ

कार्यक्षेत्र में आपको कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। ऐसा करने से लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे और सहकर्मियों का सहयोग भी मिल सकता है। परिवर्तन के अनुसार ही आपको अपने काम भी करने होंगे। निजी जीवन में आपको प्रेम के मामले में सोच-समझकर कदम आगे बढ़ाना होगा, अन्यथा निराशा हाथ लग सकती है। नौकरी करने वालों का दिन सामान्य रहेगा।

तुला : अनुभवी व्यक्ति की सलाह आएगी काम

अगर आप कामकाज को लेकर किसी उलझन में फंसे हुए हैं, तो उसके बारे में सोच-समझकर सही निर्णय लेना जरूरी होगा। इसे लेकर आप किसी अनुभवी व्यक्ति या मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। लेकिन जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचें। इससे नुकसान हो सकता है। परिवार के मामले में भी शांत रहने की जरूरत है और किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रहें।

वृश्चिक : किसी की मदद से नौकरी में मिलेगा सहयोग

जो लोग किसी नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं या अपना नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, उन्हें किसी का सहयोग मिलने से लाभ मिल सकता है। अगर आप आसपास के किसी व्यक्ति की मदद लेते हैं, तो इससे मुश्किल आसान हो सकती है। व्यापार के मामले में आपको अपने जरूरी कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, तभी लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु : समय पर पूरे करने होंगे काम

कार्यक्षेत्र में आपको अपने जरूरी कार्यों को पूरा करने के लिए मेहनत करनी होगा। धीमी गति से काम करने से आपके महत्वपूर्ण कार्य देरी से हो सकते हैं, जिससे नुकसान की संभावना है। कार्यस्थल पर पीछे रहने से आपका सुनहरा अवसर कोई प्राप्त कर सकता है। ऐसे में आपको समय का सही उपयोग करना होगा। सेहत पर भी खास ध्यान देने की जरूरत रहेगी।

मकर : योजनाओं को बढ़ाना होगा आगे

अगर कार्यक्षेत्र में कामकाज को लेकर आपने कोई योजना बनाई थी, तो उसे अब पूरा करना पड़ सकता है। व्यापार के मामले में आपको महत्वपूर्ण कार्यों को लंबा खींचने से बचना होगा, अन्यथा मुसीबत और खर्च दोनों बढ़ सकते हैं। नौकरी करने वालों को भी अपने सारे काम समय पर पूरे करने होंगे और परिवार में सभी सदस्यों को थोड़ा वक्त देना होगा।

कुंभ : नया पद मिलने से सफलता के खुलेंगे द्वार

लंबे समय बाद अब आपके कामकाज करने के तरीके में बदलाव आ सकता है, जिससे कार्यक्षेत्र में कई परिवर्तन देखने को मिलेंगे। अगर आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिल रही है, तो उसे स्वीकार करना लाभकारी साबित हो सकता है। इसके द्वारा आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं। नौकरी करने वालों के लिए भी दिन शुभ रहने वाला है।

मीन : यात्रा पर जाने के योग

कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा या कार्यक्रम में जाना पड़ सकता है। ऐसे में आपका साधारण तरीके से जाना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोगों का ध्यान आकर्षित हो सकता है। आप कामकाज को लेकर कोई नई योजना भी बना सकते हैं। नौकरी करने वालों को ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

हिंदू धर्म में किस व्रत को करने से क्या होता है? जानिए सभी के लाभ

हिंदू धर्म में कई प्रकार के व्रतों के बारे में बताया गया है, जिनका पालन करने से व्यक्ति को अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं। व्रत रखने से न सिर्फ देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि तन और मन की शुद्धि के लिए भी व्रत बहुत लाभकारी माने गए हैं। इसके अलावा, वैज्ञानिक नजरिए से भी व्रत रखना बहुत महत्वपूर्ण होता है, जिससे कई स्वास्थ्य लाभ देखने को मिलते हैं।

अलग-अलग व्रत के लाभ

अलग-अलग व्रतों को करने से अलग-अलग लाभ मिलते हैं। कुछ व्रत स्वास्थ्य के लिए, कुछ धन के लिए, कुछ मानसिक शांति के लिए और कुछ विशेष देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त करने के लिए किए जाते हैं।

सोमवार का व्रत:- यह व्रत भगवान शिव और चंद्रमा को समर्पित है। सोमवार व्रत करने से मन की चंचलता कम होती है और स्वभाव में शीतलता आती है।

मंगलवार का व्रत:- यह व्रत हनुमानजी को समर्पित है। मंगलवार व्रत करने से साहस, बल और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

बुधवार का व्रत:- यह व्रत गणेशजी को समर्पित है। बुधवार व्रत करने से ज्ञान, बुद्धि और विद्या में वृद्धि होती है।

गुरुवार का व्रत:- यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। गुरुवार व्रत करने से धन, समृद्धि और सुख-शांति मिलती है।

शुक्रवार का व्रत:- यह व्रत माता लक्ष्मी को समर्पित है। शुक्रवार व्रत करने से धन, वैभव और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

शनिवार का व्रत:- यह व्रत शनिदेव को समर्पित है। शनिवार व्रत करने से शनि के अशुभ प्रभावों से मुक्ति मिलती है।

एकादशी का व्रत:- यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। एकादशी व्रत करने से मन शांत होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

प्रदोष व्रत:- प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। प्रदोष व्रत करने से शिवजी की कृपा प्राप्त होती है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

पूर्णिमा का व्रत:- यह व्रत चंद्रमा को समर्पित है। पूर्णिमा व्रत करने से मानसिक शांति मिलती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

अमावस्या का व्रत:- यह व्रत पितरों को समर्पित है। अमावस्या व्रत करने से पितृ दोष दूर होता है और सुख-शांति मिलती है।

नवरात्रि का व्रत:- यह व्रत देवी दुर्गा को समर्पित है। नवरात्रि व्रत करने से शरीर स्वस्थ रहता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

करवा चौथ व्रत:- यह व्रत माता पार्वती को समर्पित है। करवा चौथ व्रत विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती हैं।

सोमवार को कौन सी चीजें नहीं खरीदनी चाहिए? जान लें वरना बढ़ जाएगी मुसीबत!

सोमवार का दिन देवों के देव महादेव को समर्पित है। ज्योतिष शास्त्र में सोमवार के लिए कुछ विशेष नियम बताए गए हैं और साथ ही इस दिन कुछ चीजों को खरीदने की मनाही भी है।

अनाज: धार्मिक मान्यता के अनुसार, सोमवार के दिन अनाज नहीं खरीदना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि सोमवार को अनाज खरीदने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आ सकती है।

कला से संबंधित चीजें: ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, सोमवार को रंग, ब्रश, वाद्य यंत्र जैसी कला से संबंधित चीजें नहीं खरीदनी चाहिए। साथ ही, पढ़ाई से संबंधित सामग्री जैसे कॉपी-किताबें, पेन, पेंसिल आदि भी सोमवार को नहीं खरीदनी चाहिए।

खेल से जुड़ी चीजें: सोमवार के दिन खेल से संबंधित चीजें खरीदने से बचना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि सोमवार को खेल से जुड़ी चीजें खरीदने से नकारात्मक शक्ति बढ़ सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान: ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, सोमवार के दिन इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदना भी अशुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सोमवार के दिन इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने से भगवान शिव नाराज होते हैं।

झाड़ू: सप्ताह के पहले दिन यानी सोमवार को झाड़ू खरीदने से बचना चाहिए। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, सोमवार के दिन झाड़ू खरीदने से घर में आर्थिक नुकसान और तंगी आ सकती है।

लोहा: सोमवार के दिन लोहा खरीदना शुभ नहीं माना जाता है। सोमवार, चंद्रमा का दिन होता है और लोहा शनि ग्रह से संबंधित है। चंद्रमा और शनि के बीच दुश्मनी का संबंध माना जाता है। इसलिए, सोमवार को लोहा खरीदने से बचना चाहिए।

कजरी तीज के दिन महिलाएं न करें ये गलतियां वरना नहीं मिलेगा व्रत का फल!

हिंदू पंचांग के अनुसार, साल में तीन बार तीज मनाई जाती है जो हरियाली तीज, कजरी तीज और हरतालिका तीज है। भाद्रपद माह में आने वाली तीज को कजरी तीज कहते हैं। हिंदू धर्म में कजरी तीज व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि कजरी तीज व्रत को करने से विवाहित महिलाओं के पति की लंबी उम्र होती है और घर सुख-समृद्धि का वास होता है। वहीं, कुवारी कन्याएं योग्य वर पाने के लिए करती हैं। इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव की आराधना की जाती है। अगर आप भी यह व्रत करने जा रही हैं, तो आपको कुछ गलतियों को करने से बचना चाहिए।

भादो वाली कजरी तीज कब है?

हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को कजरी तीज का पर्व मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 12 अगस्त को मनाया जाएगा। इसी दिन व्रत रखकर भोलेनाथ और पार्वती माता की आराधना की जाएगी।

कजरी तीज में क्या नहीं करना चाहिए?

कजरी तीज के दिन महिलाओं को झूला जरूर झूलना चाहिए। कहते हैं कि झूला झूले बिना व्रत पूरा नहीं होता है।

कजरी तीज के दिन सफेद रंग या काले रंग की कोई भी चीज नहीं पहननी चाहिए। इसके अलावा, व्रती को दिन में सोना नहीं चाहिए।

व्रत के दिन गुस्सा न करें और नकारात्मक चीजों से दूर रहना चाहिए। साथ ही, तीज व्रत के दौरान नाखून और बाल काटना अशुभ होता है।

कजरी तीज के दिन व्रती को बाल नहीं धोने चाहिए। कहते हैं कि इससे घर में परेशानियां बढ़ने लगती है और कलह-क्लेश बढ़ते हैं।

कजरी तीज का व्रत निर्जला रखा जाता है यानी उपवास के दौरान अन्न और जल दोनों के सेवन नहीं करना चाहिए।

महिलाओं को इस दिन व्रत की कथा सुननी या पढ़नी जरूर चाहिए। मान्यता है कि व्रत कथा का पाठ किए बिना फल नहीं प्राप्त होता है।

कजरी तीज व्रत का पारण करने से पहले दान देना न भूलें और पारण करने के बाद 3 या 5 कन्याओं को भोजन जरूर कराना चाहिए।

जो महिलाएं कजरी तीज का व्रत रख रही हैं, वो उपवास के दौरान झाड़ू न लगाएं और न ही झाड़ू को छुएं। कहते हैं कि तीज व्रत में झाड़ू लगाने से आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

भादो में 19 को अजा एकादशी व्रत रखा जाएगा

भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए एकादशी तिथि को शुभ माना जाता है। पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अजा एकादशी कहा जाता है। यह भगवान विष्णु को समर्पित एक महत्वपूर्ण व्रत है। अजा एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने और पिछले जन्मों के पापों से मुक्ति पाने के लिए किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से व्यक्ति समस्त पापों से मुक्त हो जाता है और उसके जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 18 अगस्त को शाम 5:22 मिनट से शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन 19 अगस्त को दोपहर 3:32 मिनट पर होगा। ऐसे में अजा एकादशी व्रत 19 अगस्त को किया जाएगा।

एकादशी व्रत का पारण हमेशा द्वादशी तिथि में किया जाता है। ऐसे में अजा एकादशी व्रत पारण 20 अगस्त को सुबह 5:53 मिनट से लेकर सुबह 08:29 मिनट तक किया जाएगा। इस शुभ मुहूर्त के दौरान किसी भी समय व्रत का पारण कर सकते हैं।

अजा एकादशी करने से क्या होता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अजा एकादशी के शुभ अवसर पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन लक्ष्मी नारायण जी की आराधना करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और मृत्यु के पश्चात बैकुंठ की प्राप्ति होती है। अजा एकादशी पूजा के दौरान व्रत कथा का पाठ न करने व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति नहीं होती है।

अजा एकादशी पर क्या दान करें?

एकादशी के दिन दान करना विशेष लाभकारी होता है, इसलिए अजा एकादशी के दिन पूजा करने के बाद लक्ष्मी नारायण मंदिर या गरीब लोगों में अन्न, धन और कपड़े चीजों का दान करना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि चीजों का दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

सपने में मोर का दिखना किस बात का संकेत देता है?

सपने में मोर देखना शुभ या अशुभ: हिंदू धर्म में मोर को भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय माना जाता है। वहीं, मोर भगवान कार्तिकेय का वाहन भी है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में मोर को देखना बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि यह हिंदू धर्म में शुभता का प्रतीक होता है। हालांकि, कुछ स्थिति में मोर देखना अशुभ होता है जैसे जमनी पर बैठा हुआ, मरा हुआ या लड़ता हुआ मोर।

सपने में मोर को नाचते हुए देखना: सपने में नाचता हुआ मोर देखना स्वप्न शास्त्र में शुभ संकेत माना गया है, जो धन प्राप्ति, समृद्धि और खुशी का प्रतीक होता है। सपने में नाचते हुए मोर को देखने का मतलब है कि जल्द ही आपको आर्थिक लाभ हो सकता है या फिर समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

सपने में मोर को पकड़ते हुए देखना: सपने में मोर को पकड़ना किसी बड़ी सफलता के हाथ लगने का संकेत होता है। अगर आपने सपने में मोर को पकड़ते हुए देखा हो तो समझिए कि आपको अपने प्रयासों से सफलता प्राप्त होगी।

सपने में सफेद मोर देखना: सपने में सफेद मोर देखना बेहद ही शुभ संकेत होता है। यह सपना खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक होता है।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यह सपना मां लक्ष्मी की कृपा का संकेत होता है। इसका मतलब है कि आपको अचानक पैसा मिलने वाला है।

सपने में नीला मोर देखना: स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, सपने में नीला मोर सपने में देखने का मतलब है कि आपके जीवन में शुभ समय आने वाला है और आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। साथ ही, यह सपना भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्ति का भी संकेत देता है।

सपने में मोर का झुंड देखना: सपने में मोर का झुंड देखना शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र में एक साथ कई मोर देखना भाग्य में प्रबल सुखद बदलाव का संकेत माना गया है। अगर आपने सपने में मोर का झुंड देखा है तो समझिए कि आपकी चांदी होने वाली है।

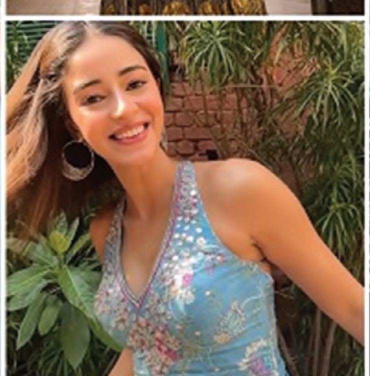
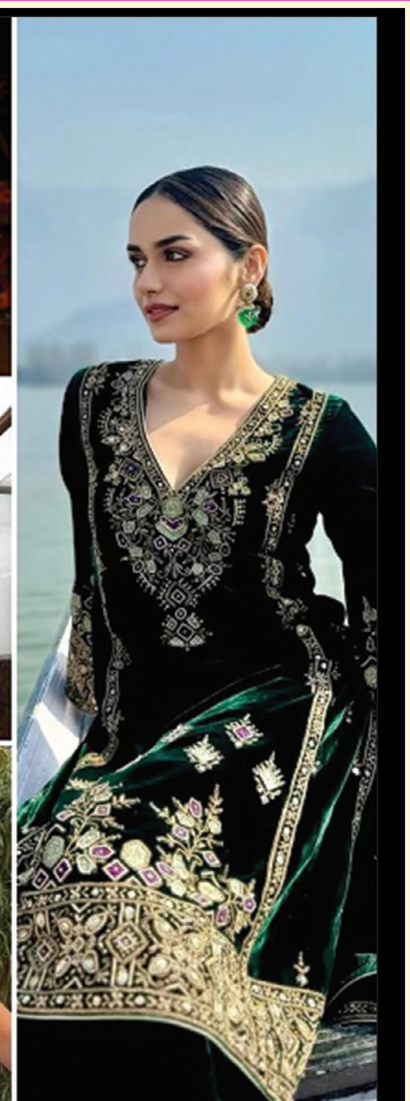

मानुषी छिल्लर, जान्हवी कपूर, अनन्या पांडे जैसे सेलिब्रिटीज़ का पारंपरिक लुक्स

रक्षाबंधन ऐसा खास अवसर है, जब पहनावे में पारंपरिकता और आधुनिकता का खूबसूरत संगम होना चाहिए। और ऐसे में प्रेरणा लेने के लिए बॉलीवुड की सबसे फैशनेबल अभिनेत्रियों से बेहतर और कौन हो सकता है?

पारंपरिक पोशाकों की खूबसूरती हो या क्लासिक सिल्हूट्स का मॉडर्न ट्विस्ट–इन सितारों ने त्योहार के लुक को एक अलग ही ऊंचाई पर पहुंचाया है। फिर चाहे आप घर पर परिवार के साथ सादगी से रक्षाबंधन मना रही हों, या किसी भव्य समारोह में जा रही हों–इन खासतौर पर चुने गए लुक्स से आप आराम और ग्लैमर के बीच एक बेहतरीन संतुलन बना सकती हैं।

जान्हवी कपूर का मिंट ग्रीन पारंपरिक खूबसूरती: जान्हवी का यह सौम्य मिंट ग्रीन आउटफिट, बारीक कढ़ाई और नाज़ुक सिल्वर वर्क के साथ, राखी के लिए एकदम उपयुक्त शालीनता और एलिगेंस को दर्शाता है। यह हल्का पेस्टल शेड और पारंपरिक भारतीय कारीगरी का मेल ऐसा लुक बनाता है जो त्योहारी और परिष्कृत दोनों लगता है। यह ड्रेस खासतौर पर उन बहनों के लिए है जो पारिवारिक रस्मों में हिस्सा लेते हुए ग्रेसफुल दिखना चाहती हैं, बिना ज़्यादा भड़कीलेपन के।

मानुषी छिल्लर का रॉयल ब्लैक–गोल्ड लुक: मानुषी की डार्क ग्रीन ड्रेस, शानदार गोल्ड एम्ब्रॉयडरी और पन्ना जैसे हरे रंग के हाइलाइट्स के साथ, शाही ठाठ का अनुभव देती है। बारीकी से किया गया थ्रेडवर्क और रिच फैब्रिक चयन इसे उन बहनों के लिए आदर्श बनाता है, जो सांस्कृतिक पारंपरिकता बनाए रखते हुए एक प्रभावशाली उपस्थिति चाहती हैं। यह लुक औपचारिक पारिवारिक समारोहों या त्योहारों में प्रिंसेस जैसा एहसास देने के लिए बिल्कुल सही है–ना बहुत ज्यादा, ना बहुत कम... बस परफेक्ट!

अनन्या पांडे का चियरफुल ब्लू फ्लोरल फैंटेसी लुक: अनन्या का यह नीला फ्लोरल शरारा सेट, अपने खिलखिलाते प्रिंट्स और मॉडर्न सिल्हूट के साथ रक्षाबंधन में ताजगी और यंग एनर्जी लेकर आता है। ब्राइट कलर और फूलों के मोटिफ भाई–बहन के रिश्ते की खुशी और चंचलता को दर्शाते हैं, वहीं इसका आरामदायक फिट त्योहार के दौरान चलने फिरने के लिए परफेक्ट है। यह लुक उन बहनों के लिए आदर्श है जो ट्रेडिशनल पहनावे को थोड़ा मॉडर्न अंदाज़ में अपनाना चाहती हैं।

शरवरी का गोल्डन आवर ग्लैमर: शारवरी का यह सुनहरा–भूरा आउटफिट मेटैलिक डीटेल्स और मॉडर्न कट्स के साथ एक शानदार फ्यूज़न लुक पेश करता है। इसके न्यूट्रल टोन और ग्लैमरस एलिमेंट्स इसे दिन और शाम–दोनों समय के समारोहों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। यह पहनावा उन बहनों के लिए है जो सादगी के साथ थोड़ी चमक–दमक भी पसंद करती हैं, और त्योहार की पारंपरिक आत्मा को बनाए रखना चाहती हैं।

ख़ुशी कपूर का बोल्ड कोरल स्टेटमेंट लुक: ख़ुशी का आकर्षक कोरल और गुलाबी लहंगा, जिसमें दिल के आकार की पेसली डिज़ाइनों के साथ, एक दमदार और जश्न–भरा लुक पेश करता है। इसका रिच कलर पैलेट और ट्रेडिशनल मोटिफ्स, कंटेम्पररी स्टाइलिंग के साथ मिलकर, उन बहनों के लिए आदर्श हैं जो भीड़ से अलग दिखना चाहती हैं। यह लुक दिन के उत्सवों और भाई–बहन की फोटो सेशंस के लिए एकदम परफेक्ट है।

इन बॉलीवुड फैशन आइकॉन्स के शानदार लुक्स ये साबित करते हैं कि रक्षाबंधन पर ड्रेसिंग पारंपरिक, ट्रेंडी और मज़ेदार–तीनों हो सकती है। हर लुक में त्योहार की भावना का अनूठा अंदाज़ है, ताकि हर बहन अपने स्टाइल के अनुसार ड्रेस चुन सके। फिर चाहे आप मानुषी की सादगी से प्रेरित हों या खुशी के बोल्ड अंदाज़ से, ये फैशन इंस्पिरेशन आपको भाई–बहन के इस प्यारे त्योहार पर खूबसूरत और आत्मविश्वासी महसूस करने में मदद करेंगे। याद रखें–सबसे अच्छा राखी आउटफिट वही है जो आपको सहज और आत्मविश्वास से भरपूर महसूस कराए, और इस पवित्र पर्व की परंपराओं का सम्मान करे।

तेहरान के इश्क़ बुखार में एलनाज़ नोरौज़ी ने लगा दी हॉटनेस की आग

एलनाज़ नोरौज़ी सिर्फ तेहरान में नज़र नहीं आ रहीं – वो सीधा कहर बनकर टूटी हैं। Maddock Films की इस थ्रिलर में उनका ताज़ा तड़कता–भड़कता गाना 'इश्क़ बुखार' है एक धुआँधार एलान – कि अब एलनाज़ न सिर्फ तैयार हैं, बल्कि सीधे बी–टाउन की लाइमलाइट में घुस चुकी हैं। पहले भी अपने काम से दिल जीत चुकी एलनाज़, अब इस गाने में दिखा रही हैं वो तेवर जो हर फ्रेम को बना देता है फुल–ऑन ब्लॉकबस्टर। पहली झलक से ही एलनाज़ लगती हैं एकदम जचऋ, कौन है ये? टाइप गॉर्जियस – बोल्ड भी, एलिगेंट भी, और ग्लैमरस तो पूछो मत! उनके एक्सप्रेशन्स हों या किलर मूव्स – हर बीट पर एलनाज़ का कब्ज़ा है।स्टाइलिंग एकदम ऑन पॉइंट, एनर्जी हाई–वोल्टेज, और स्क्रीन तो जैसे जल उठी हो!

एलनाज़ कहती हैं: मैं हमेशा चरववेलज्ञ की फिल्मों की फैन रही हूं, और अब खुद उसका हिस्सा बनना एकदम सपना सा लग रहा है। लेकिन ये गाना सिर्फ कोई और डांस नंबर नहीं है – ये उनके फिल्म प्रमोशन पावर की भी झलक है –और इंडस्ट्री को अब वो नज़र आ रही हैं। 'इश्क़ बुखार' – है हाई एनर्जी, बोल्ड और पूरी तरह से विज़ुअल ट्रीट! और जब एलनाज़ ने पहली बार ये ट्रैक सुना, तो तुरंत दिल दे बैठीं – ऐसा मेरे साथ जल्दी नहीं होता, वो मानती हैं।

लुक, कोरियोग्राफी, वाइब – सब कुछ है डिजाइन किया गया एक नई, दमदार एलनाज़ को दुनिया के सामने लाने के लिए। एक्टिंग और वर्सेटिलिटी तो उनकी पहचान रही है, पर अब जो कॉन्फिडेंस और स्टाइल में तड़का आ गया है – वो सीधा उन्हें खींच ला रहा है बॉलीवुड के बिग लीग में! शायद तेहरान सिर्फ शुरुआत है –एलनाज़ नोरौज़ी का सुपरस्टार बनने का टाइम अब शुरू

सिर्फ किसी को भाई–बहन कह देने से रिश्ता नहीं बनता उस बंधन का सम्मान भी ज़रूरी है : ईशा कोप्पिकर

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर के लिए, रक्षाबंधन किसी दिखावे या भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन का नहीं है – बल्कि साथ होने, जुड़ाव और भावनात्मक सच्चाई का पर्व है। बचपन में, कोप्पिकर परिवार में यह त्योहार हमेशा एक निजी उत्सव होता था, जिसे वे अपने माता–पिता और भाई अनोश सहित अपने परिवार के साथ घर पर सादगी से मनाया जाता था।

ईशा बताती हैं, हमेशा से यह छोटे–छोटे पलों के बारे में रहा है। यह अब एक परंपरा बन गई है, जबसे मैं बच्ची थी। मम्मी वही खास पकवान बनाती हैं जो सिर्फ वही बना सकती हैं, हम सब अपने फोन और गैजेट्स को एक तरफ रख देते हैं और बस साथ में समय बिताते हैं। वह समय, वह हँसी, वह रिश्ता – यही सब मेरे लिए राखी को इतना खास बनाता है। वह हँसते हुए यह भी कहती हैं कि वह हर साल अपने भाई से वही आम तोहफे मांगती हैं जो ज़्यादातर बहनें मांगती हैं, लेकिन वह तुरंत यह भी स्पष्ट कर देती हैं कि उनके लिए यह त्योहार कभी भौतिक उपहारों के बारे में नहीं रहा।वो तो बस मज़ेदार पल होते हैं, लेकिन जो सच में मायने रखता है वो ये है कि आपका भाई हर हाल में आपके साथ खड़ा हो। ईशा कहती हैं। उनके भाई ने हमेशा उन्हें ताकत दी है, एक ऐसा रिश्ता जिसे वह हल्के में नहीं लेतीं।

वह बताती हैं, चाहे बचपन की शरारतें हों या बड़े होने की चुनौतियाँ, वह हमेशा मेरे साथ खड़े रहे है। रक्षा बंधन तोहफों का नहीं, साथ होने का त्योहार है – और मेरे भाई ने हर अच्छे–बुरे वक़्त में मुझे अपनी मौजूदगी दी है।

क्या चुने हुए रिश्ते भी उतने ही अहम होते हैं?

परिवार से आगे बढ़ते हुए, ईशा उन रिश्तों की बात करती हैं जिन्हें उन्होंने खुद चुना है – दोस्तियाँ जो भाई–बहनों जैसे मजबूत रिश्तों में बदल गईं।मेरी कुछ बहुत प्यारी सहेलियाँ हैं जो बहनों जैसी हैं, और कुछ करीबी दोस्त जो भाइयों जैसे हैं। लेकिन मेरा मानना है कि किसी को भाई या बहन कह देने से वो रिश्ता नहीं बन जाता, जब तक आप उस रिश्ते की सच्ची जिम्मेदारी निभाने को तैयार नहीं हों। इन रिश्तों में जिम्मेदारी, भरोसा और वफादारी होती है। ये सिर्फ राखी बाँधने या गिफ्ट देने की बात नहीं है – यह हर साल, हर हाल में साथ देने की बात है, वह अंत में कहती हैं।

सलाकार में मौनी रॉय ने दर्शकों को चौंकाया, पेश की अपने करियर की सबसे प्रभावशाली परफॉर्मेंस

जब फारूक कबीर की सीरीज़ सलाकार की घोषणा हुई, तो दर्शकों को एक पारंपरिक जासूसी थ्रिलर की उम्मीद थी जिसमें नेविन कस्तूरिया जैसे भरोसेमंद अभिनेता मुख्य भूमिका में होंगे। लेकिन उन्होंने यह नहीं सोचा था कि मौनी रॉय इस सीरीज़ के गुप्त हथियार के रूप में उभरेंगी, एक ऐसी प्रभावशाली और गहराई से भरी परफॉर्मेंस के साथ, जो उन्हें सिर्फ एक जाना–पहचाना चेहरा नहीं, बल्कि एक दमदार कलाकार के रूप में स्थापित कर देती है। सीरीज में मौनी रॉय मरियम उर्फ शृष्टि के रूप में नजर आती हैं। जो पाकिस्तान की खतरनाक इलाके में काम कर रही एक अंडरकवर रॉ एजेंट हैं। उनका किरदार सिर्फ जासूसी के बाहरी ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उस मानसिक और भावनात्मक कीमत को भी सामने लाता है जो एक दोहरी ज़िंदगी जीने में एक एजेंट को चुकानी पड़ती है। मौनी इस जटिलता को बेहद सच्चाई और बारीकी से पर्दे पर उतारती हैं। उनके अभिनय की खूबसूरती उनके संतुलित और संयमित प्रदर्शन में है।

शृष्टि चतुर्वेदी उर्फ मरियम के रूप में मौनी रॉय की आँखों में झलकती 'ज्वलनशील चिंता' उनके चेहरे का स्थायी भाव बन जाती है। यह कोई पारंपरिक बॉलीवुड जासूस नहीं है, जो केवल धमाकेदार एक्शन या ड्रामाई खुलासों पर निर्भर करता है। मरियम एक ऐसा किरदार है जो अपनी बुद्धिमत्ता और भावनात्मक गहराई के कारण खतरनाक लगती है – एक साथ नाज़ुक भी और जानलेवा भी। निजी इच्छाओं और देशभक्ति के बीच फंसी मरियम जिस तरह अपनी पाकिस्तानी पहचान को निभाते हुए अपने भारतीय मूल स्वभाव को संजोए रखती है, वह एक दिलचस्प द्वंद्व रचता है, जो कहानी को भावनात्मक बल देता है। इस परफॉर्मेंस को खास बनाती है मौनी की वह क्षमता, जिससे वह मरियम को जासूसी की सीमाओं के बावजूद एक यादगार और गहराई भरा किरदार बना देती हैं।

बेटे ने खरीदी वहीं बिल्डिंग, जहां पिता धोते थे प्लेटें

संघर्ष से स्टारडम तक सुनील शेट्टी की कहानी

बॉलीवुड में कुछ सितारे ऐसे होते हैं जिनकी चमक सिर्फ पर्दे तक सीमित नहीं होती, बल्कि उनके पीछे का संघर्ष भी उन्हें औरों से अलग बनाता है। ऐसे ही एक अभिनेता हैं सुनील शेट्टी, जो न सिर्फ एक सफल अभिनेता हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान, बिजनेस टायकून और सोशल वर्कर भी हैं। वह दमदार फिजीक, गहरी आवाज और एक्शन से भरपूर किरदारों के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने 90 के दशक में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई। लेकिन उनकी जिंदगी की सबसे खास बात सिर्फ एक सुपरस्टार बनना नहीं, बल्कि अपने पिता के संघर्ष को मान देना है।

सुनील शेट्टी का जन्म 11 अगस्त 1961 को कर्नाटक के मैंगलोर जिले के मुल्की शहर में हुआ था। वे एक मध्यमवर्गीय तुलु भाषी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता वीरप्पा शेट्टी काम की तलाश में मुंबई आए थे और यहां आकर उन्होंने जुहू इलाके में एक छोटे से होटल में वेटर का काम शुरू किया। वे दिन–रात मेहनत करते थे, टेबल साफ करना, प्लेटें धोना, ग्राहकों को खाना परोसना... अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देने और परिवार को चलाने के लिए वे ये सब काम करते थे। उस वक्त सुनील बेशक बच्चे थे, लेकिन अपने पिता की मेहनत और संघर्ष को नजदीक से देख रहे थे और उनके लिए जिंदगी में कुछ बड़ा करना चाहते थे।

लेकिन जब सुनील शेट्टी ने अपने अभिनय के दम पर बॉलीवुड में बड़ा नाम कमाया, तो उन्होंने उसी होटल को खरीद लिया जिसमें उनके पिता काम करते थे। 2013 में अपने नए डेकोरेशन शोरूम को लॉन्च करते समय एक्टर ने बताया था कि यह वही जगह है जहां मेरे पिता, वीरप्पा शेट्टी, वेटर के तौर पर काम किया करते थे और प्लेट साफ किया करते थे।

सुनील शेट्टी का बचपन सामान्य सा था। जुहू में रहने की वजह से वे अक्सर फिल्मों की शूटिंग देखा करते थे और यहीं से उनका झुकाव एक्टिंग की ओर बढ़ा। एक दिन वे फिल्म की शूटिंग देखने गए जहां अमिताभ बच्चन और जीनत अमान फिल्म 'डॉन' की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने बिग बी से मिलना चाहा, लेकिन गार्ड्स ने रोक दिया, लेकिन जब अमिताभ की नजर उन पर पड़ी तो उन्होंने गार्ड्स को उन्हें अंदर लाने के लिए कहा। उस वक्त बच्चन साहब ने सुनील को अपना नंबर भी दिया, लेकिन सुनील ने कभी कॉल नहीं किया, ये सोचकर कि शायद यह गलत होगा। इस किस्से को उन्होंने खुद 'कौन बनेगा करोड़पति' में साझा किया था।

किसी फिल्मी बैकग्राउंड के बिना उन्होंने एक्टिंग में कदम रखा और 1992 में 'बलवान' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें उनकी हीरोइन दिव्या भारती थीं। फिल्म सफल रही और दर्शकों ने उन्हें एक्शन हीरो के रूप में खूब सराहा। इसके बाद उन्होंने 'वक्त हमारा है', 'मोहरा', 'गोपी किशन', 'अंत', 'दिलवाले', 'सुरक्षा', 'बॉर्डर', 'रक्षक', 'भाई', 'पृथ्वी', 'कृष्णा', 'हेरा फेरी' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। उनकी डबल रोल वाली फिल्म 'गोपी किशन' आज भी दर्शकों को काफी पसंद है, तो वहीं 'मोहरा' ने उन्हें एक मेनस्ट्रीम स्टार बना दिया। 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' में उनके ग्रे शेड वाले किरदार देव ने जमकर तालियां बटोरीं और इस रोल के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट विलेन अवॉर्ड से नवाजा गया। सुनील शेट्टी ने करियर के दौरान खुद को केवल हीरो की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने विलेन, कॉमिक और कैरेक्टर रोल्स में भी खुद को साबित किया। 'मैं हूं ना' में राघवन जैसे आतंकवादी की भूमिका निभाकर उन्होंने दिखा दिया कि वे किसी भी किरदार को जीवंत बना सकते हैं। साथ ही, 'हेरा फेरी' और 'फिर हेरा फेरी' जैसी फिल्मों में उनका हास्य अभिनय भी दर्शकों को खूब पसंद आया।

हिंदी के अलावा, उन्होंने मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मराठी फिल्में भी की हैं। सुनील शेट्टी केवल एक अभिनेता नहीं हैं, वे एक सफल निर्माता भी हैं। उन्होंने 'रक्त', 'खेल', 'भागम भाग', और 'लूट' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया। इसके अलावा, वे वेब सीरीज की दुनिया में भी सक्रिय हैं। 2022 में 'धारावी बैंक' में थलाइवन की भूमिका और 2023 में 'हंटर – टूटेगा नहीं तोड़ेगा' में एसीपी विक्रम चौहान के किरदार में उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई।

सुनील को उनके शानदार अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। वे फिल्मफेयर अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड, स्टारडस्ट अवॉर्ड और साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवार्ड्स से सम्मानित हो चुके हैं। सुनील शेट्टी ने 25 दिसंबर, 1991 को माना शेट्टी से शादी की थी, जो एक गुजराती मुस्लिम फैमिली से ताल्लुक रखती हैं। माना का असली नाम मोनिशा कादरी है। शादी के बाद कपल के दो बच्चे हुए, बेटी अथिया शेट्टी और बेटा अहान शेट्टी। अथिया ने बॉलीवुड में डेब्यू कर लिया है और अहान भी फिल्मी सफर पर निकल चुके हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन कारोबार के हिसाब से बहतर हैं लाभ होगा रुकावटें दूर होंगी । आप को अपने तरीकें से ही काम करना चाहिए किसी के दिखावे मे नही आना चाहिए । छात्रों के लिए महनत का समय हैं परिणाम सकारात्मक रहेंगे अनजाने व्यक्ति से निवेश मे सलाहमशवरा करना आपके लिए आर्थिक रूप से समस्या खड़ी कर सकता है । सेवक से बहसबाजी न करें आपकी छवि धूमिल हो सकती है। सूर्य को कनेर के पुष्प से अर्घ्य दें , आय बढेगी शरीर स्वस्थ रहेगा आनंद की अनुभूति होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कार्यालय मे संयम से व्यवहार करना होगा । सरकारी कागजात को सावधानी से पढकर ही काम करना चाहिए । आज नये स्टाफ को जोखिम देने से हानि होगी । मित्रों का व्यवहार आपको पसंद नहीं आएगा आप टेंशन मे आ जाएंगे । पुराने कर्मचारियों से आप खुश होंगे। किसी भी कार्य को अन्तिम रुप देने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए । अपने खराब प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे पर आरोप मत डाले घर–परिवार को भी प्रसन्न रखें माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज कन्स्ट्रक्शन के कारोबार मे निवेश करें लाभदायक रहेगा । कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक लाभ भी ठीक–ठाक रहेगा । दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा समय बहुत मौज मस्ती मे जायेगा । एक ही लक्ष्य लेकर कार्य करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे । कुछ घरेलू मामलों को सुलझ–ाया जा सकता है । किसी भी तरह के नकारात्मक विचार आने से पहले ही कार्य को अन्तिम रुप देदें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज समय का साथ मिलेगा आप सौभाग्यशाली रहेंगे । भविष्य के संबंध में कोई निर्णय लेना उचित होगा । आप का अथक परिश्रम आप को सफलता की सिढी पर ले जाएगा इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए हर्षोल्लास का समय हैं छात्र पुरस्कृत होंगे । अपने से छोटो को पहले मौका देना आप की पद और प्रतिष्ठा मे बढोत्तरी करेगा । आप को अर्थ का लाभ होगा। मंदिर मे देवमूर्ति को साष्टांग दण्डवत प्रणाम करना चाहिए और लालपुष्प की माला मूर्ति पर अर्पण करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन की शुरुआत धरती को छूकर प्रणाम करके करें । अपने काम की अहमियत को समझना होगा और मजबूती से कदम आगे बढाना होगा । आज सबसे पहले रुके हुए काम पूरे करना चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण है और आप को सरकारी दण्ड से भी बचाएगा । अगर कोई बात उलझ गई हो तो , नि:संकोच बातचीत से ही उसे ठीक करें, तो यह सही होगा । आप को अपना काम बहुत ही समझदारी से करना चाहिए । अपने माता–पिता से किसी को भी बात को गुप्त नही रखना हैं । आप एक अच्छे मित्र के रूप में प्रदर्शित होंगे ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे । विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाडेंगे । आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा । शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज सद्ग्रन्थों का अनुसरण करें दिनचर्या मे बदलाव की जरुरत हैं । कारोबार के हिसाब से समय सकारात्मक हैं अपने स्टाफ पर भरोसा रखना होगा आप को बेफिक्री रहेगी । कामर्स के छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी महनत का सही परिणाम आएगा । बिगडे हुए काम आने वाले समय मे बनेंगे बस आप को निरंतर प्रयास करते रहना होगा ऑफिस पर ओवर टाइम होगा । किसी से हाथ पैसा लेना पडेगा परन्तु जल्दी ही आप चुका भी देंगे । कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं । कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे । अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा । आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें । मित्रो के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं । आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप बैंकिंग मे कार्यरत है तो आप का पदोन्नति के साथ ट्रासफर हो सकता हैं आप के बैलेंस शिट में सुधार होगा मुनाफे के साथ स्थाई धन बढेगा । धार्मिक माहौल का आनंद मिलेगा बच्चों के स्वभाव मे अच्छे संस्कार का बदलाव देखने को मिलेगा । आज सामाजिक काम व्यस्तता रहेगी आप अपनी चतुराई से घरेलू समस्याओं को हल निकालने मे सक्षम होंगे । कुछ जातक नौकरीपेशे मे ही अपनी जीविका तलाशेंगे और रिस्क लेने से दूर ही रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कपडे का व्यवसाय करने वालो के लिए समय मध्यम हैं न लाभ होगा और न हानि बनेगी । नौकरीपेशे से जुडे हुए हैं तो आप को संयम रखने की बहुत जरूरत हैं आप के भाई और बहन के रिश्तों मे कुछ अनबन हो सकती हैं परन्तु आप को अपने पर नियंत्रण रखना पडेगा और रिश्तों को सुधारते हुए साथ चलना होगा आज स्वास्थ्य दिक्कतें आ सकती हैं कमर के भाग मे कुछ तकलीफ़े बन सकती हैं डीनर के बाद कुछ कदम चलें हाजमा मजबूत होगा और तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप लिखने का शौक रखते हैं तो आप को नये आफर मिल सकते हैं आप कोई कम्पनी के साथ अनुबंध भी कर सकते हैं आप की प्रतिष्ठा भी बढेगी । परिवार में बनी सुख शान्ति आप को बरकरार रखनी होगी । आप को सबका साथ लेकर चलना होगा । आप के बच्चे परीक्षा मे अच्छे परिणाम लाएंगे आप को गर्व का एहसास होगा । कर्ज लेने से पहले अपनी आय का स्त्रोत भलीभांति देखले और समझले। रोज गाय और कुत्ते को रोटी खिलाए आमदनी का जरीया बढेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सफल बनाना है तो गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए । छोटी कन्या के चरण छूकर आशीर्वाद ले और कुछ उपचार दें आप कर्ज मुक्त होंगे । घर की साफ सफाई मे दिन गुजरेगा । लैव मैरेज के पूरे चांस बन रहे हैं अपने मन की बात घर वालो को बताने मे आप घबराएंगे नही आत्मविश्वास पूरा जोरों पर हैं । व्यापार मे भी समय साथ रहेगा आप निडर होकर निर्णय लेंगे । रिश्तेदारी मे कोई दावत का निमंत्रण मिलेगा आप पूरे परिवार के साथ शिरकत करेंगे पूरा लुत्फ लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 अगस्त 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 10:35 तक
नक्षत्र : शतभिषा दोपहर 01:01 तक
योग : अतिगंड रात्रि 09:33 तक
करण : गर प्रातः 10:35 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– पंचक चालू है , भद्रा रात्रि 09:40 से

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चिकित्सा विभाग दे सकेगा आरजीएचएस में ओपीडी की निर्धारित सीमा में शिथिलता

सीएम भजनलाल शर्मा का पेंशनर्स के लिए अहम निर्णय

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुलभ एवं सुचारू संचालन के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य पेंशनर्स चिकित्सा रियायती योजना-2021 में संशोधन किया है।

वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार पेंशनर्स के लिए आरजीएचएस योजना के अन्तर्गत वर्तमान में आउटडोर चिकित्सा सुविधा में दवाइयों के लिए निर्धारित 50 हजार रुपए प्रतिवर्ष एवं जांचों के लिए 5 हजार रुपए की निर्धारित सीमा में वृद्धि के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं उसके अधीन राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेन्सी को शक्तियां प्रदान की गई हैं।

इसके तहत ओपीडी दवाइयों के लिए निर्धारित सीमा में 2 लाख रुपए तक के विस्तार के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अतिरिक्त सीईओ या संयुक्त सीईओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा अधिकृत), 2 लाख से 7 लाख रुपए तक के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को प्राधिकृत किया गया है। वहीं 7 लाख रुपए से अधिक के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (प्रशासनिक विभाग) को प्राधिकृत किया गया है।

इसी तरह चिकित्सा जांचों के लिए निर्धारित 5 हजार रुपए की सीमा को बढ़ाने के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्राधिकृत है। उल्लेखनीय है कि निर्धारित सीमा राशि में वृद्धि के लिए पहले यह शक्तियां वित्त विभाग के अधीन थी। जिन्हें अब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से पेंशनर्स को अपने मेडिकल जरूरतों के मामले में ओपीडी दवाइयों एवं चिकित्सा जांचों की सीमा राशि में शिथिलता प्राप्त करने के लिए अब आवेदन करना और सरल होगा। पेंशनर्स को इसके लिए आरजीएचएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

लैटिन अमेरिकी देशों के 24 कंटेंट क्रिएटर्स ने दिया कुमारी से की मुलाकात

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां) विदेश मंत्रालय की जन कूटनीति पहल के तहत भारत भ्रमण पर आए लैटिन अमेरिकी देशों के 24 कंटेंट क्रिएटर्स के प्रतिनिधिमंडल ने आज सिटी पैलेस में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से शिष्टाचार भेंट की। यह प्रतिनिधिमंडल ब्राज़ील, मैक्सिको, अर्जेंटीना, चिली, कोलंबिया, पेरू, पनामा, कोस्टा रिका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद-टोबैगो और जमैका जैसे देशों से आया है। 9 से 15 अगस्त तक राजस्थान प्रवास के दौरान ये सभी भारत की समृद्ध विरासत, जीवंत संस्कृति और विविधतापूर्ण जीवन शैली से रूबरू हो रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की पहलों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन संभावनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार होता है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को राजस्थान की कला, स्थापत्य और आतिथ्य परंपरा से अवगत कराया और उनके अनुभव जानने में रुचि दिखाई। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत, रंग-बिरंगे उत्सवों और स्थानीय खानपान की सराहना की तथा अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर इन अनुभवों को साझा करने का आश्वासन दिया।

क्यूबा की लीह रेयास ने जीता मिस टीन अर्थ 2025 का ताज

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की मेजबानी में राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित मिस टीन अर्थ-2025 प्रतियोगिता का खिताब क्यूबा की लीह रेयास ने जीत लिया।प्रतियोगिता का शनिवार रात जी स्टूडियो में आयोजन किया गया जिसमें 11 देशों की प्रतिभागियों ने फाइनल में अपनी जगह बनाई। इनमें भारत, कंबोडिया, क्यूबा, नेपाल, स्पेन, नीदरलैण्ड, वियतनाम, कनाडा, मेक्सिको, फिलीपींस और श्रीलंका शामिल था। फाइनल में क्यूबा की लीह रेयास ने अन्य प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए ताज पर कब्जा जमाया।

कार्यक्रम की शुरुआत नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड से की गई जिसमें तमाम देशों की प्रतिभागियों ने अपने अपने देश की सुंदरता, संस्कृति और पर्यावरणीय जागरूकता की थीम पर अपने-अपने देश की विरासत, लोककला और पहचान को अनूठे अंदाज़ में प्रस्तुत किया। मिस टीन अर्थ 2025 के मंच ने अपने बहुप्रतीक्षित नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड का भव्य आयोजन किया। उसके बाद ओपेनिंग राउंड , प्रश्न उत्तर एवं कई राउंड के बाद क्यूबा की लीह रेयास ने मिस टीन अर्थ 2025 की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया जबकि दूसरे स्थान पर कनाडा की मिशा रही।

लीह रेयास ने प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें खिताब हासिल करने में सफलता मिली। सर पर ताज आते ही लीह रेयास भावुक हो गई और कहा मैं यह ट्रॉफी अपने देशवासियों को सपर्पित करती हूं। प्रतियोगिता में अन्य विशेष खिताब भी दिए गए जिनमेंमिस पॉपुलर का खिताब क्यूबा, बेस्ट इन स्विम शूट का भारत, बेस्ट ब्यूटीफुल स्किन का वियतनाम, टॉप मॉडल का मेक्सिको, बेस्ट इन ईवनिंग गाउन का नेपाल एवंबेस्ट इन रैम्प वॉक का फिलीपींस को दिया गया। टॉप छह में फिलीपींस, नेपाल, क्यूबा, मेक्सिको, स्पेन और कनाडा की प्रतिभागी शामिल रही वहीं फाइनल राउंड में दूसरे स्थान पर कनाडा की मिशा, सेकेंड रनर अप फिलीपींस की मेरिडिथ बोबाडिला, थर्ड रनर अप स्पेन की सोफिया लोरेंटे एवं फोर्थ रनरअप मेक्सिको की जोहाना गोंजालेज रही।

कार्यक्रम में ग्लैमानंद ग्रुप के डायरेक्टर निशांत आनंद, मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा सहित दुनिया भर से आए लगभग पांच सौ प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम के समापन पर घोषणा की गई कि अगले सप्ताह देश की सबसे बड़ी सौंदर्य प्रतियोगिता मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का ग्रैंड फिनाले भी जयपुर में आयोजित किया जाएगा।इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक ग्लैमआनंद ग्रुप के चेयरमैन एवं मिस यूनिवर्स इंडिया के निखिल आनंद ने कहा यह कार्यक्रम भारत मे बढ़ते वैश्विक प्रभाव का नतीजा है। आज हम अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता की मेजबानी कर करे हैं हमारे लिए गर्व की बात है। मिस टीन अर्थ दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते और चर्चित किशोर ब्यूटी पेजेंट है। इस प्रतियोगिता का आयोजन विश्व स्तर पर अपनी भव्यता और उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली प्रतियोगी अक्सर प्रतिष्ठित ब्यूटी क्वीन्स के रूप में उभरती हैं। श्री आनंद ने कहा कि ग्लैमानंद ग्रुप राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर कई ब्यूटी पेजेंट की मेजवानी कर रहा है जो वैश्विक स्तर पर भारत का नाम रौशन कर रही हैं।

इको कार की टक्कर से पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत

ड्यूटी के लिए जयपुर आ रहे थे, पुलिस लाइन में थे तैनात

चौमूं, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर-सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पुलिस कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। हादसा चौमूं कस्बे के पास राधास्वामी बाग पुलिया पर हुआ, जब एक तेज रफ्तार इको कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान 36 वर्षीय राजेंद्र कुमार सामोता पुत्र लक्ष्मीनारायण सामोता, निवासी बधाल गांव (थाना रेनवाल) के रूप में हुई है। राजेंद्र कुमार सुबह करीब 7 बजे ड्यूटी के लिए जयपुर जा रहे थे। जैसे ही वे राधास्वामी बाग पुलिया के पास पहुंचे, सामने से आ रही इको कार ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कॉन्स्टेबल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोग उन्हें तुरंत चौमूं के बराला अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हादसे में शामिल कार और चालक की पहचान की जा सके। कॉन्स्टेबल राजेंद्र कुमार 2015 बैच में राजस्थान पुलिस में भर्ती हुए थे और वर्तमान में जयपुर पुलिस लाइन में कार्यरत थे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत का आरोप

क्या भारतीय चुनाव आयोग को नॉर्थ कोरिया, रूस और चीन जैसा बनाने की कोशिश?

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली भारत को उन देशों की तरह बना रही है, जहां एक ही पार्टी का वर्चस्व होता है, जैसे नॉर्थ कोरिया, चीन और रूस। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीँशउहीँळ के सबूत जनता के सामने रखकर वोटर लिस्ट में हो रही कथित गड़बड़ियों का खुलासा किया है। देश को उन सबूतों पर भरोसा है। चुनाव आयोग द्वारा शपथ पत्र की मांग करना बेतुका है और यह केवल अपनी साख बचाने का प्रयास लगता है, उन्होंने आरोप लगाया।

उन्होंने 2018 में मुख्य चुनाव आयुक्त रहे ओ.पी. रावत का हवाला देते हुए कहा, रावत ने स्वीकार किया था कि उनके कार्यकाल में यदि कोई वरिष्ठ नेता आरोप लगाता था तो चुनाव आयोग स्वतः जांच करता और जनता के सामने तथ्य रखता, ताकि भरोसा बना रहे। गहलोत ने सवाल उठाया कि अतीत में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और नरेंद्र मोदी समेत कई विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे। क्या तब उनसे भी शपथ पत्र मांगा गया था? उन्होंने पूछा। उन्होंने तर्क दिया कि यदि राहुल गांधी के बजाय कोई खोजी पत्रकार या मीडिया संस्थान इस तरह का खुलासा करता, तो क्या आयोग निष्पक्ष जांच करता या उनसे भी शपथ पत्र की मांग करता?

सेवर जेल में कैदी की मौत, परिजनों का हंगामा

भरतपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जिले की सेवर जेल में एक कैदी की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई।

मृतक की पहचान चेतपाल के रूप में हुई है, जिसकी मौत के बाद उसके परिजनों ने सेवर जेल के बाहर जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि चेतपाल को 7 अगस्त को ही अवैध शराब बेचने के एक मामले में न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। उनकी बहन शनिवार को राखी बाँधने भी गई थी। जब आज सुबह परिजन उससे मिलने पहुँचे तो उन्हें बताया गया कि चेतपाल की मौत हो गई है।

सुधांशु पंत ने आरबीएम अस्पताल का किया निरीक्षण

भरतपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांशु पंत रविवार को एक दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे, जहां उन्होंने जिला आरबीएम अस्पताल का निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं और अस्पताल प्रबंधन की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने हड्डी रोग वार्ड, इमरजेंसी सेवाओं और नए भवन का दौरा किया। उन्होंने मरीजों से सीधा संवाद कर इलाज और सुविधाओं पर फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर और वार्डों की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वार्ड के शौचालय का भी निरीक्षण करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं पर संतोष जताया, लेकिन नए भवन में मौजूद कुछ तकनीकी व संरचनात्मक कमियों को जल्द दूर करने और इसे आमजन के उपयोग के लिए शीघ्र उपलब्ध कराने की बात कही।निरीक्षण के समय कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. राजेश गुप्ता और डॉ. मुकेश गुप्ता ने अस्पताल की वर्तमान व्यवस्थाओं और चल रहे कार्यों की जानकारी दी।

अस्पताल के अलावा मुख्य सचिव ने भरतपुर शहर की सीवरेज लाइन परियोजना, बिहारी जी मंदिर क्षेत्र, केवलादेव नेशनल पार्क और अन्य विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर कमर चौधरी, पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद, नगर आयुक्त कनिष्क कटारिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर सहित प्रशासनिक अधिकारी और अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहा।

हरियाणा में हाई एजुकेशन को लेकर होंगे बड़े बदलाव

पंचकूला, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आने वाले समय में हरियाणा की उच्च शिक्षा में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। राज्य के विश्वविद्यालयों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम तैयार करने, अनुसंधान कार्यों में विभिन्नता और परिपक्वता लाने, डिजिटल मार्केटिंग तथा कृषि के शोध कार्यों को बढ़ावा देते हुए युवाओं को खेती की तरफ मोड़ने के इरादे से हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा सभी विश्वविद्यालयों का दौरा करेंगे।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय और भिवानी के चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय से इसकी शुरुआत हो चुकी है। उच्च शिक्षा मंत्री की योजना राज्य के प्रत्येक विश्वविद्यालय का दौरा करने की है, ताकि वहां तीन से चार घंटे रहकर न केवल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रविधानों को लागू कराया जा सके, बल्कि जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता के लिए प्रस्ताव तैयार कराए जाएं।

वर्तमान में राज्य में 38 विश्वविद्यालय हैं, जिनमें एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, 10 राज्य विश्वविद्यालय, 24 निजी विश्वविद्यालय, तीन मानद विश्वविद्यालय और एक प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। हरियाणा का सबसे पुराना विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय है, जिसे 1956 में स्थापित किया गया था और इसका उद्घाटन भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था।

राज्य का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार है। यह विश्वविद्यालय एशिया के सबसे बड़े कृषि विश्वविद्यालयों में से एक है और 8,645 एकड़ में फैला हुआ है। राज्य सरकार का मानना है कि उच्च शिक्षा को रोजगारपरक बनाने की बेहद आवश्यकता है, ताकि युवाओं को सिर्फ सरकारी नौकरियों पर निर्भर न रहना पड़े।

उच्च शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा राज्य के सभी विश्वविद्यालयों का दौरा कर यह जानेंगे कि संबंधित शिक्षण संस्थान में कितने विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, कितने शिक्षक काम कर रहे हैं, कितनों की जरूरत है और कितने पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के बीच हरियाणा में सियासी संग्राम

भाजपा की जीत पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

पंचकूला, 10 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा वोटों में फर्जीवाड़े का आरोप लगाने के बाद हरियाणा में भी राजनीति तेज हो गई है। साल 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 37 सीटों पर जीत हासिल की थी और भाजपा ने 48 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई थी। कांग्रेस और भाजपा की सीटों का अंतर भले ही बहुत ज्यादा रहा, लेकिन मतों का अंतर सिर्फ एक लाख था। भाजपा ने करीब 55 लाख और कांग्रेस ने 54 लाख मत हासिल किए थे।

राहुल गांधी ने वोटों की गड़बड़ी वाले राज्यों में हरियाणा का नाम भी लिया है, जिसके बाद भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कांग्रेस पर झूठे और मनगढ़ंत एजेंडे सेट करने के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने अरविंद शर्मा को उनके दावों का जवाब दिया है।

हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा इस बार कांग्रेस के दीपेंद्र सिंह हुड्डा से रोहतक लोकसभा सीट का चुनाव हार गए थे, जबकि 2019 में उन्होंने दीपेंद्र सिंह हुड्डा को हराकर जीत हासिल की थी। अरविंद शर्मा एक समय कांग्रेस में हुआ करते थे। वह करनाल और सोनीपत से भी सांसद रहे हैं।

फिलहाल सोनीपत जिले की गोहाना विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक और हरियाणा सरकार में मंत्री हैं। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों पर कहा कि कहीं-कहीं चार-चार वोट बनी हुई हैं, लेकिन चुनाव आयोग उन्हें खत्म कर रहा है। ऐसे में इसे वोट चोरी नहीं कहा जा सकता। रोहतक के कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंत्री अरविंद शर्मा को उन्हीं के बयानों में उलझाते हुए कहा कि अब समझ में आया कि 2019 में अरविंद शर्मा रोहतक में कैसे लोकसभा का चुनाव जीते थे। अरविंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का काम ऐसे नेरेटिव (नकारात्मक बातें) सेट करना है, जिनका कोई सिर-पैर नहीं होता।

कांग्रेस ने भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को याद किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस ने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की है और देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद किया।

भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ पर, कांग्रेस ने आरएसएस पर इस आंदोलन का विरोध करने का आरोप लगाया है, जबकि उस समय कांग्रेस के नेता जेलों में सड़ रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अनमोल मंत्र, ''करो या मरो'' के साथ ब्रिटिश शासन के खिलाफ शुरू हुआ था, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को नई गति दी। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन में अनगिनत भारतीय सड़कों पर उतर आए। यह इस अपरिहार्य इतिहास की कहानी है। अगस्त क्रांति दिवस पर, हम देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 8 अगस्त, 1942 की देर रात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने ऐतिहासिक भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया। इसके बाद महात्मा गांधी ने अपना ऐतिहासिक 'करो या मरो' भाषण देते हुए भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की घोषणा की। 9 अगस्त, 1942 की सुबह, कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को जेल में डाल दिया गया। गांधीजी को 6 मई, 1944 तक पुणे की आगा खां जेल में रखा गया। रमेश ने बताया कि नेहरू, पटेल, आजाद, पंत और अन्य नेताओं को अहमदनगर किला जेल ले जाया गया, जहाँ वे 28 मार्च, 1945 तक रहे। उन्होंने कहा कि यह नेहरू की नौवीं कैद थी और उन्होंने 1921 से 1945 के बीच कुल नौ साल जेल में बिताए।

अहमदनगर जेल में ही उन्होंने भारत की खोज लिखी। जब पूरा कांग्रेस नेतृत्व जेल में सड़ रहा था और पूरे देश को भड़का रहा था, तब आरएसएस के लोग भारत छोड़ो आंदोलन का सक्रिय विरोध कर रहे थे। रमेश ने आरोप लगाया कि सात साल बाद, यह भारत के संविधान का विरोध करने का एक अवसर बन गया।

धर्मस्थल में झड़प मामले में छह गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
धर्मस्थल पुलिस ने 6 अगस्त की शाम धर्मस्थल गाँव के पंगाला क्रॉस पर एक यूट्यूबर पर हुए हमले के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। धर्मस्थल पुलिस ने इस मामले में धर्मस्थल निवासी पदप्रसाद, सुहास, गुरुप्रसाद, शशिकुमार, कलंदर और चेतन को गिरफ्तार किया और उन्हें बेल्टांगडी जज के घर पेश किया।

जज ने सभी 6 लोगों को अंतरिम जमानत दे दी और आदेश दिया कि वे सभी सोमवार को अदालत में पेश हों। धर्मस्थल पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर समर्थ आर. गनीगेरा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, दो समूहों ने अवैध रूप से इकट्ठा होकर हंगामा किया। स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच शुरू कर दी गई है।

इसी बीच धर्मस्थल थाना क्षेत्र में शवों को दफनाए जाने के मामले में एसआईटी सोमवार को खुदाई फिर से शुरू करेगी। रविवार की वजह से एसआईटी ने खुदाई का काम रोक दिया।

हालाँकि पिछले 11 दिनों में शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए लगभग 16 स्थानों पर खुदाई की गई है, लेकिन एसआईटी को कोई महत्वपूर्ण निशान नहीं मिले हैं। धर्मस्थल में बाहुबली पहाड़ी के पास शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए 16वें स्थान पर खुदाई की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। छठे स्थान पर मिले कंकाल की हड्डियों को एफएसएल भेज दिया गया है, और उनकी जाँच चल रही है।

शिकायतकर्ता द्वारा हर दिन एक ही स्थान दिखाना एसआईटी के लिए सिरदर्द बन गया है। 11 दिनों की खुदाई के दौरान कोई सटीक सबूत न मिलने के मद्देनजर, डीजी प्रणव मोहंती के नेतृत्व में एसआईटी अधिकारियों ने बैठक कर चर्चा भी की है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिक्षक सेवा संघ चिक्कमंगलूरु द्वारा टीएमएस विद्यालय के सभागार में नोटबुक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सीटी रवि ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महेंद्र मुणोत के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। विद्या सुरक्षा योजना के तहत महेंद्र मुणोत ने 46000 नोटबुक्स वितरित किए। विभिन्न सरकारी विद्यालयों के 200 से भी ज्यादा शिक्षक नोटबुक्स लेने के लिए यहां पहुंचे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुंदरेश ने की। कार्यक्रम में गीता, जोगप्पा, चंद्र गौड़ा, दिनेश, पुष्पावती, रामनाथ, सैयद एवं शिक्षक सेवा संघ के सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारत उत्सव का देश है। रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का अटूट बंधन है। पर्व भारतीय संस्कृति में पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक सम्बंधों की प्रगाढ़ता के महत्व को रेखांकित करता है। इसी के तहत बेलन्दूर सहित आस-पास के क्षेत्रों में उत्तर भारतीय, हिंदी भाषी एवं मारवाड़ी परिवारों में रक्षाबंधन पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी कुशलता एवं दीर्घायु की कामना की।

पूर्णिया एयरपोर्ट से 15 सितंबर से शुरू होगी उड़ान सेवा, सांसद पप्पू यादव ने किया निरीक्षण

पूर्णिया (एजेंसियां)।
बिहार के लोगों के लिए हवाई सफर की बड़ी सौगात जल्द मिलने वाली है। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने रविवार को पूर्णिया एयरपोर्ट का निरीक्षण किया और घोषणा की कि 15 सितंबर से यहां से उड़ान सेवाएं शुरू हो जाएंगी। शुरुआती चरण में दिल्ली और कोलकाता के लिए उड़ानें संचालित होंगी, जबकि जल्द ही हैदराबाद, बेंगलुरु और मुंबई को भी हवाई सेवा से जोड़े जाने की योजना है।

निरीक्षण के दौरान सांसद ने एयरपोर्ट की घेराबंदी और सड़क मार्ग की कनेक्टिविटी में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने निर्माण कार्य में हो रही सुस्ती और निम्न गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई और विभाग से औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की बात कही। उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए नागर विमानन मंत्री किंजरापुर राम मोहन नायडू को भी एयरपोर्ट की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। पप्पू यादव ने बताया कि शुरुआत में 70 सीट वाला इंडिगो विमान कोलकाता के लिए और बड़ी फ्लाइट दिल्ली के लिए शुरू होगी। इसके बाद हैदराबाद, बेंगलुरु और मुंबई के लिए भी उड़ान सेवा बहाल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद और बेंगलुरु जाने वालों में छात्रों और मजदूरों की संख्या अधिक है, इसलिए इन मार्गों को प्राथमिकता दी जा रही है। सांसद ने कहा कि पूर्णिया एयरपोर्ट न केवल कोसी और सीमांचल क्षेत्र के लिए, बल्कि पश्चिम बंगाल के यात्रियों के लिए भी नजदीकी विकल्प होगा। साहेबगंज पुल बनने के बाद साहेबगंज से भी लोग यहां उड़ान भरने आएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी स्थानीय मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है और कुछ कामों में मिलावट भी देखी गई है, जिसकी शिकायत वे मंत्री से करेंगे। सीनियर मैनेजर (सिविल एविएशन) ओंकार नाथ सुमन ने बताया कि 15 अगस्त तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिससे तय समय पर 15 सितंबर से उड़ान संचालन शुरू हो सकेगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन हेल्प लाइन सोशल आर्गनाइजेशन अक्किपेट के सदस्यों ने चिकलाल बाग, फ्रीडम पार्क एवं विभिन्न कबूतर खानों पर जाकर कबूतरों को दाना डाला। इस जीवदया कार्यक्रम में कैलाश संखलेचा, जीतू भंडारी, हस्तीमल सोनिगरा, राजीव सालेचा, प्रवीण सालेचा, कांतिलाल श्रीश्रीमाल, उत्तम वेदमुथा, जितेंद्र धोका, कुशाल लुंकड़ आदि ने अपनी सेवाएं दी। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

तालाब में नहाने गए दो मासूम भाइयों की डूबकर मौत, गांव में पसरा मातम

सीवान (एजेंसियां)।
सीवान जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। तालाब में नहाने गए तीन भाइयों में से दो मासूम डूब गए, जबकि तीसरा बच्चा किसी तरह अपनी जान बचाकर घर पहुंचा और परिजनों को सूचना दी। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान मोहित कुमार (10) पिता मुन्ना पांडेय और मनु कुमार (9) पिता राकेश पांडेय के रूप में हुई है। मोहित कक्षा 6 का छात्र था। मनु अपने परिवार के साथ कोलकाता में रहता था और कुछ दिन पहले ही छुट्टी में गांव आया था। रविवार को मनु ने अपने भाइयों को नहाने चलने के लिए कहा। साथ में सगे चाचा का बेटा मोहित और 7 वर्षीय सोनू भी तैयार हो गया। तीनों बिना परिवार को बताए तालाब पहुंचे। लगातार बारिश से पानी का स्तर बढ़ा हुआ था और गहराई का अंदाजा नहीं था। नहाते समय मनु और मोहित गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। सोनू किसी तरह किनारे आकर घर भागा और घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण दौड़कर तालाब पहुंचे। गोताखोरी कर घंटों प्रयास के बाद दोनों को बाहर निकाला गया। फिर स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मोहित तीन बहनों और दो भाइयों में चौथे नंबर का था, जबकि मनु के एक भाई और एक बहन थी। इस घटना से राकेश पांडेय की गोद सूनी हो गई, अब उनके पास केवल एक बेटी है। गांव में गहरा सन्नाटा है और हर किसी की आंखें नम हैं।

भगवानपुर हाट थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि तालाब में डूबने से दो किशोरों की मौत हुई है। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

ग्रामीणों ने बिजली-पानी की समस्या को लेकर किया हल्ला बोल, पांच घंटे सड़क रही जाम

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।
बिहार के सीतामढ़ी जिले के नानपुर प्रखंड के नानपुर दक्षिणी और उत्तरी पंचायत के लोगों ने रविवार को बिजली और पानी की समस्या को लेकर पुपरी-रून्नीसैदपुर मुख्य मार्ग को बांस-बल्ला लगाकर करीब पांच घंटे तक जाम कर दिया। सुबह शुरू हुआ यह आंदोलन दोपहर बाद जाकर अधिकारियों के हस्तक्षेप से समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि पंचायत में कई-कई घंटे बिजली गुल रहती है। पानी की आपूर्ति भी बाधित है, जिससे

ग्रामीणों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना था कि जब बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन कर जानकारी लेने की कोशिश की जाती है, तो वे फोन तक नहीं उठाते। मजबूरन उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।

सड़क जाम की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रूपेश कुमार मौके पर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं आएंगे, तब तक जाम जारी रहेगा। इसके बाद थानाध्यक्ष ने बीडीओ आबिद हुसैन, सीओ सुमित कुमार यादव और बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता (जेई) गौरव कुमार को सूचना दी। बीडीओ ने जेई को तुरंत मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया।

कुछ देर बाद सभी अधिकारी पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। बातचीत में सहमति बनी कि सोमवार को प्रखंड कार्यालय में बिजली विभाग और पीएचडी विभाग के अधिकारी बैठक में शामिल होंगे। प्रदर्शनकारियों की ओर से पांच सदस्यीय टीम भी बैठक में पहुंचेगी, जहां समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। बिजली विभाग के जेई गौरव कुमार ने बताया कि शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण चार से पांच घंटे बिजली बाधित रही थी, जिसे अब दुरुस्त कर लिया गया है और फिलहाल पर्याप्त आपूर्ति हो रही है। बीडीओ आबिद हुसैन ने कहा कि समस्या समाधान के लिए सभी विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक होगी।

करीब पांच घंटे तक चले जाम के कारण पुपरी-रून्नीसैदपुर मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। बैठक के आश्वासन के बाद ही ग्रामीण शांत हुए और आवागमन बहाल हो सका।

धर्मांतरण के आरोप पर मचा बवाल, हिंदू संगठन ने रोकी प्रार्थना सभा

कटिहार (एजेंसियां)।
कटिहार के सहायक थाना क्षेत्र के टीवी टावर मोहल्ले में रविवार को धर्मांतरण के आरोप को लेकर बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। हिंदू संगठन विशेष के कार्यकर्ताओं ने एक चल रही प्रार्थना सभा को बीच में रोक दिया और पुलिस को सूचना दी। संगठन का आरोप है कि यह सभा ईसाई धर्म से जुड़ी थी और इसके बहाने इलाके में धर्म परिवर्तन की कोशिश हो रही थी। सूत्रों के अनुसार, हिंदू संगठन के कार्यकर्ता अचानक मौके पर पहुंचे और प्रार्थना सभा में शामिल लोगों को रोक दिया। उनका दावा है कि इस तरह की सभाओं के जरिए इलाके में कई लोगों को धीरे-धीरे धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जो स्थानीय आस्था के साथ खिलवाड़ है।

मौके पर मौजूद कुछ महिलाएं, जो खुद को ईसाई धर्म से जुड़ा बताती हैं, ने इन आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक धार्मिक प्रार्थना सभा थी, जिसमें किसी को धर्म परिवर्तन के लिए नहीं कहा जा रहा था।

सूचना मिलते ही सहायक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। एहतियातन कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की सच्चाई सामने आएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com